{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 06 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 313
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	78,581.00
निफ्टी	-	24,624.65
सोना	-	1,54,121
चांदी	-	2,40,000
डॉलर	-	95.06

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

नितिन गडकरी को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को बड़ी राहत दे दी है। हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और अन्य डिजिटल मध्यस्थों को उनके व उनके परिवार के ई20 एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम से जुड़े कथित मानहानिकारक, डीपफेक और एआई से तैयार फर्जी कंटेंट को हटाने का अंतरिम आदेश दिया है। जस्टिस आरिफ डॉक्टर की एकल पीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान सोशल मीडिया कंपनियों और संबंधित डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया कि वे गडकरी के खिलाफ ब्रॉडकास्ट किए जा रहे कथित आपत्तिजनक, भ्रामक और मानहानिकारक पोस्ट, वीडियो तथा अन्य सामग्री को हटाएं। यह मामला नितिन गडकरी द्वारा दायर एक सिविल सूट पर सुनवाई के दौरान सामने आया। गडकरी ने अदालत से आग्रह किया था कि उनके और उनके परिवार को सरकार के ई20 एथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम से जोड़कर प्रसारित किए जा रहे डीपफेक और फर्जी एआई कंटेंट को हटाने का आदेश दिया जाए।

25 टन मिलावटी मसाले जब्त, 3 गिरफ्तार

हैदराबाद। हैदराबाद में खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले गिरोह के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई सामने आई है। हैदराबाद फूड एडल्टरेशन सर्विलांस टीम ने जीएचएमसी के फूड सेफ्टी विभाग के साथ मिलकर शहर के अलग-अलग मसाला कारोबारी और प्रोसेसिंग यूनिट्स पर एक साथ छापेमारी की। इस अभियान में करीब 25 टन मिलावटी मसाले बरामद किए गए। इस सिलसिले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके खिलाफ तीन अलग-अलग आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, यह विशेष अभियान लोगों से मिली विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर शुरू किया गया था। लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ कारोबारी मसालों में खतरनाक रसायन और औद्योगिक रंग मिलाकर उन्हें बाजार में बेच रहे हैं।

केमिकल लीक से 3 मजदूरों की मौत

यादगिरी । कर्नाटक के यादगिरी जिले के कडेचूर-बडियाल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्ट्री में केमिकल लीक होने से दम घुटने के कारण 3 मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान तेलंगाना के महबूबनगर निवासी कटला गणेश और मध्य प्रदेश के कटनी निवासी विक्रम सिंह गोंडा और संजय सिंह गोंडा के रूप में हुई है। हादसे में आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के रहने वाले मंचला हेमंत और मंचला शिवकुमार घायल हो गए। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने सैदापुर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिसीमन और महिला आरक्षण पर विशेष सत्र की तैयारी, सरकार कर रही मंथन, 16 अगस्त से तीन दिवसीय विशेष सत्र की चर्चा

दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश तेज

रिजिजू ने राहुल और प्रियंका गांधी से की मुलाकात, परिसीमन और महिला आरक्षण संशोधन बिल पर मांगा समर्थन

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाकर परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में जुटी है। सूत्रों के अनुसार, 13 अगस्त को समाप्त होने वाले मानसून सत्र के बाद संसद का तत्काल सत्रावसान (प्रोरोगेशन) नहीं किया जाएगा, ताकि जरूरत पड़ने पर जल्द विशेष सत्र बुलाया जा सके। सूत्रों के मुताबिक सरकार दोनों सदनों में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित करने के प्रयास में है। यदि पर्याप्त समर्थन मिल जाता है तो 16 से 18 अगस्त तक तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इस बीच संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मुलाकात कर परिसीमन और महिला आरक्षण संशोधन बिल पर समर्थन मांगा है।

गौरतलब है कि संसद का गतिरोध तीसरे हफ्ते पहुंच गया है, लेकिन केंद्र सरकार किसी तरह इस हंगामे को खत्म करने की पहल में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दलों के नारेबाजी के बीच लोकसभा की बैठक शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर स्थगित होने के तुरंत बाद रिजिजू ने राहुल गांधी से उनके कक्ष में मुलाकात की। रिजिजू ने परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर कांग्रेस का सहयोग मांगा, जिसे सरकार मौजूदा सत्र में फिर से पेश करने के लिए उत्सुक है। हालांकि, राहुल गांधी ने सरकार के इस अनुरोध को सिरे से खारिज कर दिया। राहुल गांधी ने किरेन रिजिजू से कहा कि राम मंदिर में कथित दान चोरी पर चर्चा और राजधानी में 20 जुलाई के विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बिना सदन की कार्यवाही नहीं चलेगी।

50 मिनट तक हुई दोनों के बीच बातचीत

रिजिजू और राहुल गांधी के बीच करीब 50 मिनट तक बैठक चली। बैठक के दौरान प्रियंका गांधी भी मौजद रहीं। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद किरेन रिजिजू ने संसद में जारी गतिरोध पर चर्चा करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और गृह मंत्री से मुलाकात की। विपक्ष ने इस सत्र में परिसीमन विधेयक पारित करने की सरकार की योजना में अड़चन पैदा कर दी है। सूत्रों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना से दलबदल के कारण सदन में मिली नई संख्या के बल पर सरकार को उम्मीद थी कि वह पिछले सत्र में विफल रहे इस विवादास्पद विधेयक को पारित करा लेगी।

16 से 18 तक विशेष सत्र बलाने की तैयारी

परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में सरकार दोनों सदनों में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित करने के प्रयास में है। यदि पर्याप्त समर्थन मिल जाता है तो 16 से 18 अगस्त तक तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार सरकार ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सामने विशेष सत्र का प्रस्ताव रखा है। कांग्रेस ने इस पर सहयोगी दलों से चर्चा के बाद अपना रुख स्पष्ट करने की बात कही है। यदि विपक्ष का पर्याप्त समर्थन मिलता है तो सरकार विधेयकों को आगे बढ़ा सकती है।

राहुल गांधी ने सिरे से खारिज किया अनुरोध

सूत्रों के मुताबिक, रिजिजू ने परिसीमन बिल और महिला आरक्षण संशोधन बिल पर कांग्रेस का सहयोग मांगा, जिन्हें सरकार मौजूदा सत्र में फिर से पेश करने की इच्छुक है। वहीं राहुल गांधी ने सरकार के अनुरोध को सिरे से खारिज कर दिया। विपक्ष के नेता ने किरेन रिजिजू से कहा कि जब तक राम मंदिर में कथित तौर पर चंदा चोरी होने के मामले पर चर्चा नहीं होती और राजधानी में 20 जुलाई को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर गृह मंत्री अमित शाह का बयान नहीं आता, तब तक सदन की कार्यवाही नहीं चल सकती। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी से मिलने के बाद किरेन रिजिजू ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और गृह मंत्री से मुलाकात की और संसद में जारी गतिरोध पर चर्चा की। अडियल विपक्ष ने इस सत्र में परिसीमन बिल पास करने की सरकार की योजना में अड़ंगा लगा दिया है।

सरकार को क्या उम्मीद है?

सूत्रों के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना से नेताओं के पाला बदलने की वजह से सदन में बदली हुई संख्या-बल के दम पर सरकार को उम्मीद थी कि वह उस विवादित बिल को पास करा लेगी, जो पिछले सत्र में पास नहीं हो पाया था। विपक्ष छात्रों पर की गई कार्रवाई को लेकर अमित शाह को निशाना बना रहा है और सदन में उनसे बयान की मांग कर रहा है। सरकार ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि विरोध-प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग का फैसला मजिस्ट्रेट करता है, न कि गृह मंत्री।

एक नया परिसीमन आयोग गठित किया जाएगा

परिसीमन का अर्थ है लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं और सीटों का नए सिरे से निर्धारण। इसका उद्देश्य बदलती जनसंख्या के अनुरूप प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं का संतुलन स्थापित करना होता है। सरकार द्वारा लाए गए प्रस्तावित परिसीमन विधेयक-2026 के तहत एक नया परिसीमन आयोग गठित किया जाएगा, जो नवीनतम जनगणना के आधार पर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों का पुनर्गठन करेगा। यदि विधेयक पारित होता है तो लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 815 तक बढ़ाई जा सकती है। केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अधिकतम 35 सीटों का प्रावधान हो सकता है। इस प्रकार कुल लोकसभा सीटों की संख्या 850 तक पहुंच सकती है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मिलने वाली सीटों का पुनर्वितरण नई जनसंख्या के आधार पर होगा। संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाएं नए सिरे से निर्धारित की जाएंगी।

महिला आरक्षण लागू करने का रास्ता

सरकार का कहना है कि नए परिसीमन के बाद ही लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा। प्रस्ताव के अनुसार महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें समय-समय पर बदलती रहेंगी, ताकि अलग-अलग क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व का अवसर मिल सके। भारत में लोकसभा सीटों की संख्या समय-समय पर बढ़ाई गई। 1952 में 489 सीटें की गईं। वहीं 1963 में 1961 की जनगणना के आधार पर 522 सीटें की गईं। 1973 में 1971 की जनगणना के आधार पर 543 सीटें की गईं। इसके बाद 42वें संविधान संशोधन के जरिए सीटों के पुनर्वितरण पर रोक लगाई गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 2026 तक कर दिया गया। वर्ष 2002 में परिसीमन आयोग ने निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं में बदलाव किया था, लेकिन लोकसभा सीटों की कुल संख्या 543 ही बनी रही। यदि सरकार विशेष सत्र बुलाती है और आवश्यक संवैधानिक संशोधन पारित हो जाते हैं, तो देश की चुनावी राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। नई जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण, महिला आरक्षण का क्रियान्वयन और निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन आगामी आम चुनावों की दिशा और राजनीतिक समीकरणों पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है। हालांकि, फिलहाल विशेष सत्र बुलाने और विधेयकों को पेश करने संबंधी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

दुष्कर्म के मामलों में साक्ष्य के आधार पर फैसला दे कोर्ट

-सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी ने जारी की नई गाइडलाइन

नई दिल्ली। दुष्कर्म और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की सुनवाई को अधिक संवेदनशील, निष्पक्ष और पीड़िता-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (एनजेए) भोपाल ने नई गाइडलाइन जारी की है। यह दिशा-निर्देश सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में तैयार किए गए हैं, जिनका उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में पूर्वाग्रह को समाप्त करना और केवल साक्ष्यों के आधार पर निर्णय सुनिश्चित करना है। गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि सुनवाई और फैसला लिखते समय न्यायाधीश पीड़िता के चरित्र, पहनावे, निजी जीवन, सामाजिक व्यवहार या नैतिक धारणाओं को आधार न बनाएं। ऐसे मामलों में केवल उपलब्ध साक्ष्य, गवाहों के बयान और कानूनी तथ्यों के आधार पर निर्णय दिया जाए। चरित्रहीन, बेशर्म, प्रॉस्टीट्यूट जैसे अपमानजनक शब्दों के प्रयोग से भी बचने के निर्देश दिए गए हैं। अकादमी ने यह भी कहा है कि पीड़िता की पहचान और गोपनीयता पूरी तरह सुरक्षित रखी जाए तथा अदालत का वातावरण सम्मानजनक बनाया जाए। गवाहों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार हो और उन्हें अनावश्यक प्रतीक्षा न कराई जाए। यदि पीड़िता चाहे तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या इन-कैमरा कार्यवाही जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। गाइडलाइन के अनुसार न्यायिक भाषा निष्पक्ष, संवेदनशील और पूर्वाग्रह-मुक्त होनी चाहिए। इससे पीड़िताओं का न्याय व्यवस्था पर भरोसा बढ़ेगा और अदालतों में लैंगिक संवेदनशीलता को भी मजबूती मिलेगी।

अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट से झटका

इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति नहीं

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी को आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अदालत ने उनकी याचिका भी खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई के बाद कहा कि पिछली सुनवाई में अभिषेक बनर्जी को पहले कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के विशेषज्ञों से परामर्श लेने की सलाह दी गई थी। अदालत ने कहा था कि अस्पताल की रिपोर्ट मिलने के बाद ही इस मामले में फैसला किया जाएगा।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने राहत देने से क्यों किया इनकार?

हालांकि, सुनवाई के दौरान अभिषेक बनर्जी की ओर से अदालत को बताया गया कि वह एसएसकेएम अस्पताल नहीं जाएंगे। इसके बाद न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने उन्हें विदेश जाकर इलाज कराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और पूरी याचिका खारिज कर दी। इससे पहले 20 जुलाई की सुनवाई में हाईकोर्ट ने उन्हें पहले एसएसकेएम अस्पताल से परामर्श लेने को कहा था। इसके बाद अभिषेक बनर्जी ने विदेश जाने की अनुमति के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

कॉकरोच जनता पार्टी हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट की सरकार को नसीहत

युवाओं की आवाज सुनिए, आक्रामक रवैया नहीं

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद चलो प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों को महत्वपूर्ण संदेश दिया। अदालत ने कहा कि युवाओं की बात सुनना किसी भी सरकार का सबसे ताकतवर हथियार है और विरोध प्रदर्शनों से निपटने में संयम, संवाद तथा काउंसलिंग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की पीठ ने यह टिप्पणी रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी मनीष कुमार सोलंकी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में 20 जुलाई को आयोजित संसद चलो मार्च के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को इसी घटनाक्रम से जुड़ी एक अन्य याचिका के साथ जोड़ दिया है।

भटके युवाओं को समझाने की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि कुछ युवा पत्थरबाजी जैसी घटनाओं में शामिल भी हो जाएं, तब भी पहला प्रयास उन्हें समझाने और मुख्यधारा में वापस लाने का होना चाहिए। अदालत ने कहा कि ऐसे युवाओं की काउंसलिंग की जानी चाहिए, क्योंकि केवल सख्ती से समस्या का समाधान नहीं होगा।

पुलिस संयम से काम ले

पीठ ने कहा कि विरोध-प्रदर्शन लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा हैं। यदि प्रदर्शन के दौरान तनाव की स्थिति बनती है, तो पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अत्यधिक संयम बरतना चाहिए ताकि हालात और न बिगड़ें।

युवाओं की बात सुनना सबसे प्रभावी तरीका

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सरकार को यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि युवा आखिर किस कारण विरोध कर रहे हैं।

पीएम मोदी का फेसबुक से वीडियो हटाने पर सरकार ने जुकरबर्ग को दी मोहलत

तय समय सीमा में आवश्यक कार्रवाई नहीं की तो उठाए जाएंगे कानूनी कदम

नई दिल्ली,। केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। पीएम मोदी से जुड़ा एक वीडियो हटाए जाने के मामले के बाद सरकार ने प्रमुख टेक कंपनियों को सख्त चेतावनी दी है। सरकार ने साफ किया है कि यदि तय समय सीमा में संतोषजनक जवाब और आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई तो कानूनी कदम उठाए जाएंगे, साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मिलने वाली 'सेफ हार्बर' सुरक्षा समाप्त करने की कार्रवाई पर भी विचार किया जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग को तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण देने, माफी मांगने और आवश्यक कार्रवाई करने का समय दिया है। सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर मौजूद सामग्री के लिए ज्यादा जवाबदेह होना होगा।

सरकार ने गूगल, यूट्यूब, एक्स, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट समेत सभी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया है कि वे बच्चों के यौन शोषण और महिलाओं से संबंधित आपत्तिजनक यौन सामग्री को तीन दिनों के भीतर हटाना सुनिश्चित करें। ऐसा नहीं होने पर संबंधित प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संसद की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति की तीन अगस्त को तीन घंटे तक चली बैठक के बाद समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने कहा था कि मेटा ने खुद स्वीकार किया है कि पीएम मोदी का वीडियो रात 12:30 बजे से सुबह पांच बजे तक प्लेटफॉर्म पर अनुपलब्ध रहा। यह बेहद गंभीर मामला है और इस पर मार्क जुकरबर्ग की ओर से व्यक्तिगत माफी आनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि यदि जुकरबर्ग माफी नहीं मांगते हैं तो आईटी अधिनियम के तहत मेटा को प्राप्त 'सेफ हार्बर' संरक्षण वापस लेने पर विचार किया जाना चाहिए। इस प्रावधान के तहत सोशल मीडिया नेटवर्क और इंटरनेट सेवा प्रदाता अपने प्लेटफॉर्म पर थर्ड पार्टी की सामग्री के लिए कानूनन जिम्मेदार नहीं होते।

चार नाबालिग समेत 9 गिरफ्तार, जंतर-मंतर पर करना चाहते थे आतंकी हमला!

आरोपियों से बोतल बम, पिस्तौल, कारतूस बरामद, आईएसआई से हो सकता है कनेक्शन

नई दिल्ली। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर आतंकी वारदातों को अंजाम देने की साजिश का दावा किया है। अमृतसर पुलिस के मुताबिक इस मामले में दो अलग-अलग गिरोहों से जुड़े चार नाबालिग समेत नौ लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के पास से बोतल बम, पिस्तौल, कारतूस और अन्य संदिग्ध सामान बरामद हुआ है। जांच में इस नेटवर्क का कनेक्शन दिल्ली के जंतर-मंतर से भी सामने आया है।

पुलिस के मुताबिक एक गिरोह का आरोपी अपने साथियों के साथ जंतर-मंतर पहुंचा था, जहां एक धरने के दौरान कथित आतंकी वारदात को अंजाम देने की योजना थी। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के कारण आरोपी अपने मंसूबे में सफल नहीं हो सके। अमृतसर पुलिस कमिश्नर के मुताबिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों को पाकिस्तान में बैठे आईएसआई हैंडलर से निर्देश मिल रहे थे। पुलिस का दावा है कि जंतर-मंतर पहुंचने के बाद आरोपियों को स्थानीय स्तर पर मदद और सामग्री उपलब्ध कराने की कोशिश की गई थी। वे उत्तर प्रदेश के रहने वाले एक व्यक्ति के संपर्क में भी आए थे, जिसे कथित तौर पर हथियार और विस्फोटक मुहैया कराने थे।

पुलिस के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता के चलते वहां कोई वारदात नहीं हो सकी और आरोपी वापस पंजाब लौट आए। अब जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ रही हैं। विदेशी फंडिंग, स्थानीय मदद, हथियारों की सप्लाई और दूसरे संभावित सहयोगियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

पुलिस का दावा है कि पूछताछ में सुखमन ने पाकिस्तान में बैठे कथित आईएसआई हैंडलर के संपर्क में होने की बात बताई। जांच एजेंसियों के मुताबिक उसे जंतर-मंतर पर वारदात करने का कथित टास्क दिया गया था। पुलिस यह भी आरोप लगा रही है कि गिरोह के सदस्य पंजाब में पुलिस इमारतों की रेकी कर रहे थे और उन्हें पुलिसकर्मियों की गतिविधियों की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए गए थे। जांच के दौरान पुलिस को दूसरे गिरोह से जुड़ी एक और गंभीर जानकारी मिली। बीते महीने जौड़ा फाटक के पास रेलवे ट्रैक के पोल पर मिले कैमरे की जांच के दौरान मोहकमपुरा निवासी वंश कुमार और उसके एक नाबालिग साथी को पकड़ा था। पूछताछ में दोनों ने कैमरा लगाने की बात स्वीकार की। पुलिस का आरोप है कि इन कैमरों से मिलने वाली फुटेज पाकिस्तान भेजी जा रही थी। सैन्य इलाकों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी बाहर भेजे जाने की आशंका की भी जांच हो रही है।

सीपी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए नाबालिग आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं और पढ़ाई छोड़ चुके हैं। पुलिस का दावा है कि छोटे-छोटे लालच देकर उन्हें देश विरोधी गतिविधियों में शामिल किया गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हैंडलरों ने इन युवाओं से संपर्क कैसे किया और उन्हें किस तरह अपने नेटवर्क में शामिल किया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में 19 साल का वंश कुमार शामिल है, जिसने दसवीं तक पढ़ाई की है।

कुछ ना कहना

कान्हा से सटे गांवों में टाइगर टेरर, हर दिन दहशत में गुजर रही जिंदगी

महिला की जान लेने के अगले ही दिन, बाघ ने भैंस का किया शिकार, ग्रामीण बोले- 3 वर्षों में हो चुकी है 4 ग्रामीणों की मौत, मुआवजे में देरी से फूटा ग्रामीणों का आक्रोश, ग्रामीणों ने सुरक्षा बढ़ाने की करी मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कान्हा नेशनल पार्क से लगे ग्रामीण अंचलों में लोग, रोजाना बाघ की दहशत में अपनी जिंदगी गुजारने को मजबूर है।जहां कान्हा से सटे ग्रामो में बाघों की बढ़ती गतिविधियों ने एक बार फिर वन्यजीव-मानव संघर्ष को गंभीर बना दिया है। बीते दो दिनों में हुई दो घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा दी है। अभी हाल ही में एक बाघिन ने महिला के घर में घुसकर उसका शिकार कर लिया था जिससे महिला की मौत हो गई थी, अभी यह मामला ठंडा भी नहीं हुआ था की, इस घटना के अगले ही दिन गांव के समीप जंगल में चर रही एक भैंस को बाघ ने अपना शिकार बना लिया। लगातार हो रही इन घटनाओं से कुमादेही, पर्रापुर, मालखेड़ी और खापा सहित आसपास के गांवों में भय और दहशत का माहौल है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग की है।

बाघों की मौजूदगी,लोगों के लिए खतरा

ग्रामीणों का कहना है कि कान्हा प्रबंधन द्वारा एक ओर आदमखोर बाघिन के रेस्क्यू की कार्रवाई की गई है, लेकिन दूसरी ओर क्षेत्र में अन्य बाघों की लगातार बढ़ती मौजूदगी लोगों के लिए खतरा बनी हुई है। खेतों में काम करने से लेकर मवेशियों को चराने और शाम ढलने के बाद घर से बाहर निकलने तक लोग डर के साये में जीवन बिताने को मजबूर हैं।

तीन वर्षों में चार लोगों की हो चुकी है मौत

बेलसिह परते, नन्दलाल मेरावी,सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पिछले तीन वर्षों के दौरान बाघ और अन्य वन्यजीवों के हमलों में चार लोगों की जान जा चुकी है।इसके अलावा दर्जनों मवेशी, पालतू कुत्ते, बकरे, बकरियां, बत्तख और मुर्गे-मुर्गियां भी वन्यजीवों का शिकार बन चुके हैं। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों की आजीविका प्रभावित हो रही है और पशुपालन करने वाले परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

खेत जाने में भी डर रहे ग्रामीण

ग्रामीण टेलसिंह,मंगलाल मेरावी,सहित अन्य स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के इस मौसम में खेती का कार्य चरम पर है, लेकिन बाघों की मौजूदगी के कारण किसान खेतों तक जाने से भी डर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार खेतों और जंगल की सीमा पर बाघ दिखाई देते हैं, जिससे हर दिन जान का खतरा बना रहता है। महिलाओं और बच्चों में भी भय का माहौल है।

मुआवजे में देरी से बढ़ा आक्रोश

पीड़ित परिवारों ने आरोप लगाया कि वन्यजीव हमलों में जान-माल का नुकसान होने के बावजूद कई महीनों से मुआवजा और सहायता राशि का भुगतान नहीं किया गया है। उनका कहना है कि बार-बार आवेदन और अधिकारियों से संपर्क करने के बाद भी केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं। इससे ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने की मांग

जनपद पंचायत परसवाड़ा अध्यक्ष सम्मलसिंह धुर्वे सहित अन्य ग्रामीणों ने वन विभाग और कान्हा प्रबंधन से मांग की है कि प्रभावित गांवों में गश्त बढ़ाई जाए, बाघों की निगरानी के लिए विशेष टीम तैनात की जाए, संवेदनशील क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया जाए और पीड़ित परिवारों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में और भी बड़ी घटनाएं हो सकती हैं।

अधिकारियों से नही हो सका सम्पर्क

ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों और मुआवजे में देरी के संबंध में फिलहाल वन विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। विभाग की प्रतिक्रिया के बाद ही स्थिति और दावों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी। पूरे मामले को लेकर हमने वन विभाग के अधिकारियों के संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

विद्यार्थियों की सुविधा बनी प्राथमिकता, कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देश पर बुदबुदा-नदीटोला पुल की एप्रोच रोड तैयार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी तहसील के अंतर्गत बुदबुदा और नदीटोला के बीच कासनाला पर निर्माणाधीन पुल की एप्रोच रोड नहीं होने से ग्रामीणों, विशेषकर छात्र-छात्राओं को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मामला मीडिया के माध्यम से सामने आने पर कलेक्टर कुमार सत्यम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए लोक

निर्माण विभाग सेतु संभाग के अधिकारियों को एप्रोच रोड तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश के बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुल के दोनों ओर अस्थायी एप्रोच रोड तैयार कर दी है, जिससे विद्यार्थियों का आवागमन शुरू हो गया है।

लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग द्वारा कासनाला पर पुल का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है, लेकिन एप्रोच रोड के अभाव में पुल का उपयोग नहीं हो पा रहा था। इससे आसपास के ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

कलेक्टर कुमार सत्यम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ को तत्काल एप्रोच रोड तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों और ग्रामीणों की समस्या का शीघ्र समाधान हो सके। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के एसडीओ अर्जुन सिंह सनोडिया ने बताया कि पुल की एप्रोच रोड का कार्य फिलहाल अर्थवर्क स्तर तक पूरा किया गया है। वर्तमान में वर्षा ऋतु को देखते हुए स्थायी निर्माण संभव नहीं है। बारिश समाप्त होने के बाद एप्रोच रोड का सीमेंट-कांक्रीट (सीसी) निर्माण कराया जाएगा और इसके बाद पुल को विधिवत सामान्य यातायात के लिए शुरू किया जाएगा।

एसडीओ श्री सनोडिया ने बताया कि छात्र-छात्राओं की परेशानी को देखते हुए एप्रोच रोड पर मुरम और गिट्टी बिछाकर अस्थायी रूप से आवागमन शुरू कराया गया है, ताकि उन्हें स्कूल आने-जाने में कठिनाई न हो। हालांकि, सुरक्षा की दृष्टि से इस मार्ग पर बड़े वाहनों का आवागमन फिलहाल प्रतिबंधित रखा गया है। उन्होंने बताया कि पुल निर्माण कर रहे ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं कि वह एप्रोच रोड की लगातार निगरानी रखे तथा आवश्यकता अनुसार समय-समय पर मुरम और गिट्टी डालकर मार्ग को समतल बनाए रखे, ताकि छात्र-छात्राओं का आवागमन सुरक्षित और सुचारु रूप से जारी रहे।

ग्रामीणों ने कलेक्टर कुमार सत्यम द्वारा मामले में त्वरित संज्ञान लेकर तत्काल राहत दिलाने पर संतोष व्यक्त किया है। अस्थायी एप्रोच रोड बनने से विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है, जबकि स्थायी सीसी एप्रोच रोड बनने के बाद यह पुल क्षेत्र के लोगों के लिए सुगम और सुरक्षित आवागमन का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाएगा।

भावांतर योजना नहीं, किसानों के साथ विश्वासघात है

सड़क से लेकर सदन तक करेंगे आंदोलन-किसान गर्जना संगठन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश सरकार धान उत्पादक किसानों के साथ एक और बड़ा अन्याय करने की तैयारी में है। भावांतर योजना के नाम पर किसानों को सरकारी खरीदी से दूर कर निजी व्यापारियों के भरोसे छोड़ने की साजिश रची जा रही है।किसान गर्जना संगठन इस किसान विरोधी योजना का पुरजोर विरोध करता है और स्पष्ट चेतावनी देता है कि किसी भी कीमत पर किसानों का शोषण नहीं होने दिया जाएगा।प्रदेश के हजारों गांवों में मंडियों का अभाव है। यदि भावांतर योजना लागू हुई तो किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए25, से 35, 80 से 95 किलोमीटर तक भटकना पड़ेगा।परिवहन का अतिरिक्त खर्च, समय की बर्बादी और व्यापारियों की मनमानी का पूरा बोझ किसानों पर डाला जाएगा। सरकार अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटकर किसानों को खुले बाजार में लूटने के लिए छोड़ना चाहती है।सरकार बताए कि जब वर्षों से समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था चल रही है, तो उसे कमजोर करने की जरूरत क्यों पड़ रही है? आखिर किसके दबाव में किसानों को व्यापारियों के हवाले किया जा रहा है? किसान इसका जवाब मांग रहा है।किसान गर्जना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने कहा कि यदि सरकार ने भावांतर योजना के माध्यम से धान खरीदी लागू करने का प्रयास किया, तो पूरे मध्य प्रदेश में गांव-गांव आंदोलन होगा। सड़क से लेकर विधानसभा तक किसानों की आवाज बुलंद की जाएगी। किसानों के हितों पर कुठाराघात किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मांग पूरी ना होने सड़क पर उतरेंगे किसान

किसान गर्जना संगठन सरकार से मांग करता है कि धान की खरीदी पूर्व की तरह सरकारी खरीदी केंद्रों पर ही सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक क्षेत्र में पर्याप्त खरीदी केंद्र एवं मंडियां स्थापित की जाएं।किसानों को व्यापारियों के भरोसे छोड़ने वाली किसी भी व्यवस्था को तत्काल वापस लिया जाए।किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का पूरा लाभ और समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।बताया कि यह लड़ाई किसी संगठन की नहीं, प्रदेश के हर किसान के सम्मान और अधिकार की लड़ाई है।उन्होंने बताया कि किसान गर्जना का बिगुल बज चुका है। यदि सरकार नहीं चेती, तो प्रदेशभर का किसान सड़कों पर होगा और इस किसान विरोधी निर्णय को वापस लेने तक संघर्ष जारी रहेगा।

पिछले 3 दिनों से जारी है पटवारी संघ की हड़ताल, राजस्व का काम ढप

5 में से 4 मांगों पर बनी सहमति,प्रांतीय स्तर पर सरकार से बातचीत जारी, वर्षाकाल में आरबीसी प्रकरण, नामांतरण, बंटवारा ठप, किसानों को हो रही परेशानी, कहा-भर्ती पटवारी के पद पर ही हुए, उसी पद सेवानिवृत्त होंगे?

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबीत अपनी विभिन्न पांच सूची मांगों को लेकर बालाघाट सहित प्रदेश भर के पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं।तीन दिनों से जारी उनकी यह हड़ताल बुधवार को भी जारी रही। जहां पटवारी संघ द्वारा उनकी समस्त मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है। हालांकि सरकार और पटवारी संघ के प्रतिनिधि मंडल के बीच 5 में से 4 मांगों पर सहमति बन चुकी है,लेकिन पटवारी संघ सभी पांचों मांगो को पूरा करने पर अड़ा हुआ है जिसको लेकर हड़ताल जारी है।आए दिनों की तरह ही बुधवार को जारी इस हड़ताल के दौरान जिला पटवारी संघ के पदाधिकारी तहसील कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगो को लेकर जमकर नारेबाजी करते रहे जिन्होंने राजस्व के किसी भी काम को हाथ तक नहीं लगाया। जिसके चलते लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार से नाराज चल रहे पटवारी,जिले के 600 पटवारी भी हड़ताल पर

सरकार की हर योजना को जमीन तक पहुंचाने वाले पटवारी इन दिनों खुद सरकार से नाराज हैं। आवेदन और निवेदन के बाद भी मांगे नहीं मानी जाने से बालाघाट जिले के 600 से अधिक पटवारियों ने काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। तहसील कार्यालय के सामने पंडाल लगाकर धरने पर बैठे पटवारियों की हड़ताल से न सिर्फ सरकारी कामकाज प्रभावित हो रहा है, बल्कि वर्षाकाल में किसानों और आम जनता को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कई तरह के कार्य हुए ढप

पटवारियों की इस हड़ताल से वर्षाकाल में सबसे ज्यादा जरूरी, काम ठप पड़ गए है। वर्तमान में वर्षाकाल चल रहा है। इस दौरान सर्पदंश, तेज बारिश से मकान गिरना या क्षतिग्रस्त होना जैसी आपदाओं में आरबीसी के तहत प्रकरण बनाकर पीड़ितों को आर्थिक सहायता दिलाने की सबसे अहम कड़ी पटवारी ही होते हैं। लेकिन हड़ताल के कारण ये प्रकरण पूरी तरह प्रभावित हो गए हैं। इसके साथ ही नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, सीएम हेल्पलाइन सहित राजस्व से जुड़े सभी जरूरी काम भी ठप पड़े हैं। इससे किसान और आम नागरिक तहसीलों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

हड़ताल से जनता परेशान

पटवारियों के हड़ताल पर चले जाने से जिले की सभी तहसीलों में राजस्व संबंधी काम प्रभावित हो रहे हैं। खेत की नाप-जोख, सीमांकन, फौती नामांतरण, ऋण पुस्तिका जैसे काम रुकने से किसान परेशान हैं। वहीं आरबीसी के प्रकरण लंबित होने से आपदा प्रभावित परिवारों को समय पर मदद नहीं मिल पा रही है।पटवारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मुख्य मांग पूरी नहीं होती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। अब देखना होगा कि सरकार पटवारियों की इस मांग पर कब तक निर्णय लेती है।

5 में से 4 मांगों पर सहमति, मुख्य मांग अटकी

जिलाध्यक्ष बिरनवार ने कहा कि हम काम बंद नहीं करना चाहते, लेकिन मजबूरी में हड़ताल करनी पड़ रही है। प्रांतीय नेतृत्व की सरकार से लगातार बातचीत चल रही है। पांच मांगों में से चार मांगों पर सरकार सहमत हो गई है और उनमें से दो मांगों के आदेश भी जारी हो चुके हैं। लेकिन सबसे प्रमुख मांग समयमान वेतनमान और पदोन्नति को लेकर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। इसी कारण हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

पदोन्नति नहीं, इसलिए सड़कों पर उतरे पटवारी

मध्यप्रदेश पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष अरुण बिरनवार ने बताया कि हर विभाग में भर्ती के बाद पदोन्नति की प्रक्रिया होती है, लेकिन पटवारी एकमात्र ऐसा पद है जहां व्यक्ति भर्ती भी पटवारी के पद पर होता है और सेवानिवृत्त भी उसी पद से होता है। जबकि तहसील के चपरासी तक प्रमोशन पाकर बाबू और नायब तहसीलदार तक पहुंच जाते हैं।इसी विसंगति को दूर करने के लिए पटवारी लंबे समय से समयमान वेतनमान की मांग कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष ने बताया कि पटवारी आरआई और नायब तहसीलदार के पद तक प्रमोट हो सकते हैं, लेकिन 2018 के बाद से नायब तहसीलदार के लिए कोई परीक्षा नहीं हुई है और न ही आरआई के पद के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। इसी वजह से पटवारियों का भविष्य अंधकार में है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से नेत्रहीन दिव्यांग युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम दीनी में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से एक नेत्रहीन दिव्यांग युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना 4 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे की है। घायल युवक संजय डहारे पिता सुंदरलाल डहारे 32 वर्ष को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय बीकॉम द्वितीय वर्ष का छात्र है तथा नेत्रहीन दिव्यांग है। 4 अगस्त की दोपहर 3 बजे संजय गांव के गांधी चौक पर गुटखा लेने गया था। गुटखा खरीदने के बाद वह पैदल अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान माता मंदिर के पास सामने से तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। दुर्घटना में उसकी कमर में गंभीर चोट आई है।घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल संजय को उठाकर पास की दुकान की बेंच पर लिटाया और उसके परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और निजी वाहन से उसे जिला अस्पताल बालाघाट ले जाकर भर्ती कराया। जहां उसका उपचार जारी है।जिला अस्पताल पुलिस ने घायल का बयान दर्ज कर मामले को अग्रिम कार्रवाई के लिए रामपायली थाना भेज दिया है। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर का मालिक परदेसी मोहारे तथा चालक जितेंद्र मानेश्वर बताया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आला हजरत का 108 वां सालाना उर्स आज से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पूरी दुनिया को इस्लाम धर्म की मूल विचारधारा सूफीवाद की पहचान कराने वाले, विश्व प्रसिद्ध धर्मगुरू और महान सूफी संत इमाम अहमद रजा खान आला हजरत के तीन दिवसीय 108 वां सालाना उर्स की शुरूआत आज 6 अगस्त से होगी। जिसका समापन आगामी 8 अगस्त को कुल की फातिया के साथ होगा। उर्स को पूरी अकीदत के साथ पूरे भारत सहित जिले में मनाया जाएगा।ज्ञात हो कि अहले सुन्नत के मुख्यालय बरेली शरीफ से तारीख का ऐलान होने के बाद 6 अगस्त को भारत के ग्रैंड मुफ्ती असजद रजा खान कादरी द्वारा परचम कुशाई के साथ उर्स कार्यक्रमो की शुरूआत की जाएगी।इसी कड़ी में बालाघाट मुख्यालय में जामा मस्जिद के अलावा अन्य मस्जिदों और मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में 8 अगस्त शनिवार को दोपहर 2.38 बजे कुल की विशेष फातिया के साथ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम और लंगर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।रजा एक्शन कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शोएब खान ने बताया कि उर्स के अवसर पर कुरान खानी, मिलाद खानी, दरूद की महफिल सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। बालाघाट जामा मस्जिद और शहर की अन्य मस्जिदों पर कार्यक्रम आयोजित होंगे और आला हजरत की जीवनी पर तकरीर दी जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष हाजी शोएब खान ने बताया कि आला हजरत इमाम अहमद रजा खान का जन्म 1856 को भारत के बरेली शरीफ में हुआ था। जिनके जन्म के समय भारत की आजादी की लड़ाई लड़ी जा रही थी। अंग्रेज अपने फरेब से कौमों को आपस में लड़ाकर, कमजोर और भ्रमित करने का काम कर रहे थे। दौलत और शोहरत की खातिर बड़े-बड़े नामचीन, अंग्रेजों के गुलाम बनकर, इस्लाम और कौम के खिलाफ थे। ऐसे वक्त में आला हजरत ने अपने इल्म और शिक्षा से इस्लाम की सच्चाई को लोगों के सामने लाकर धर्म और इंसानियत को बचाया। उन्होंने धर्म और समाज विरोधी दुश्मन और गद्दारो को बेनकाब कर पूरी दुनिया के इस्लाम अनुयायियों पर एहसान किया। इस्लाम की सच्चाई के लिए हुस्सामुलहरमैन, वसाया शरीफ, अल दौलतुल मककीया और "फतावा रज्विया" जैसी लगभग 13 सौ अधिक किताबों के अलावा कुरआन का अनुवाद कंजुल ईमान के रूप में देकर पूरी दुनिया को अल्लाह और उसके रसुल की पहचान कराते हुए इस्लाम के अमन एवं शांति के संदेश को सही रूप में साबित किया। श्री खान बताते है कि आला हजरत ने 17 दिसंबर 1920 को जमात रजा-ए-मुस्तफा नाम से संगठन का गठन किया गया था। जिसके माध्यम से समाज को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना था। आज जरूरत है कि संगठन से जुड़कर हम सामाजिक प्रगति के लिए कार्य करें। इसलिए हम सभी मसलके आला हजरत के मानने वालों को बरेली शरीफ से जुड़कर काम करने की जरूरत हैं।

ग्राम बोरी के जंगल झरने से एक व्यक्ति की लाश बरामद

तुकाराम की शराब के नशे में झरने में डूबने से मौत होने की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोरी के जंगल स्थित एक झरने से एक व्यक्ति की लाश मिलने से सनसनी फैल गई।मृतक की पहचान तुकाराम पिता गोपीचंद बागडे 45 वर्ष ग्राम लिंगा निवासी के नाम से की गई। जिसकी इस झरने में डूबने से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। ग्रामीण पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और मर्ग कायम कर जान शुरू की है प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लिंगा निवासी तुकाराम बागड़े खेती मजदूरी करता था। 3 अगस्त की सुबह तुकाराम घर से जंगल में लकड़ी (डक्का) लेने जाने की बात कहकर निकला था। परिजनों के अनुसार वह शराब के नशे में था। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर उसकी रात्रि में ही गांव मोहल्ले आसपास के गांव में खोजबीन की गई किंतु वह नहीं मिला। 4 अगस्त को परिजनों ने तुकाराम की तलाश शुरू की।तलाश के दौरान ग्राम बोरी से करीब तीन किलोमीटर अंदर जंगल में स्थित एक झरने के किनारे तुकाराम का शव पड़ा मिला। इसकी सूचना तत्काल नवेगांव पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल भिजवाया और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।5 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे ग्रामीण पुलिस ने जिला अस्पताल में शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात तुकाराम का शव पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस का अनुमान है कि तुकाराम झरने में पानी पीने के दौरान नशे की हालत में पैर फिसलने से पानी में गिर गया।जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय तहसीलदार, तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र)

इस्तेहार

रा.प्र.क्र./0010/ड-154/2026-27 लालबर्रा,तारीख 28/07/2026

न्यायालय नायब तहसीलदार कनकी रा.प्र.क्र./0010/ड-154/2026-27 मौजा-छतेरा रा.नि.म. कनकी

आवेदक दिनेश पिता पूनाजी जाति पंवार निवासी ग्राम छतेरा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट.............शपथकर्ता (आवेदक)

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश पिता पूनाजी जाति पंवार निवासी ग्राम छतेरा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा-छत्तेरा रा.नि.म. कनकी तहसील लालबर्रा, जिला कालाघाट मे स्थित आवेदक द्वारा उनके पिता, पूनाजी पिता लक्ष्मण का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2) म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 10/05/2010 मृत्यु स्थल ग्राम छतेरा अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्त पत्र के संबंध मे हितबद्ध पक्षकार को समाचार के माध्यम से अवगत कराया जाता है कि उक्त संबंध में न्यायालय में उपस्थित होकर न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत जवाब रखा जावें। जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 07/08/2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय मे दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 28/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट(म.प्र)

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
गुरुवार 06 अगस्त 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

10 साल बाद कॉलेजों में फिर बजेगा लोकतंत्र का बिगुल, हाईकोर्ट के फैसले से छात्रसंघ चुनाव का रास्ता साफ

एनएसयूआई का दावा छात्रों की जीत, अब कॉलेजों में उठेंगे छात्र हितों के मुद्दे, वर्षों से ठप छात्र नेतृत्व को मिलेगा नया मंच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लगभग एक दशक से जिले महाविद्यालयों में बंद पड़े छात्रसंघ चुनावों का रास्ता अब साफ होता दिखाई दे रहा है। न्यायालय के फैसले के बाद छात्र राजनीति एक बार फिर कॉलेज परिसरों में लौटने की तैयारी में है। इसे लेकर छात्र संगठन एनएसयूआई ने इसे छात्रों के अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था की बड़ी जीत बताते हुए जल्द चुनाव कराए जाने की मांग तेज कर दी है। संगठन का कहना है कि वर्ष 2016 से छात्रसंघ चुनाव

बंद होने के कारण महाविद्यालयों में छात्रों की आवाज पूरी तरह दब गई थी। छात्र अपनी समस्याएं न तो प्रभावी ढंग से कॉलेज प्रबंधन तक पहुंचा पा रहे थे और न ही उनके पास कोई निर्वाचित प्रतिनिधि था जो उनके अधिकारों के लिए संघर्ष कर सके।

इसी मुद्दे को लेकर एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष शिवम शर्मा ने स्थानीय सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता आयोजित की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 के बाद से प्रदेश के कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी तरह ठप हो गई। उन्होंने कहा कि कुछ माह पूर्व एनएसयूआई के प्रदेश पदाधिकारी आनंद अंसारी ने इस विषय को लेकर न्यायालय की शरण ली थी। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद न्यायालय ने छात्रों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए छात्रसंघ चुनाव कराने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। अब उम्मीद है कि प्रदेश के महाविद्यालयों में जल्द ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव आयोजित होंगे। पत्रकार वार्ता में मौजूद एनएसयूआई छात्र नेता पलेश नकपुरे ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव बंद होने का सबसे बड़ा नुकसान छात्रों को हुआ। वर्षों से कॉलेजों में छात्रों की अनेक समस्याएं लंबित रहीं, लेकिन उन्हें उठाने वाला कोई निर्वाचित छात्र प्रतिनिधि नहीं था। कॉलेजों में फीस, छात्रवृत्ति, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल सुविधाएं, पेयजल, स्वच्छता, परिवहन और अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं से जुड़े कई मुद्दे लगातार सामने आते रहे, लेकिन छात्र नेतृत्व के अभाव में उनका समाधान प्रभावी तरीके से नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह नेतृत्व निर्माण की पहली पाठशाला भी है। यहीं से भविष्य के सामाजिक और राजनीतिक नेतृत्व की नींव तैयार होती है। जब कॉलेजों में चुनाव नहीं होंगे तो छात्रों को नेतृत्व विकसित करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझने का अवसर भी नहीं मिलेगा। इसलिए न्यायालय का यह फैसला केवल चुनाव कराने का आदेश नहीं, बल्कि छात्र लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एनएसयूआई पदाधिकारियों ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव शुरू होने से कॉलेजों में छात्र हितों के मुद्दे मजबूती से उठेंगे। निर्वाचित छात्र प्रतिनिधि सीधे कॉलेज प्रशासन के सामने समस्याएं रख सकेंगे और उनके समाधान के लिए जवाबदेही भी तय होगी। इससे कॉलेजों में पारदर्शिता बढ़ेगी और छात्रों की भागीदारी भी मजबूत होगी। संगठन ने प्रदेश सरकार और उच्च शिक्षा विभाग से मांग की है कि न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए जल्द से जल्द छात्रसंघ चुनाव की अधिसूचना जारी की जाए, ताकि वर्षों से बंद लोकतांत्रिक प्रक्रिया फिर से शुरू हो सके। एनएसयूआई नेताओं का कहना है कि प्रदेश भर के छात्र इस निर्णय का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे और अब समय आ गया है कि महाविद्यालयों में फिर से छात्र नेतृत्व स्थापित हो तथा छात्र अपने अधिकारों और समस्याओं के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आवाज बुलंद कर सकें।

कल रात 12 बजे से थम जाएंगे बसों के पहिए

बालाघाट सहित पूरे प्रदेश में अनिश्चितकालीन बस हड़ताल का ऐलान

कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन; यात्रियों की बढ़ेगी मुश्किलें, राष्ट्रीयकरण नीति, टेंडर व्यवस्था और किराया वृद्धि सहित सात मांगों पर अड़े बस संचालक, 8 अगस्त से त्योहारी सीजन में सार्वजनिक परिवहन होगा प्रभावित

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सरकार द्वारा पूर्व में संचालित की जाने वाली मध्य प्रदेश परिवहन सेवा बंद होने के बाद बालाघाट सहित संपूर्ण प्रदेश में परिवहन की जिम्मेदारी संभाल रहे बस ऑपरेटरो ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है। जिन्होंने मध्य प्रदेश बस आपरेटर एसोसिएशन के बैनर चले 7 अगस्त की रात्रि 12 बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू किए जाने की चेतावनी दी है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि 7 अगस्त की शाम 5 बजे तक उनकी मांगे पूरी नहीं की जाती,तो सभी बस संचालक शुक्रवार रात्रि 12 बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। अपनी इसी मांग को लेकर बुधवार को जिला बस ऑपरेटर एसोसिएशन द्वारा कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा गया है।जिंसमे उन्होंने निश्चित समयसीमा के भीतर मांग पूरी ना होने पर 7 अगस्त की रात 12 बजे से बसों के पहिए जाम कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू किए जाने की चेतावनी दी है।ऐसे में यदि ऑपरेटरों हड़ताल पर चले जाते है तो केवल बालाघाट ही नहीं बल्कि संपूर्ण प्रदेश में बसों का संचालन नही होगा।जिससे त्योहार के सीजन, के अलावा बसों से रोजाना काम पर जाने वाले लोगो के साथ साथ, रोजाना बसों से सफर करने वाले बस यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

बस संचालकों और सरकार के बीच बड़ा टकराव, वार्ता रद्द

प्रदेश में निजी यात्री बस संचालकों और सरकार के बीच टकराव गहरा गया है। जिला बस ऑपरेटर एसोसिएशन बालाघाट ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी सात सूत्रीय मांगों का समाधान 7 अगस्त तक नहीं किया गया तो 7 अगस्त की रात 12 बजे से प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन बस हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। इस हड़ताल का असर बालाघाट सहित पूरे मध्यप्रदेश में देखने को मिलेगा और त्योहारों के सीजन में लाखों यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

राष्ट्रीयकरण नीति का किया खुलकर विरोध

बस ऑपरेटर एसोसिएशन ने ज्ञापन में सरकार की प्रस्तावित राष्ट्रीयकरण नीति का विरोध करते हुए कहा कि इससे निजी बस संचालकों का व्यवसाय पूरी तरह प्रभावित होगा। संगठन का कहना है कि सरकार द्वारा विभिन्न मार्गों के राष्ट्रीयकरण की प्रक्रिया निजी परिवहन व्यवसाय के लिए घातक साबित होगी, इसलिए इसे तत्काल वापस लिया जाए।

7 सूत्रीय प्रमुख मांगों पर अड़े बस संचालक

ज्ञापन में बस संचालकों ने 7 प्रमुख मांगें पूरी करने की गुहार लगाई हैं। इनमें बस मार्गों के राष्ट्रीयकरण पर रोक लगाने, टेंडर के माध्यम से परमिट देने की प्रक्रिया समाप्त करने, डीजल एवं महंगाई के अनुरूप यात्री किराए में वृद्धि, नए वाहनों के पंजीयन की अनुमति, 15 वर्ष की आयु सीमा समाप्त करने, परमिटों के नवीनीकरण में आ रही बाधाओं को दूर करने और परिवहन कार्यालयों की कार्यप्रणाली में सुधार की मांग शामिल है।बस संचालकों का कहना है कि इन मांगों को लेकर पहले भी कई बार शासन को ज्ञापन दिए जा चुके हैं और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा भी हुई, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

जिला बस ऑपरेटर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री, परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त के नाम ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा है। ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया है कि यदि तय समय तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो पूरे प्रदेश में निजी यात्री बसों का संचालन अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा।

त्यौहारों के सीजन में बढ़ेगी परेशानी

अगस्त माह में रक्षाबंधन, 15 अगस्त सहित कई प्रमुख त्यौहार आने वाले हैं। ऐसे समय यदि बसों का संचालन बंद होता है तो सबसे अधिक परेशानी ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों, छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को होगी। निजी बसें बंद होने से जिले से बाहर जाने वाले यात्रियों के सामने आवागमन का संकट खड़ा हो सकता है।

प्रशासन पर डाली जिम्मेदारी

एसोसिएशन ने ज्ञापन में स्पष्ट कहा है कि यदि मांगों का समय रहते समाधान नहीं हुआ और बस संचालन बंद करना पड़ा तो उससे उत्पन्न होने वाली जन असुविधा एवं परिवहन व्यवस्था प्रभावित होने की पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बस संचालकों ने सरकार से तत्काल वार्ता कर समस्या का समाधान निकालने की मांग की है।

सरकार हमारी सुनने को तक तैयार नही, इसलिए कि जा रही हड़ताल- मुकेश चौहान

बस ऑपरेटर्स एशोसिएशन अध्यक्ष मुकेश चौहान ने बताया कि सरकार बस ऑपरेटर्स की मांगो को सुनने तैयार नहीं है, जिसके कारण बस ऑपरेटर्स एशोसिएशन ने फैसला लिया है कि वह 7 अगस्त की रात से बसों का संचालन बंद कर देंगे। उन्होने बताया कि बस ऑपरेटर्स की मांगे है कि सरकार 7 जुलाई 2026 में प्रकाशित राजपत्र के माध्यम से बसों का राष्ट्रीयकरण कर बस व्यवसाय को समाप्त करने की ओर कदम बढ़ा रही है, जो बस मालिकों को समाप्त करना है, जिसे सरकार, बस ऑपरेटर्स के हित में वापस ले। सरकार, टेंडर के माध्यम से बसों की रॉयल्टी लेने की तैयारी कर रही है, जिसके लिए सरकार ने 6 जुलाई को टेंडर निकाला है, जिसे सरकार निरस्त करें। 2021 के बाद बस यात्री किरायो का निर्धारण नहीं किया गया है। जबकि डीजल के दामो में वृद्धि हो गई है। जिसका नुकसान, बस ऑपरेटर्स को उठाना पड़ रहा है, हमारी मांग है कि सरकार, यात्री किराया में 2.50 प्रति किलोमीटर की वृद्धि करें।नवीन वाहनों का पंजीयन करें। 15 साल की बस की आयु सीमा को सरकार खत्म कर फिटनेस रहने तक उसके संचालन की अनुमति जारी करे।सरकार बस ऑपरेटर्स का अंतर्राज्यीय स्थाई परमिटों का नवीनीकरण करें और अस्थाई परमिट स्वीकृति को पूर्ववत निरंतर जारी किए जाए तथा परिवहन कार्यालय में अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सुधार किया जाए।

शहर के मेन रोड पर लगा जाम, कुछ देर तक प्रभावित रहा यातायात

मुख्य मार्ग में भारी वाहन के प्रवेश से बिगड़ी व्यवस्था, काली पुतली से हनुमान चौक तक वाहनों की लगी कतार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते कुछ दिनों से लगातार शहर के प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बन रही है, लेकिन इसके बावजूद यातायात व्यवस्था में कोई प्रभावी सुधार नजर नहीं आ रहा। बुधवार 5 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे से 3:30 बजे के बीच काली पुतली से लेकर हनुमान चौक तक मेन रोड पर अचानक लंबा जाम लग गया। करीब आधे घंटे तक वाहन रेंगते रहे और दोपहिया, चारपहिया सहित भारी वाहन सड़क पर फंसे रहे। जाम का मुख्य कारण सड़क पर खड़ा एक भारी वाहन बताया जा रहा है, जिसके चलते पूरे मार्ग पर यातायात पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। घटना का वीडियो और फोटो मौके पर मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें साफ दिखाई दे रही हैं। लोग धीरे-धीरे वाहन निकालने का प्रयास करते रहे, लेकिन संकरी होती सड़क और अव्यवस्थित यातायात के कारण स्थिति लंबे समय तक सामान्य नहीं हो सकी। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर में पिछले कई दिनों से ट्रैफिक व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। प्रमुख चौक-चौराहों और व्यस्त बाजार क्षेत्रों में भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होने के कारण आए दिन जाम की समस्या

सामने आ रही है। लोगों का आरोप है कि प्रतिबंधित समय में भी भारी वाहन शहर के मुख्य मार्गों में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे कुछ ही मिनटों में पूरा यातायात प्रभावित हो जाता है। नागरिकों ने यह भी कहा कि यदि यातायात पुलिस समय-समय पर शहर के संवेदनशील मार्गों पर गश्त करे और प्रतिबंधित क्षेत्रों में भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाए, तो इस समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है। उनका कहना है कि केवल चालानी कार्रवाई से व्यवस्था नहीं सुधरेगी, बल्कि ट्रैफिक का वैज्ञानिक प्रबंधन और लगातार निगरानी आवश्यक है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही गोंदिया रोड पर निर्माण कार्य के दौरान भी घंटों तक जाम की स्थिति बनी थी। उस समय भी लोगों ने यातायात पुलिस और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। निर्माण कार्य के दौरान वैकल्पिक यातायात व्यवस्था नहीं बनाए जाने और भारी वाहनों को डायवर्ट नहीं किए जाने के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी थी। अब एक बार फिर शहर के सबसे व्यस्त मेन रोड पर जाम लगने से यह साफ हो गया है कि ट्रैफिक प्रबंधन की समस्या अभी भी जस की तस बनी हुई है। व्यापारियों और राहगीरों का कहना है कि मेन रोड शहर की सबसे व्यस्त सड़क है, जहां दिनभर हजारों लोगों का आवागमन रहता है। ऐसे में यदि यहां कुछ मिनटों के लिए भी कोई भारी वाहन सड़क पर रुक जाता है तो पूरा यातायात प्रभावित हो जाता है। इसके बावजूद ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर कोई स्थायी रणनीति नजर नहीं आ रही। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और यातायात विभाग से मांग की है कि शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में भारी वाहनों के प्रवेश के लिए समय निर्धारित किया जाए, नो-पार्किंग नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और व्यस्त मार्गों पर अतिरिक्त यातायात पुलिस की तैनाती की जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में शहर में जाम की समस्या और गंभीर रूप ले सकती है, जिसका खामियाजा आम नागरिकों को ही भुगतना पड़ेगा।

मोटरसाइकिल रोड किनारे पिल्लर से टकराने से गंभीर युवक की मौत

डोरा से परसवाड़ा रोड पर हुई थी सड़क दुर्घटना, दो युवक हुए थे घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थानांतर्गत ग्राम डोरा से परसवाड़ा रोड पर मोटरसाइकिल रोड किनारे पिल्लर से टकराने से गम्भीर रूप से घायल युवक उमेश पिता दशन लाल ग्वाले 38 वर्ष की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई वही इस दुर्घटना में अन्य घायल युवक देवेश पिता भीमराम क्षीरसागर 29 वर्ष का इलाज बालाघाट नगर की निजी अस्पताल में चल रहा है। दोनों युवक थाना परसवाड़ा के ग्राम पोगारझोड़ी निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 अगस्त को उमेश और देवेश मोटरसाइकिल में अपने घर से उकवा काम की तलाश में निकले थे। उकवा में ही उमेश का ससुराल भी है। मोटरसाइकिल देवेश चला रहा था। बताया गया कि इस दौरान दोनों युवक शराब की नशे में थे। 12:00 बजे करीब परसवाड़ा से डोरा रोड पर स्थित ग्राम अमवाही के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल रोड किनारे पिल्लर से टकरा गई। सड़क हादसे में उमेश और देवेश दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि इस दुर्घटना में उमेश को अत्यधिक चोटे आई। सूचना मिलती ही मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से दोनों घायल को परसवाड़ा के शासकीय अस्पताल में भर्ती किए थे जहां से उन्हें बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जहां से देवेश को उसके परिवार के लोग नगर के प्राइवेट अस्पताल में ले गए वही उमेश का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा था। रात्रि 11:00 बजे जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उमेश की मौत हो गई। 5 अगस्त को जिला अस्पताल पुलिस ने शव पंचनामा कार्यवाही के बाद उमेश का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है। और धारा 194 भारतीय

नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर इस मामले को आगे की जांच कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना रूपझर भिजवा दी है।

जमीन बंटवारे को लेकर छोटे बेटे ने मां और बड़े भाई को डंडे से पीटा- जान से मारने की दी धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जमीन के हिस्से के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने अपनी मां और बड़े भाई पर डंडे से हमला कर दिया। घटना में मां बेटे दोनों घायल हो गए। आरोपी ने दोनों को जान से खत्म करने की धमकी भी दी। यह वारदात 4 अगस्त की सुबह करीब 8 बजे मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम जालदा में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार फूलबती परते 53 वर्ष खेती-किसानी करती हैं। उनके परिवार में पति कलमसिंह परते और दो बेटे रवि परते और शंकर परते हैं। दोनों बेटों की शादी हो चुकी है और दोनों अपने अपने परिवार के साथ रहते हैं। फूलबती अपने पति के साथ अलग रहती हैं।4 अगस्त की सुबह फूलबती घर पर थीं। इसी दौरान बड़ा बेटा रवि बैल चराने के लिए ले जा रहा था। तभी छोटा बेटा शंकर वहां पहुंचा और रवि से कहने लगा तुम मां बाप की खेती करते हो, मुझे खेती नहीं करने देते। इसी बात को लेकर विवाद हो गया और शंकर ने उसने रवि को अश्लील गालियां देना शुरू कर दीं।जब मां फूलबती ने उसे गाली देने से रोका तो शंकर आवेश में आ गया। उसने पास में पड़े डंडे से पहले रवि से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए फूलबती और उनके पति कलमसिंह पर भी उसने डंडे से हमला कर दिया।हमले में फूलबती के गाल पर चोट आई और सूजन हो गई। रवि को भी चोटें आई हैं। मारपीट के बाद शंकर ने मुझे खेती नहीं करने पर दोनों को जान से खत्म करने की धमकी दे दी।घटना के बाद फूलबती अपने पति कलमसिंह के साथ मलाजखंड थाना पहुंची। मलाजखंड पुलिस ने फूलबती की रिपोर्ट पर आरोपी छोटे बेटे शंकर पिता कलमसिंह परते के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला कायम कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैगाटोला में एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के चांगोटोला थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पादरीगंज के बैगाटोला में एक व्यक्ति ने अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 5 अगस्त की शाम 5:30 बजे यह घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति, बहन के अपने बड़े पिता के घर जाने के महज 5 मिनट के अंतराल में घर के अंदर फांसी में झूल गया। चांगोटोला पुलिस में मृतक संजय पिता स्व. जगदीश शरणागत 32 वर्ष का शव अपने कब्जे में लेकर मौके की कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय शरणागत खेती किसानी करता था। जिसके पिता की मृत्यु हो चुकी है। परिवार में पत्नी दो बच्चे और माँ है। संजय माता-पिता का इकलौता बेटा था जिसकी एक बहन वंदना हरिनखेडे ग्राम बटवा में रहती है। संजय शराब पीने का आदी था और वह आए दिन शराब पीते रहता था।कुछ दिन पहले ही संजय की पत्नी दो बच्चों को लेकर अपने मायके नागपुर चली गई है। संजय की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी जिसने 15 दिन पहले शराब के नशे में यूरिया खाद का सेवन कर लिया था। जिसे बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया और स्वस्थ होने पर उसे घर ला लिया गया था। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद वह शराब पीते रहा था। बहन वंदना आकर उसका इलाज करवाती थी। 5 अगस्त को वंदना हरिनखेड़े अपने भाई संजय का इलाज करवाने के लिए बैगाटोला आई थी। शाम 5:30 बजे करीब जब वंदना हरिनखेड़े अपने बड़े पिता के घर चाय पीने गई थी।जब वह लौटकर वापस आई और वह घर के अंदर जैसे ही पहुंची उसका भाई संजय घर के अंदर म्याल में गमछा बांधकर फांसी पर लटका हुआ था और झटपटा आ रहा था। वंदना के चिल्लाने पर मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े और गमछा काट कर नीचे उतारे तब तक संजय की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर चांगोटोला पुलिस ने बैगा टोला पहुंचकर मृतक संजय का शव अपने कब्जे में लेकर प्रारंभिक कार्रवाई की है शव का पोस्टमार्टम 6 अगस्त को किया जाएगा।

विधायक अनुभा मुंजारे ने चिचगांव के माध्यमिक स्कूल का किया निरीक्षण

15 लाख का नवीन भवन बनकर तैयार, नही लग रही कक्षाएं, जर्जर स्कूल भवन और शिक्षक की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्रीय विकास और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बुधवार शाम ग्राम पंचायत चिचगांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, बुनियादी ढांचे और ग्रामीण सुविधाओं से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुई। विधायक ने शासकीय हाई स्कूल चिचगांव में छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए वाटर फिल्टर का विधिवत लोकार्पण किया। जिसके बाद शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान भवन की बहदाली और प्रधानपाठक की गैर जिम्मेदारी पर कड़ी फटकार भी लगाई है। विधायक श्रीमती मुंजारे ने हाई स्कूल का निरीक्षण करने के बाद गौण खनिज मद से स्वीकृत लगभग 15 लाख की लागत से बने नवीन भवन का निरीक्षण करने पहुंचीं। एकीकृत प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला के लिए निर्मित इस 3-कमरा अतिरिक्त भवन को देखकर वे व्यथित नजर आईं। यह भवन एक साल पूर्व बनकर तैयार हो चुका है और इस स्थान पर प्राथमिक स्कूल का संचालन होना है लेकिन अब तक इस नवीन भवन में कक्षाएं प्रारंभ नही होने के कारण देख-रेख के अभाव में भवन के आसपास झाड़िया उग आई है और भवन खराब हो रहा है। इस तरह से लाखों रूपये की सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद, प्रशासनिक अनदेखी के कारण यहां शाला भवन संचालित नहीं होने पर चिंता जाहिर करते हुए। विधायक श्रीमती मुंजारे ने कहा कि शासकीय संपत्ति की इस तरह दुर्दशा होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इसके कारणों की समीक्षा की जायेगी।

समय से पहले गायब प्रधानपाठक को विधायक ने लगाई फटकार

शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल का भवन जीर्णशीर्ण हो चुका है और छत से पानी टपकता है। जब विधायक ने प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंची तो वहां का दृश्य देखकर विधायक और उनके साथ मौजूद जनप्रतिनिधि स्तब्ध रह गये। शाला भवन पूरी तरह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में था और छत से पानी टपकने से रोकने के लिए उस पर तिरपाल/पन्नी ढांक कर रखी गई थी। इस तरह से जर्जर भवन एवं टपकती छत के नीचे बच्चें पढ़ाई कर रहे है। जब विधायक ने ग्रामीणों से सवाल किया कि स्कूल के प्रधान पाठक कहां हैं तो ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानपाठक शाम साढे चार बजे ही स्कूल में ताला लगाकर चले गये हैं। विधायक के आगमन की पूर्व सूचना होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी के इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये पर विधायक ने तत्काल दूरभाष (फोन) पर प्रधान पाठक देवेंद्र हनवत से संपर्क किया और सख्त लहजे में नाराजगी जताई। विधायक ने कहा मेरे आने की स्पष्ट जानकारी होने के बावजूद आप समय से पहले स्कूल बंद करके चले गये, यह अत्यंत अनुचित है। आपका यह आचरण दर्शाता है कि आप न तो स्थानीय सरपंच की परवाह करते हैं और न ही जनप्रतिनिधियों व शासकीय नियमों का सम्मान करते हैं। विधायक ने प्रधान पाठक को तत्काल स्पष्टीकरण के साथ अपने कार्यालय में उपस्थित होने के कड़े निर्देश दिये है।

हाई स्कूल में सुविधाओं का विस्तार, शेड व शौचालय निर्माण का आश्वासन

बुधवार को विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने चिचगांव के हाई स्कूल में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर रिबिन काटकर वाटर फिल्टर मशीन का शुभारंभ किया, जिससे अब स्कूल के विद्यार्थियों को शुद्ध व शीतल पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। जिसके बाद स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संस्था के प्राचार्य अरूणकुमार भगत ने विधायक को अवगत करवाया कि यह हाई स्कूल केवल चिचगांव ही नहीं, बल्कि आसपास के कई गांवों का मुख्य शैक्षणिक केंद्र है। यहां साल्हे ला., चिचगांव, टेकाडी और खैरगोंदी जैसे दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से सैकड़ों बच्चे प्रतिदिन पढ़ाई करने आते हैं। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को होने वाली व्यावहारिक समस्याओं को रेखांकित करते हुए दो प्रमुख मांगें रखी जिनमें छात्र एवं छात्राओं की संख्या को देखते हुए परिसर में आधुनिक व स्वच्छ सुलभ परिसर की सख्त जरूरत है। वहीं साईकिल शेड (टीन शेड) का निर्माण करने की मांग की है। विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने प्राचार्य व विद्यार्थियों की इन मांगों को बेहद संवेदनशीलता से सुना और आश्वस्त किया है कि उक्त मांगे जल्द पूरी कर दी जायेगी।

पंचायत भवन में चौपाल का हुआ आयोजन, सड़क एवं सभामंच की मांग

स्कूल का निरीक्षण करने के बाद विधायक पंचायत भवन पहुंची। जहां उन्होने सर्वप्रथम पंचायत परिसर में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रध्दासुमन अर्पित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात आयोजित चौपाल में ग्राम सरपंच गोविंद पटले, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने गांव की मूलभूत समस्याओं को लेकर विधायक का ध्यानाकर्षण करवाया। जिसमें ग्राम में लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली गुल होने की समस्या से निजात दिलाने हेतु नये ट्रांसफार्मर की मांग, जर्जर हो चुकी गांव की मुख्य व अंदर की सड़कों के डामरीकरण/सीमेंटीकरण एवं अतिरिक्त कक्ष एवं सभामंच का निर्माण करवाने की मांग की है। उक्त मांगों को पूरा किये जाने ग्रामीणों को विधायक ने आश्वस्त किया है।

ये रहे उपस्थित

इस निरीक्षण के दौरान विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के साथ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीराम भोयर, जिला सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर, नितिन साखला, शैलेश सोनी, सुमित स्वामी, चिचगांव सरपंच गोविंद पटले, पंचायत सचिव जितेंद्र लानगे, रोजगार सहायक चंद्रशेखर भगत, स्थाई पटेल दिनेश ठाकरे, पुनाराम ठाकरे, पूर्व सरपंच प्रेमसिंह मर्सकोले, संतोष पाण्डे, पंच मुकेश कटरे, राजकुमार पारधी, वर्षा मेश्राम, कुंता रहांगडाले और हाई स्कूल प्राचार्य अरूणकुमार भगत, शिक्षक अरूणकुमार गोयल, चंद्रकांत ठाकरे, राकेश नगपुरे, राजकुमार चावके, श्रीमती संगीता पटले एवं छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सिहोरा से रमपुरी पहुंच मार्ग के क्षतिग्रस्त पुल का विभाग ने किया निरीक्षण

नवीन पक्के पुल निर्माण के लिए भेजा जायेगा स्टीमेट

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत सिहोरा से रमपुरी पहुंच मार्ग पर बने अस्थाई पुल के बहने और उससे उत्पन्न आवागमन की गंभीर समस्या को लेकर गत

दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशन का प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। खबर प्रकाशन के बाद संबंधित विभाग हरकत में आ गया है। वहीं समाचार का संज्ञान लेते हुए सड़क के विभागीय अधिकारियों की टीम ने गत दिवस मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त पुल का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उपयंत्री ने किया स्थल निरीक्षण

सिहोरा से रमपुरी पहुंच मार्ग पर बने क्षतिग्रस्त पुल का अब तक निर्माण नही होने एवं अस्थाई मरम्मत कार्य बह जाने की समस्या को लेकर समाचार प्रकाशन होने के बाद सड़क विभाग के अधिकारियों ने गत दिवस स्थल निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के मुख्य महाप्रबंधक जबलपुर, उपयंत्री नविनता बोरकर, अखिलेश बुरड़े ने क्षतिग्रस्त पुल का निरीक्षण कर नवीन पुल निर्माण के लिए स्टीमेट तैयार करने की कार्ययोजना तैयारी की है। वहीं जल्द ही शासन को स्टीमेट भेजा जायेगा, जिसके बाद राशि स्वीकृत होने के बाद नवीन पुल का निर्माण किया जायेगा। दूरभाष पर चर्चा में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के महाप्रबंधक माया परते ने बताया कि गत दिवस विभाग के मुख्य महाप्रबंधक जबलपुर सहित उपयंत्री के साथ पहुंचकर क्षतिग्रस्त पुल और कट चुके रास्ते का बारीकी से निरीक्षण किया है। बारिश के कारण मिट्टी बह जाने से आवागमन में आ रही दिक्कतों को गंभीरता से लिया गया। इस मार्ग पर अब अस्थाई मरम्मत के बजाय स्थाई समाधान की दिशा में कदम उठाये जा रहे हैं। नवीन पक्के पुल का निर्माण करवाया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए जल्द ही तकनीकी स्टीमेट तैयार कर स्वीकृति हेतु शासन को भेजा जायेगा। स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू करवाया जायेगा। वहीं स्थानीय ग्रामीणों, किसानों और राहगीरों ने प्रशासन की इस त्वरित कार्यवाही पर राहत की सांस ली है। राहगीर एवं ग्रामीणों का कहना है कि हर साल अस्थाई रास्ते के बह जाने से आधा दर्जन ग्रामों का संपर्क टूट जाता है। इसलिए जल्द नवीन पुल का निर्माण करवाये प्रशासन।

फर्जी बिक्री इकरारनामा बनाकर जमीन हड़पने का प्रयास

पीड़ितों ने लालबर्रा थाने में की शिकायत, पुलिस प्रशासन से दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले मोहगांव जाम में धोखाधड़ी और कूटचित दस्तावेजों के जरिये जमीन हड़पने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने बुधवार को लालबर्रा थाना पहुंचकर फर्जी बिक्री इकरारनामा बनाकर जमीन हड़पने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। शिकायतकर्ताओं ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि मोहगांव जाम में खसरा नंबर 376/1 रकबा 1.198 हेक्टेयर भूमि में से 1 एकड़ 20 डिसमिल भूमि विक्रय करने का सौदा तय किया था। गत 30 मार्च 2026 को उप रजिस्ट्रार कार्यालय वारासिवनी में 1 एकड़ 20 डिसमिल भूमि की बिक्री रजिस्ट्री हेतु प्रक्रिया की जा रही थी। वहीं पीड़ित पक्ष के अशिक्षित होने का फायदा उठाकर ग्राम के ही ओमकार ठाकरे व टेकसिंह ठाकरे ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर धोखे से रजिस्ट्री की ओटीपी बताकर स्टाम्प निकलवाकर फर्जी बिक्री इकरारनामा तैयार कर लिया है और रजिस्ट्री करने के लिए दबाव बना रहे है जिससे शिकायतकर्ता मनीराम बागड़े सहित अन्य लोग मानसिक रूप से परेशान है। वहीं शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि ग्राम के ओमकार ठाकरे व टेकसिंह ठाकरे ने इस कूटरचित प्रक्रिया के माध्यम से हमारी शेष बची भूमि का भी फर्जी बिक्री इकरारनामा तैयार करवा लिया, जबकि हमारे द्वारा इस तरह का कोई भी इकरारनामा तैयार नही किया गया है, न ही इसके एवज में कोई राशि नहीं दी गई। जब वकील के माध्यम से नोटिस मिला, तब इस धोखाधड़ी का हमें पता चला। पीड़ितों का आरोप है कि उन्हें उक्त फर्जी इकरारनामे के आधार पर धमकी देकर दबाव बनाया जा रहा है। इसलिए बुधवार को थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है। चर्चा में शिकायतकर्ता मनीराम बागड़े ने बताया कि हम टेकसिंह ठाकरे को 1 एकड़ 20 डिसमिल जमीन की रजिस्ट्री करने विगत माह पूर्व वारासिवनी गये थे। हमें पढ़ना-लिखना नहीं आता, जिसका फायदा उठाकर इन लोगों ने रजिस्ट्री के स्टाम्प का बहाना बनाकर हमसे कोरे स्टाम्प पर हस्ताक्षर ले लिये और ओटीपी भी ले लिये। बाद में इन्होंने हमारी बची हुई जमीन का भी फर्जी बिक्री इकरारनामा तैयार कर लिया। इस तरह से हमारे साथ धोखाधड़ी हुई है, बुधवार को पुलिस थाना पहुंचकर शिकायत की है और पुलिस प्रशासन से मांग है कि मामले की जांच कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही करें।

पांगा तालाब मोड़ पर जानलेवा गड्ढे, दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण, जिम्मेदार मौन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अंतर्गत पांगा तालाब मोड़ाई बालाघाट रोड तीन ओर जाती है तिराहे चौक हाईवे मार्ग पर राहगीरों का सफ र जोखिम भरा हो गया है। इस अंधे मोड़ पर सड़क के दोनों ओर पटरियों के किनारे बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन चुके हैं। जिससे हर समय किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा पूर्व में यहां बनाये गये स्पीड ब्रेकर को करीब एक वर्ष पहले सड़क मरम्मत के दौरान डामरीकरण कर प्लेन (समतल) कर दिया गया था। इसके बाद से यहां नया स्पीड ब्रेकर नहीं बनाया गया है। जबकि यह स्थान अंधा मोड़ होने के कारण बेहद संवेदनशील है। बारिश के दिनों में पटरियों पर बने इन गड्ढों में पानी जमा हो जाता है, ऐसी स्थिति में जब दोनों ओर से बड़े चौपहिया वाहन गुजरते हैं। तो साइड लेते समय दुपहिया और साइकिल सवार अनियंत्रित होकर पटरियों के गड्ढों में गिर जाते हैं। जिससे वे चोटिल हो रहे है और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। साथ ही उक्त स्थान पर पूर्व में भी कई हादसे हो चुके है लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और प्रशासन के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है। वहीं जल्द पांगा तालाब मोड़ तीन चौराह चौक मार्ग के पटरी किनारे बने जानलेवा गड्ढों का मरम्मत कार्य एवं स्पीड ब्रेकर नही बनाया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है।

जिम्मेदारों की अनदेखी से राहगीरों में आक्रोश व्याप्त

आपकों बता दे कि लालबर्रा से बालाघाट सिवनी हाईवे मार्ग मानपुर के समीप पांगा तालाब मोड़ के समीप से तिराहे (तीन) मार्ग निकलता है। जिसमें एक मार्ग लालबर्रा, दुसरा बालाघाट एवं तीसरा मार्ग मोहगांव ध की ओर जाती है। जब तीनों मार्ग से लोगों का आवागमन होता है तो उक्त स्थान पर जब चौपहिया एवं दुपहिया वाहन तेज गति से आते है तो सामने से आने वाले वाहन दिखाई नही देते है। साथ ही अचानक वाहन आने पर जब वे वाहन को पटरी किनारे लेते है तो गड्ढे बने होने के कारण वाहन अनियंत्रित हो जाते है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। जबकि इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों ओवरलोड वाहनों सहित अन्य चौपहिया वाहन गुजरते है और सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को होती है। वहीं पांगा तालाब मोड़ पर स्पीड ब्रेकर नही होने से वाहन तेज गति से गुजरते है। साथ ही अंधा मोड़ होने के कारण आमने-सामने से आने वाले वाहन दुर से दिखाई नही देते है जिसके चलते रोजाना छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होते रहती है। साथ ही सबसे अधिक परेशानी बरसात के दिनों में होती है क्योंकि गड्ढों में पानी जमा हो रहा है एवं कीचड़ होने से वाहन फिसल कर अनियंत्रित हो जाते है। वहीं स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों द्वारा लंबे समय से सड़क की पटरियों की मरम्मत करवाने एवं नये स्पीड ब्रेकर का निर्माण करने की मांग कर रहे है लेकिन प्रशासन की इस लगातार उपेक्षा से सभी में रोष व्याप्त है। वहीं लोगों का कहना है कि प्रशासन की इस अनदेखी से ऐसा प्रतीत होता है मानो वह किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा हो। ग्रामीण एवं राहगीरों ने शीघ्र ही पटरियों की मरम्मत करवाने और गति अवरोधक (स्पीड ब्रेकर) बनवाने की मांग प्रशासन से की है।

गड्ढों का जल्द मरम्मत करवाये प्रशासन - महेन्द्र

डॉ. महेंद्र दशरिये ने बताया कि लालबर्रा से बालाघाट हाईवे मार्ग पांगा तालाब की मोड़ से तीन ओर मार्ग जाती है और इस स्थान पर सड़क के किनारे पटरी में जगह-जगह गड्ढे बन गये है जिसमें बारिश का पानी जमा हो जाने के कारण दुर से उक्त गड्ढे दिखाई नही देते है और इसी मार्ग पर ओरिएंटल कॉलेज स्थित है, जहां से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रतिदिन साइकिल और मोटरसाइकिल से आवागमन करते हैं। इसके अलावा यह एक व्यस्त तिराहा मार्ग है जहां से एक सड़क लालबर्रा, दूसरी मोहगांव-धपेरा और तीसरी सीधे बालाघाट-वारासिवनी मुख्य मार्ग की ओर जाती है। साथ ही अंधा मोड़ होने से सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। जिसके कारण हर समय बडी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है और पूर्व में हादसे भी हो चुके है। डॉ. दशरिये ने बताया कि इस तिराहे मार्ग और मोड़ पर वाहन के गति पर नियंत्रण हेतु कोई स्पीड ब्रेकर नही बनाये गये है जिसके कारण दुर्घटनाएं भी होती है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि पटरी किनारे बने गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य एवं मोड़ वाले स्थान पर स्पीड ब्रेकर और आवश्यक सुरक्षा संकेत लगाये जाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

कॉलेज चौक से सिकंदरा चौक बना एक्सीडेंट जोन

कीचड़ और गहरे कटे साइड शोल्डर से राहगीर परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर एक स्थित कॉलेज चौक से सिकंद्रा चौक तक का पहुंच मार्ग खराब हो गया हैं। सड़क किनारे उभरे जगह जगह छोटे बड़े गड्ढे और उखड़े हुए साइड शोल्डर हर वक्त बड़ी दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। इस मार्ग से रोजाना गुजरने वाले हजारों राहगीर ग्रामीण और स्कूली छात्र.छात्राएं अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं।

तीन प्रमुख मार्गों को जोड़ता है यह व्यस्त चौराहा

कॉलेज चौक से सिकंद्रा चौक जाने वाला यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिकंद्रा चौक से एक रास्ता कोस्ते तथा दूसरा मार्ग थानेगांव की ओर जाता है। इस कारण दर्जनों क्षेत्र के ग्रामीण दैनिक कार्यों, इलाज और व्यापार के सिलसिले में रोजाना इसी रास्ते से वारासिवनी नगर मुख्यालय पहुंचते हैं। इसके अलावा मालवाहक वाहन और यात्री बसें भी लगातार इसी मार्ग से गुजरती हैं। सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि एक तरफ का पूरा साइड शोल्डर कटकर नीचे धंस गया है तो दूसरी तरफगड्ढों में कीचड़ फैला हैं। यह पूरा टर्निंग पॉइंट पर हैं सामने से अचानक भारी वाहन आ जाने पर जब दोपहिया चालक अपने वाहन को सड़क से नीचे उतारते हैं,तो गहरे गड्ढों और धंसे हुए शोल्डर के कारण वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। महाविद्यालय और आसपास के स्कूलों में पढ़ने वाले सैकड़ों छात्र.छात्राएं रोज इसी मार्ग से आवागमन करते हैं, जो अक्सर इन गड्ढों के कारण गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने इस विकराल होती समस्या से संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और विभाग को कई बार अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक सुधार का कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है। नगरवासियों और राहगीरों ने प्रशासन व संबंधित विभाग से मांग की है कि किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार किए बिना सिकंद्रा चौक से कॉलेज गेट तक की सड़क के साइड शोल्डर को दुरुस्त किया जाए ताकि लोगों का आवागमन सुरक्षित हो सके।

कालेज चौक पर सड़क की हालत जर्जर से विद्यार्थियों में आक्रोश-शुभम शर्मा

वार्डवासी शुभम शर्मा ने बताया कि यहां सडक किनारे स्थिति बहुत ज्यादा खराब है टर्निंग है पास में महाविद्यालय है और इस स्थिति को देखते हुए सुधार कार्य अभी तक नहीं किया गया है। यहां पर बहुत ज्यादा पब्लिक का आना जाना होता है सुबह ९ बजे से रोड़ में भीड़ लग जाती है नौकरी पेशा स्कूल कॉलेज के विद्यार्थी मजदूर कामगार सभी लोग यहां से आना जाना करते हैं। क्योंकि इधर आगे एक बड़ा ग्रामीण क्षेत्र पड़ता है जहां से हजारों लोग हो जाते हैं। हम रोजाना यहां देखते हैं एक्सीडेंट किस प्रकार से हो रहे हैं हमारा घर दुकान सब यही है। यह जो सडक का शोल्डर कट गया है उसे बहुत समस्या है रोड़ भी बराबर से नहीं है इस पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

कॉलेज चौक तक सकरा मार्ग होने से बहुत ज्यादा भीड़ रहती है-नामेन्द्र बैस

ग्रामीण नामेन्द्र बैस ने बताया कि कोस्ते और थानेगांव दोनों मार्ग से लोगों का आना जाना लगा रहता है। ऐसे में कॉलेज चौक तक सकरा मार्ग होने से बहुत ज्यादा भीड़ रहती है। क्योंकि हर कोई नगर मुख्यालय जाता है इस दौरान कई बार एक्सीडेंट होते हैं हमारे द्वारा उन्हें उठाया जाता है। यह रोड़ बनी तो इसमें प्रॉपर शोल्डर नहीं भरे गए है रोड़ कट रही है सडक की स्पष्ट बीट दिखाई देती है जहां से गाड़ी अधिकतर स्लिप होती है। भारी वाहन के आने पर छोटी गाड़ियां नीचे उतरती है वह इस बीट में फंसने से गिर जाती हैं। यहां पर साइड शोल्डर भरने चाहिए व्यवस्था संबंधित लोगों के द्वारा की जानी चाहिए अन्यथा किसी दिन बड़ा हादसा घटित होने देर नहीं लगेगी।

बिटोड़ी और डोके के मध्य बनने वाले पुलिया का विधायक पटेल ने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिटोडी और डोके के मध्य लगभग ३० लाख रुपयों की लागत से नवीन पुलिया का निर्माण किया गया है। मगर पुलिया का निर्माण करने के बाद ठेकेदार पुलिया के दोनों और एप्रोज सड़क बनाना भूल गया। जिससे बारिश के समय स्कूल के छात्र.छात्राएं और ग्रामीणजन हादसे का शिकार हो रहे है। जिससे ग्रामीणजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है ठेकेदार को ग्रामीणों द्वारा एप्रोज सड़क बनवाने के लिए बार.बार निर्देशित किया गया। मगर ठेकेदार इसे अनदेखी ही करता रहा जिसके बाद विधायक विवेक पटेल ने ग्रामीणोंजनों,ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और ठेकेदार को जमकर फटकार लगाते हुए जल्द दोनों ओर एप्रोज सड़क बनवाने के निर्देश दिए। इस दौरान सब इंजीनियर किरण गजभिए, सरपंच खुमेंद्र मड़ावी,खुपचंद बिसेन,यादौराव बिसेन, राजेश पटले,दुलीचंद पटले, उमेश पटेल,तिशांक पटले,शत्रुघ्न पटले,राजकुमार चौधरी,संदेश बिसेन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। ग्राम बिटोडी के पूर्व सरपंच तेजराम नगपुरे ने कहा कि ठेकेदार ने जब से पुलिया का कार्य प्रारंभ किया गया था। तभी से उसका काम ना ही समय सीमा के पूर्ण किया गया बारिश के पूर्व उसे कई बार पुलिया के दोनों ओर एप्रोज सड़क बनवाने बोला गया। मगर उसने किसी भी ग्रामीणजन की बातों को नहीं सुना। अभी बारिश का समय है यहां से स्कूलो के बच्चों के साथ ही वाहन का आवागमन होता है और रोज कीचड़ में वाहन फंस रहे है। हमने विधायक और संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलवाकर चेतावनी दी है कि अगर १५ दिनों के भीतर एप्रोज सड़क नहीं बनवाई जाती तो ग्रामीणों द्वारा ठेकेदार के विरुद्ध आंदोलन किया जाएगा जिसकी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। वहीं विधायक विवेक पटेल ने कहा कि विधायक बनने के बाद हमारे द्वारा लगातार संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात कर ग्राम पंचायत बिटोडी से डोके के मध्य नवीन पुलिया स्वीकृत हुआ था। जिसका निर्माण कुछ माह पूर्व पूर्ण हुआ मगर ठेकेदार ने पुलिया के दोनों ओर एप्रोज सड़क बनवाना भूल गया जिससे बारिश के समय हादसे हो रहे है,मैने ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलवाकर जल्द अधूरा निर्माण कार्य करवाने के निर्देश दिए है। हमें अधिकारियों ने आश्वस्त किया है ठेकेदार अधूरा निर्माण कार्य को जल्द पूरा करेंगे। अन्यथा ग्रामीणों के साथ मै भी आंदोलन में शामिल रहूंगा जिसकी जवाबदारी प्रशासन की होगी।

डोंगरगांव नहर में मिली युवती की लाश

गले पर धारदार हथियार के निशान, हत्या की आशंका से सनसनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम डोंगरगांव की नहर में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीणों ने पानी में एक अज्ञात युवती का शव बहता हुआ देखा। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से शव को बाहर निकाला गया। मृतिका के गले पर धारदार हथियार से रेतने का गहरा निशान पाया गया है। जिससे प्रथम दृष्टया यह मामला जघन्य हत्या का प्रतीत हो रहा है।

खेती किसानी के दौरान ग्रामीणों की पड़ी नजर

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में खेती किसानी का कार्य चल रहा है जिसके लिए नहरे में पानी भी छोड़ दिया गया है। वहीं रोजाना किसान अपने खेती.बाड़ी के कार्यों से आना जाना कर रहे हैं,ऐसे ही मंगेझरी से डोंगरगांव ढूटी नहर किनारे किसान अपने कार्य के लिए गुजर रहे थे तो उन्होंने देखा की नहर में एक काले कपड़े में कोई व्यक्ति का शव बहता हुआ जा रहा है। यह देख ग्रामीणों के द्वारा तत्काल नहर का सुरक्षित स्थान देखकर पुलिया के पास नहर में उतरकर बड़ी मशक्कत के साथ शव को बाहर निकाला गया। वहीं तत्काल घटना की जानकारी पुलिस थाना वारासिवनी को दी गई। जिस पर पुलिस अधिकारी के द्वारा मौके पर उपस्थित होकर समस्त जानकारी लेने के उपरांत मामले में वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई की करीब २५ वर्ष की उम्र की एक युवती का शव नहर में बहता हुआ मिला है। जिसके गले में धारदार हथियार से काटने का निशान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

पुलिस व एफएसएल टीम ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी, वारासिवनी एवं लालबर्रा थाना प्रभारी तथा एफएसएल फॉरेंसिक साइंस लैब बालाघाट की टीम घटना स्थल पर पहुंची। पुलिस और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने मौके का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

नागपुर से ३१ जुलाई से लापता थी खुशबू

पुलिस प्रशासन के द्वारा लगातार अज्ञात युवती का शव मिलने पर शिनाख्त की कार्यवाही जारी रखी गई। तभी शिनाख्त की कोशिशों के बाद किसी व्यक्ति के द्वारा मृतिका की पहचान खुशबू डहरवाल पिता शंकर डहरवाल उम्र २४ वर्ष के रूप में हुई। खुशबू का मूल परिवार ग्राम खमरिया थाना लालबर्रा का रहने वाला है। लेकिन वर्तमान में उसका परिवार नागपुर में शिफ्ट हो चुका था। खुशबू वहां अपनी मां और भाई बहन के साथ रह रही थी। खमरिया में उसके चाचा चाची निवास करते हैं। इसमें बताया जा रहा है की खुशबू बीते ३१ जुलाई को बिना बताए घर से कहीं निकल गई थी जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। खमरिया में रहने वाले उसके चाचा चाची के घर भी वह नहीं पहुंची थी।

५ घंटे की मशक्कत के बाद पीएम के लिए भेजा गया शव

फोटो के माध्यम से शिनाख्त की पुष्टि होने के बाद पुलिस प्रशासन ने करीब ५ घंटे तक चली प्रारंभिक जांच प्रक्रिया पूरी की। इसके पश्चात शव को सुरक्षित रूप से सिविल अस्पताल वारासिवनी के पोस्टमार्टम गृह में रखवा दिया गया है। शव का पोस्टमार्टम ६ अगस्त की सुबह किया जाएगा। युवती का अचानक लापता होना और फिर गर्दन पर धारदार हथियार के निशान के साथ नहर में शव मिलना, हत्या की ओर सीधा इशारा कर रहा है। पुलिस ने पूरे मामले में हत्या का अंदेशा जताते हुए बारीकी से विवेचना और जांच शुरू कर दी है।

मामले में आवश्यक कार्यवाही कर जांच की जा रही है-अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि डोंगरगांव की ढूटी नहर में एक युवती का शव बहता हुआ बरामद किया गया था। सूचना पर पुलिस के द्वारा मौके पर आवश्यक कार्यवाही की गई और संवेदनशील मामला होने के कारण मौके पर मैं व वारासिवनी लालबर्रा थाना प्रभारी पहुंचे थे। एफएसएल एवं पुलिस के द्वारा बारीकी से जांच की गई है। युवती के गले में कट का निशान है यह खमरिया की रहने वाली हैं युवती का परिवार नागपुर में रहता है। इस अज्ञात युवती की पहचान खुशबू डहरवाल के रूप में की गई है। मामले में आवश्यक कार्यवाही कर जांच की जा रही है जांच के बाद ही मृत्यु का कारण और तरीका दोनों स्पष्ट हो पाएंगे।

चावल घोटाले में एफसीआई कर्मचारी सुरेंद्र सूर्यवंशी और संचेती राइस मिल का अकाउंटेंड जेल दाखिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। करोड़ों रुपये के बहुचर्चित सरकारी चावल घोटाला मामले में एसआईटी और पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी है। रिमांड अवधि समाप्त होने पर पुलिस ने एफ सीआई के सहायक ग्रेड.१ कर्मचारी गोदाम सहायक सेल प्रभारी सुरेंद्र सूर्यवंशी और संचेती राइस मिल के अकाउंटेंड को ५ अगस्त को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से न्यायालय के आदेश पर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

इस हाई.प्रोफाइल मामले में अब तक कुल १७ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है जबकि अन्य फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। एसआईटी ने पाया की सरकारी अनाज की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारी इस नेटवर्क में भी शामिल हैं। कर्मचारी सुरेंद्र सूर्यवंशी पर आरोप है कि वह राइस मिलर्स और दलालों के बीच मिडिलमैन बनकर काम कर रहा था।

अभी तक यह आरोपी हुए गिरफ्तार

इस चावल घोटाले के मामले में अब तक जांच में एवीजे एथेनॉल प्लांट के प्रतिनिधि राहुल प्रताप, सुपरवाइजर राकेश श्रीवास्तव, ट्रक चालक दुर्गेश शेंडे, ट्रांसपोर्टर उबेद खान, राइस मिल संचालक कुंजबिहारी पटले, मुनीम अतुल बिसेन, सुरेंद्र राणा, गौरव माहेश्वरी,जुगलकिशोर खंडेलवाल, किशनलाल खंडेलवाल, राजेश संचेती, विनोद शर्मा, गोपाल ठाकुर, अविनाश कावरे, सोनू जैन, सुरेंद्र सूर्यवंशी और संचेती राइस मिल का मुनीम शामिल हैं।

जांच जारी अन्य फरार आरोपियों की तलाश तेज

एसआईटी के द्वारा इस जांच में गिरफ्तार आरोपियों के पास से जब्त दस्तावेजों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। मामले से जुड़े अन्य संलिप्त और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। ताकि इस घोटाले की पूरी कड़ी को बेनकाब किया जा सके। इस कोशिश में पुलिस टीम पूरी तरह लगी हुई है।

श्रीराम नगर गायखुरी में आयोजित श्री शिव महापुराण सम्पन्न

यज्ञ हवन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दी आहूति, वितरित किया भंडारा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विलक्षण रामायण महिला मंडल द्वारा गुरूपूर्णिमा व सावन मास के अवसर पर नगर के वार्ड नंबर 33 श्रीराम नगर गायखुरी के सुमित्रा हाईट्स भवन में 29 जुलाई से आयोजित संगीतमयी सार्वजनिक श्री शिव महापुराण एवं रूद्राभिषेक महोत्सव 5 अगस्त को संपन्न हुआ। श्री शिव महापुराण का वाचन ब्रजरसिकाचार्य मुकेश तिवारी द्वारा बड़े ही विस्तृत रूप से किया गया। हर दिन सुबह 10 बजे से सर्वदेव पूजन एवं रूद्राभिषेक एवं 2 बजे से शाम 6 बजे तक श्री शिव महापुराण कथा का वाचन किया गया। इसका समापन 5 अगस्त बुधवार को कथा विश्राम, यज्ञ हवन एवं भंडारा वितरण कर किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर हवन में आहूति डाली व महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में श्रीमती सुमित्रा तिलकचंद भागडकर, वैभव कश्यप, श्रीमती छाया ललित गुप्ता, तिलकचंद भागडकर, बेनीराम खोटेले, रमेश पेंढारकर, शिववंशी जी, रामजी गौतम, संतोष लिल्हारे, श्रीमती मंदा बहेकार, राखी रावते, कला भगत, उर्मिला मिसारे, लौंगा बेदरे, अनुसुइया सोनेकर, श्रीमती कौशल्या दौने, विमला सोनेकर सहित सभी का सराहनीय सहयोग रहा।

त्योहारी मौसम में बढ़ती लागत और महंगाई की चुनौती

भारत में अगस्त से नवंबर तक का समय धार्मिक और त्योहारी उत्सवों का मौसम माना जाता है। रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, नवरात्र, दशहरा, दीपावली और छठ जैसे पर्वों के दौरान बाजारों में खरीदारी अपने चरम पर रहती है। यही वह समय होता है जब परिवार कपड़े, घरेलू सामान, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, वाहन, मिठाइयां और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीद अधिक करते हैं। लेकिन इस बार त्योहारी मौसम शुरू होने से पहले ही महंगाई का दबाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कच्चे माल और ऊर्जा की लागत में वृद्धि के कारण कई प्रमुख उपभोक्ता कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही हैं। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट और त्योहारी खर्च पर पड़ेगा। उद्योग जगत की ओर से मिले संकेत बताते हैं कि डिटर्जेंट, साबुन, टूथपेस्ट, पैकेटबंद खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल, चाय, हेयर ऑयल, पेंट, घरेलू उपकरण, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और कुछ अन्य उत्पादों के दाम चरणबद्ध तरीके से बढ़ाए जा सकते हैं। कई कंपनियां पहले ही अपने उत्पादों की कीमतों में सीमित वृद्धि कर चुकी हैं, जबकि कुछ कंपनियां आने वाले महीनों में नई मूल्य सूची लागू करने की योजना बना रही हैं। उनका तर्क है कि उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है और लंबे समय तक इसका पूरा बोझ स्वयं उठाना संभव नहीं है। महंगाई के इस संभावित दौर का सबसे बड़ा कारण कच्चे माल और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें हैं। अधिकांश उपभोक्ता उत्पादों के निर्माण में पेट्रोलियम आधारित रसायनों, पैकेजिंग सामग्री, धातुओं, प्लास्टिक और अन्य औद्योगिक कच्चे माल का उपयोग होता है। इनकी कीमत बढ़ने से उत्पादन लागत स्वत: बढ़ जाती है। इसके साथ ही बिजली, ईंधन और परिवहन खर्च में वृद्धि होने से कंपनियों की लॉजिस्टिक लागत भी बढ़ती है। जब उत्पादन से लेकर वितरण तक हर स्तर पर लागत बढ़ती है तो कंपनियों के सामने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने के अलावा सीमित विकल्प बचते हैं। पश्चिम एशिया में लंबे समय से बने भू-राजनीतिक तनाव का असर भी वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता बल्कि प्लास्टिक, पैकेजिंग, रसायन उद्योग और परिवहन व्यवस्था पर भी पड़ता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा महंगी होने का असर धीरे-धीरे घरेलू बाजार में रोजमर्रा की वस्तुओं तक पहुंच जाता है। त्योहारी मौसम में मांग सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहती है। कंपनियां भी इस अवधि में बिक्री बढ़ने की उम्मीद करती हैं। यदि लागत बढ़ने के बावजूद उपभोक्ता खरीदारी जारी रखते हैं तो कंपनियों के लिए मूल्य वृद्धि लागू करना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। उद्योग जगत का मानना है कि मजबूत मांग के कारण बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाया जा सकता है। हालांकि कंपनियां यह भी देख रही हैं कि कीमत बढ़ने के बाद उपभोक्ताओं की खरीदारी पर कितना प्रभाव पड़ता है। यदि मांग कमजोर पड़ती है तो आगे मूल्य वृद्धि की गति धीमी हो सकती है। हाल के महीनों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। खुदरा बिक्री के आंकड़े भी बाजार में सकारात्मक गतिविधियों की ओर संकेत करते हैं। इससे कंपनियों को विश्वास है कि त्योहारी सीजन में बिक्री अच्छी रहेगी।

फर्जी खबरों और डीपफेक का बढ़ता खतरा

वैश्विक स्तरपर आज का युग सूचना,संचार और डिजिटल तकनीक का युग है। मोबाइल फोन,इंटरनेट और सोशल मीडिया ने समाज में सूचना के प्रवाह को अभूतपूर्व गति प्रदान की है।कभी समाचारों के प्रसार का दायित्व मुख्यत: समाचारपत्रों, रेडियो,टेलीविजन और प्रशिक्षित पत्रकारों के हाथों में होता था, लेकिन आज प्रत्येक मोबाइलधारी व्यक्ति सूचना का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि उसका निर्माता,प्रसारक और प्रभावकर्ता भी बन गया है।यह परिवर्तन लोकतंत्र के लिए अनेक अवसर लेकर आया है।आम नागरिक को अपनी बात सार्वजनिक मंच तक पहुंचाने का अधिकार मिला,शासन की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ी,जनसमस्याएं तेजी से सामने आने लगीं और सामाजिक भागीदारी का विस्तार हुआ। किंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते यह कहना चाहूंगा कि तकनीक की यही शक्ति अब एक गंभीर चुनौती भी बन रही है।फर्जी समाचार,भ्रामक सूचनाएं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित तस्वीरें,नकली आवाजें और डीपफेक वीडियो सत्य, विश्वास और लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने नई परीक्षा खड़ी कर रहे हैं।भारत ने वर्ष 2026 में सूचना प्रौद्योगिकी नियमों में संशोधन कर सिंथेटिकली जनरेटेड इंफॉर्मेशन अर्थात कृत्रिम या एल्गोरिद्मिक रूप से निर्मित अथवा परिवर्तित सामग्री के संबंध में नियामक ढांचे को मजबूत किया है। इन संशोधनों में एआई-निर्मित सामग्री की पहचान, स्पष्ट लेबलिंग और डिजिटल मध्यस्थों की जवाबदेही परविशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने मार्च 2026 में भी प्लेटफॉर्मों को भ्रामक, अपमान जनक और हानिकारक कृत्रिम सामग्री के संबंध में परामर्श जारी किया। यह महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि डिजिटल सामग्री का प्रभाव उसकी गति से जुड़ा होता है। यदि कोई झूठा वीडियो कुछ घंटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाए, तो बाद में उसे हटाने के बाद भी उसका सामाजिक और मानसिक प्रभाव बना रह सकता है। विश्व स्तर पर यूरोपीय संघ का एआई एक्ट पारदर्शिता आधारित नियमन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। 2 अगस्त 2026 से एआई एक्ट के अनुच्छेद 50 के अंतर्गत कुछ जनरेटिव एआई प्रणालियों और डीपफेक सामग्री के लिए पारदर्शिता संबंधी दायित्व लागू हुए हैं। साथियों बात अगर हम इस तकनीकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी के युग में पत्रकारिता को समझने की करें तो इसका मूल संबंध जनसरोकारों से है।पत्रकारिता केवल घटनाओं का वर्णन नहीं,बल्कि समाज की चेतना, जनहित की रक्षा और लोकतांत्रिक जवाबदेही का माध्यम है।कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका लोकतांत्रिक शासन के तीन प्रमुख आयाम हैं,जबकि पत्रकारिता इन संस्थाओं की गतिविधियों को जनता तक पहुंचाकर पारदर्शिता,सत्य और जवाबदेही को मजबूत करती है। यही कारण है कि स्वतंत्र और जिम्मेदार पत्रकारिता को राष्ट्र का चौथा स्तंभ कहा जाता हैपत्रकारिता निरंकुशता पर प्रश्न उठाती है, सत्ता के दुरुपयोग को उजागर करती है, वंचितों और पीड़ितों की आवाज बनती है तथा मानवीय मूल्यों की पक्षधरता करती है। हिंदी पत्रकारिता के लगभग दो शताब्दियों के इतिहास ने भी यह सिद्ध किया है कि पत्रकारिता केवल सूचना का व्यवसाय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय चेतना की महत्वपूर्ण शक्ति है। साथियों, लेकिन आज पत्रकारिता के सामने चुनौती केवल समाचारों की गति नहीं,बल्कि सत्य की पहचान है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने ऐसी तकनीक विकसित कर दी है,जो किसी व्यक्ति के चेहरे,आवाज,हावभाव और बोलने की शैली की अत्यंत वास्तविक प्रतीत होने वाली प्रतिकृति तैयार कर सकती है।किसी नेता, न्यायाधीश पत्रकार, अभिनेता,अधिकारी या सामान्य नागरिक को ऐसा बोलते या करते हुए दिखाया जा सकता है, जो उसने कभी कहा या किया ही नहीं। जब कृत्रिम सामग्री वास्तविकता जैसी दिखाई देने लगे, तब सामान्य नागरिक के लिए सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन हो जाता है। यही डीपफेक की सबसे गंभीर चुनौती है, यह केवल झूठी सूचना नहीं बनाता, बल्कि झूठ को विश्वसनीय दृश्य और श्रव्य रूप देकर उसे सटीकता से सत्य जैसा प्रतीत कराता है। साथियों, फर्जी खबर और डीपफेक में तकनीकी अंतर हो सकता है, लेकिन दोनों का अंतिम प्रभाव सार्वजनिक विश्वास को कमजोर करना है। फर्जी खबर सामान्यत: ऐसी गलत, भ्रामक या मनगढ़ंत सूचना होती है, जिसे जानबूझकर या बिना पर्याप्त सत्यापन के प्रसारित किया जाता है। इसका उद्देश्य राजनीतिक लाभ, आर्थिक लाभ, सामाजिक तनाव, वैचारिक प्रचार या अधिक क्लिक और दर्शक प्राप्त करना हो सकता है। इसके विपरीत डीपफेक कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से तैयार या परिवर्तित तस्वीर, आवाज अथवा वीडियो है, जिसमें किसी व्यक्ति को ऐसी गतिविधि करते या ऐसा वक्तव्य देते हुए दिखाया जाता है जो वास्तविक नहीं होता। लिखित सूचना पर नागरिक संदेह कर सकता है, लेकिन जब वही सूचना किसी परिचित चेहरे और वास्तविक लगने वाली आवाज के साथ प्रस्तुत हो, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव कहीं अधिक हो सकता है।यूनेस्को ने डीपफेक को ज्ञान और सत्य को समझने के संकट से जोड़ा है। समस्या केवल नकली सामग्री की पहचान करने की नहीं है, बल्कि ऐसी डिजिटल दुनिया में प्रमाण, स्रोत और विश्वसनीयता की रक्षा करने की भी है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता वास्तविकता जैसी सामग्री तैयार कर सकती है। साथियों, डीपफेक का सबसे बड़ा खतरा यह नहीं कि लोग केवल नकली वीडियो को सच मान लें। इससे भी गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब लोग वास्तविक वीडियो और वास्तविक प्रमाणों को भी डीपफेक बताकर अस्वीकार करने लगें। यदि किसी व्यक्ति का वास्तविक वीडियो सामने आए, तो वह यह दावा कर सकता है कि उसे एआई द्वारा बनाया या परिवर्तित किया गया है। इस स्थिति को लायर्स डिविडेंड कहा जाताहै,अर्थात तकनीक का ऐसा लाभ, जो झूठ बोलने वाले व्यक्ति को वास्तविक प्रमाणों से बचने का अवसर दे सकता है। परिणामस्वरूप समाज में कुछ भी पूरी तरह सच नहीं है जैसी मानसिकता विकसित हो सकती है। लोकतंत्र केवल मतदान की प्रक्रिया से संचालित नहीं होता; वह साझा तथ्यों, विश्वसनीय सूचना और नागरिक विश्वास पर भी आधारित होता है। यदि सत्य की पहचान ही विवादित हो जाए, तो लोकतांत्रिक संवाद और जनमत दोनों कमजोर पड़ सकते हैं। साथियों, चुनावों और राजनीतिक व्यवस्था पर डीपफेक का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। किसी चुनाव से कुछ घंटे पहले यदि किसी राजनीतिक नेता का नकली वीडियो प्रसारित किया जाए, जिसमें वह किसी समुदाय के विरुद्ध बयान देता दिखाई दे या किसी संवेदनशील विषय पर विवादित टिप्पणी करता हुआ दिखाया जाए, तो उसका प्रभाव मतदाताओं की सोच पर पड़ सकता है।बाद में तथ्य-जांच या आधिकारिक स्पष्टीकरण आने पर भी गलत सूचना का प्रभाव पूरी तरह समाप्त नहीं होता।एआई आधारित माइक्रो-टार्गेटिंग के माध्यम से अलग-अलग नागरिकों को उनकी रुचियों, भावनाओं और डिजिटल व्यवहार के अनुसार अलग राजनीतिक संदेश भेजे जा सकते हैं। इससे सार्वजनिक बहस के स्थान पर व्यक्तिगत मनोवैज्ञानिक प्रभाव का खतरा बढ़ सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया एल्गोरिद्म और स्वचालित डिजिटल प्रचार भ्रामक सूचना के प्रसार को असाधारण गति दे सकते हैं। साथियों, भारत जैसे विशाल और बहुभाषी डिजिटल लोकतंत्र में यह चुनौती और व्यापक है। करोड़ों नागरिक मोबाइल और सोशल मीडिया के माध्यम से समाचार प्राप्त करते हैं। डिजिटल विस्तार ने लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत किया है,लेकिन इसी के साथ फर्जी खबरों और डीपफेक के प्रसार का क्षेत्र भी बढ़ा है। एआई आधारित नकली सामग्री का उपयोग राजनीतिक भ्रम, वित्तीय धोखाधड़ी, नकली विज्ञापन, पहचान की चोरी, मानहानि, सामाजिक तनाव और व्यक्तिगत उत्पीड़न के लिए किया जा सकता है। किसी बैंक अधिकारी, सरकारी अधिकारी, रिश्तेदार या प्रसिद्ध व्यक्ति की आवाज की नकल करके धन या निजी जानकारी मांगी जा सकती है। किसी व्यक्ति की तस्वीर या वीडियो को गलत संदर्भ में प्रस्तुत कर उसकी प्रतिष्ठा और सामाजिक जीवन को गंभीर नुकसान पहुंचाया जा सकता है। साथियों, फिर भी केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा। डिजिटल अपराधों की कोई निश्चित भौगोलिक सीमा नहीं होती। सामग्री किसी देश में बनाई जा सकती है, किसी दूसरे देश के सर्वर परअपलोड हो सकती है और तीसरे देश के नागरिकों को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रभावी कानूनी व्यवस्था के साथ तकनीकी पहचान प्रणाली, त्वरित जांच,डिजिटल साक्ष्य संरक्षण, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सीमा-पार प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही भी आवश्यक है। कानून में यह स्पष्ट अंतर होना चाहिए कि कौन-सी एआई सामग्री वैध और रचनात्मक उपयोग के अंतर्गत आती है और कौन-सी सामग्री जानबूझकर धोखा, आर्थिक नुकसान, हिंसा, चुनावी हस्तक्षेप या प्रतिष्ठा को हानि पहुंचाने के लिए बनाई गई है। एआई स्वयं समस्या नहीं है; उसका अनैतिक और हानिकारक उपयोग समस्या है। साथियों, पत्रकारिता जगत को भी इस तकनीकी युग में आत्ममंथन करना होगा। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस दिलीप पथपालिया द्वारा पत्रकारिता के नाम पर मोबाइल और माइक के अनियंत्रित उपयोग तथा लोगों को डराने-धमकाने से संबंधित टिप्पणी का व्यापक अर्थ है। प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है, लेकिन पत्रकारिता की आड़ में भय पैदा करना, बिना सत्यापन आरोप लगाना, निजी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करना स्वतंत्र पत्रकारिता नहीं कहा जा सकता। मोबाइल कैमरे ने नागरिक पत्रकारिता को शक्ति दी है, किंतु इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। प्रत्येक व्यक्ति जो कैमरा और माइक लेकर सार्वजनिक सामग्री बना रहा है, वह स्वत: पत्रकारिता के नैतिक मानदंडों का पालन नहीं कर रहा होता। पत्रकारिता की पहचान केवल उपकरण से नहीं, बल्कि सत्यापन, निष्पक्षता, जनहित, उत्तरदायित्व और नैतिक आचरण से होती है।

साथियों, एआई युग में पत्रकारिता का महत्व कम नहीं, बल्कि अधिक बढ़ गया है। जब सोशल मीडिया पर सूचना की बाढ़ हो, तब विश्वसनीय पत्रकारिता सत्यापन, संदर्भ और प्रमाण उपलब्ध कराती है। समाचार संस्थानों को तस्वीरों और वीडियो के स्रोत, समय, स्थान और तकनीकी प्रामाणिकता की जांच करनी चाहिए। एआई आधारित तथ्य-जांच उपकरणों का उपयोग आवश्यक है, लेकिन अंतिम संपादकीय निर्णय प्रशिक्षित मानव पत्रकारों और जिम्मेदार संपादकों के हाथ में होना चाहिए।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

नारायणोपनिषद् की मुख्य विशेषताएं

नारायणोपनिषद कृष्ण यजुर्वेदीय शाखा से संबंधित एक लघु और महत्वपूर्ण उपनिषद है, जो संस्कृत भाषा में रचित है। इसमें भगवान नारायण को ही परम ब्रह्म, सर्वव्यापक परमात्मा और सृष्टि का मूल आधार बताया गया है। नारायणोपनिषद का मूल संस्कृत पाठ कृष्ण यजुर्वेदीय शाखा से संबंधित है और इसमें भगवान नारायण को सर्वोच्च माना गया है। मूल पाठ का सार यह है कि मंत्र (1-12) के श्लोक भगवान नारायण के सर्वव्यापकता का वर्णन करते हैं, जो हृदय के भीतर सूक्ष्म अग्नि के रूप में स्थित हैं। इसमें नारायण की महिमा बताई गई है- नारायण को सर्वव्यापक, अजन्मा और विश्व का आधार बताया गया है, जो ? नमो नारायणाय मंत्र का केंद्र हैं। फलश्रुति (अंतिम भाग)- इस उपनिषद का पाठ करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त होकर नारायण सायुज्य प्राप्त करता है। मुख्य विशेषताएं सर्वव्यापकता- इस उपनिषद के अनुसार ब्रह्मा, शिव, इंद्र और संपूर्ण जगत नारायण ही हैं। अष्टाक्षर मंत्र- इसमें ? नमो नारायणाय इस आठ अक्षर वाले महामंत्र और उसके जप के महात्म्य का वर्णन है। मोक्ष प्राप्ति- इस उपनिषद का पाठ करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त रूप विष्णु स्वरूप (नारायण सायुज्य) को प्राप्त करता है जो भगवान नारायण शाश्वत हैं। ब्रह्माजी भी नारायण हैं। भगवान निशि और दाराज भी नारायण हैं। समय और दिशाएँ भी नारायण हैं। दिशाएँ (दिशाओं के समुद्र तट) भी नारायण हैं। ऊपरी भाग भी नारायण है और निचला भाग भी नारायण है। इसलिए, बाहरी व्यक्ति भी नारायण है। जो कुछ भी हुआ है, जो हो रहा है और जो होने वाला है, वह सब भगवान नारायण ही हैं। नारायण ही एकमात्र मुक्त, आनंदमयी, बिना किसी विकल्प के, अवर्णनीय और शुद्ध देवता हैं। भगवान रुद्र का जन्म नारायण से हुआ है। नारायण के माध्यम से ही डेराज प्रकट हुए। नारायण के पेज भी अनुभव में आई। राजा अनादित्य का जन्म नारायण से हुआ। भगवान नारायण से बारह रुद्र, असिसु और संपूर्ण श्लोक प्रकट हुए। नारायण से प्रेरित होकर, हर कोई अपने-अपने काम में शामिल हो जाता है और एकमात्र भगवान नारायण में ही शामिल हो जाता है। यह ऋवैदिक उपनिषद का वर्णन है। ?। नारायण ही ब्रह्मा हैं, नारायण ही निशि हैं, नारायण ही इन्द्र हैं, नारायण ही आकाश और पृथ्वी हैं। नारायण ही काल हैं, नारायण ही नाद हैं। नारायण ही ऊर्ध्व (ऊपर) हैं, नारायण ही अध: (नीचे) हैं, नारायण ही बाहर हैं। नारायण ही शिव हैं। जो भूतकाल में था और जो भविष्य में होगा, वह सब नारायण ही हैं। वे निश्चल (बिना टुकड़ों के), निरंजन (दोषरहित), निर्विकल्प (बिना किसी विकल्प के), शुद्ध और एकमात्र नारायण हैं। वे ही विष्णु हैं, वे ही विष्णु हैं। नारायण

ही एकमात्र मुक्त, मनोरंजन-अनिवार्य, निर्विकार, अवर्णनीय और शुद्ध देव हैं। अ, उ और म इन तीन मात्राओं से यह प्रत्यक्ष (ओंकार) स्वरूप आनंदमय और ब्रह्मपुरुष का प्राण-रूप है। ये अलग-अलग हैं, लेकिन इनमें से तीन मात्राओं के अद्भुत रूप को ही ओम कहा जाता है। इस ओम मंत्र का जाप करने से योगी-साधक जन्म-मृत्यु के बंधनों से मुक्त हो जाता है। जो व्यक्ति ओम नमो नारायणाय मंत्र का जाप करता है, वह वैकुंठ धाम जाता है। इसी वैकुंठ धाम को पुण्डरीक (हृदय-कमल) के रूप में जाना जाता है। वैसे, इसका स्वरूप परम प्रकाशमय और बिजली के समान है। ब्रह्ममय देवकीनंद भगवान श्री कृष्ण ही ब्राह्मण यानी ब्राह्मणों के आराध्य हैं। मधुसूदन, पुण्डरीकाक्ष और विष्णु- ये सभी अचूक और अज्ञानी हैं। हर आत्मा में केवल भगवान नारायण ही निवास करते हैं। वे सभी गुण के मूल (कारण-पुरुष) होने पर भी स्वयं कारण-रहित हैं। वे ही परम पुरुष हैं। पवित्र अक्षर ? के रूप में प्रकट होने से इस सार का अध्ययन और भोर में इस उपनिषद के पाठ से रात में पाप धोए जाते हैं। दोनों साध्य-कालों (भोर और शाम) में इसका पाठ करने से साधक पापों से मुक्त हो जाते हैं, यहाँ तक कि पिछले जन्मों के पापों से भी। दो में सूर्य देव की ओर से इसका पाठ करने से मनुष्य पाँच महापापों (महापातक) और छोटे पापों (उपपातक) से सदा के लिए मुक्त हो जाता है। इससे चारों वेदों के पाठ का पुण्य प्राप्त होता है और नश्वर शरीर त्यागने पर भगवान नारायण के साथ शाश्वत मिलन (सायुज्य) प्राप्त होता है। जो इस सत्य को जानता है, वह भी भगवान नारायण में अवतरित होता है। 77577 हे भगवान! आप सत्य, निजी और आनंद के स्वरूप हैं! मेरी वाणी मेरे मन में स्थित हो और मेरा मन मेरी वाणी में स्थित हो। हे प्रकाश के स्वामी! आप स्वयं को मेरे साथ प्रस्तुत करें। हे मन और वाणी! आप मेरे लिए वैदिक ज्ञान के भंडार। मैंने जो ज्ञान सुना है, वह कभी मुझसे दूर नहीं हो गया। मैं सदैव श्रेष्ठ शब्द बोलूं और केवल सत्य ही कहूं। वह परम सत्य (ब्रह्म) मेरी और मेरे गुरु की रक्षा करे। 77 शांति, शांति, शांति! 77 भगवान शांति के स्वरूप हैं; वे तीन प्रकार के पदार्थ हैं—भौतिक (आधिभौतिक), दैवीय (आधिदैविक) और आध्यात्मिक (आध्यात्मिक)—को पूरी तरह से शांत करें।जो अनंत सिरों वाला है (वही विश्वरूप जिससे सब लोकों की उत्पत्ति होती है, वही महेश्वर का शरीर है। इसलिए हमारी आत्माओं के सिर भी उन्हीं के सिर हैं। इसलिए वह महेश्वर अनंत सिरों वाला है। इसी तर्क से), अनंत नेत्रों वाला है, जिससे सब लोकों का सुख उत्पन्न होता है, वही विश्वशंभु, जगत् को देने वाला, नारायण (जो जगतों के कारण पाँच तत्वों में विद्यमान है), स्वयं प्रकाशित करने वाला, अक्षर, सबका कारण, परम और बुद्धिमानों को प्राप्त होने वाला है; उसी ब्रह्म (महेश्वर) का ध्यान करना चाहिए।

सभी भौतिक श्रेणियों से ऊपर, वह परमात्मा अविनाशी, शाश्वत, सर्वव्यापी होने के कारण, ब्रह्मांड, दुनिया के कारण में स्थित होने के कारण नारायण है, और पाप और अज्ञान का नाश करने वाला होने के कारण हरि है; इसी तरह, अज्ञानी को जो कुछ भी दिखाई देता है, वह मूल रूप से परमात्मा ही है। वह परमात्मा इस ब्रह्मांड में रहता है यानी, अपने कामों के लिए इसमें (ब्रह्मांड में) शरण लेता है

पतिं विश्वस्याईत्मेश्वत शिवाम्चुत्मे भगवान का ध्यान करना चाहिए क्योंकि वे जगत के पालक हैं, भगवान क्योंकि वे पति हैं, भगवान क्योंकि वे आत्मा के नियंत्रक हैं, भगवान क्योंकि वे निरंतर और शाश्वत हैं, भगवान क्योंकि वे परम शुभ हैं, भगवान क्योंकि वे अपरिवर्तनीय हैं, भगवान क्योंकि वे नारायण हैं, भगवान क्योंकि वे ज्ञेय सिद्धांतों में सर्वोच्च हैं, भगवान क्योंकि वे महान ज्ञेय हैं, भगवान क्योंकि वे जगत के कारण हैं और इसलिए जगत से अलग हैं, भगवान क्योंकि वे ब्रह्मांड हैं, और भगवान क्योंकि वे श्रेष्ठ हैं, भगवान क्योंकि वे पारलौकिक हैं।

पुराणों में नारायण शब्द से जाने जाने वाले भगवान सत्य और ज्ञान आदि का सिद्धांत हैं, जो परम प्रकाश है। नारायण ही परमात्मा हैं। नारायण ही परम ब्रह्म हैं। नारायण ही सर्वोच्च हैं। वे ध्यात (वेदांत के रचयिता), ध्यान (परमात्मा के बारे में दृष्टिकोण) और पापियों के शत्रु हैं।

इस वर्तमान संसार में जो कुछ भी निकट जगत में देखा जाता है या दूर जगत में सुना जाता है, नारायण उसमें भीतर और बाहर से व्याप्त हैं। (जैसे मुकुट, कंगन आदि आभूषणों का सोना, उनमें भीतर और बाहर से व्याप्त है, वैसे ही नारायण हर जगह व्याप्त हैं। नारायण का स्वरूप असीम, विनाशरहित, निराकार, सर्वज्ञ, सागर के समान विशाल, जगत का अंत और उसकी उत्पत्ति का कारण है। जैसे आठ पंखुड़ियों वाले कमल के बीच के छिद्र का हृदय नीचे की ओर होता है।नाभि का निचला भाग तिष्ठति से घिरा होता है। अग्नि की माला ही ब्रह्माण्ड का संसार है। यह गर्दन के नीचे और नाभि के ऊपर एक वीट की दूरी पर स्थित है। इसमें ब्रह्माण्ड का आधार और प्रकाश की परंपरा से संपन्न परम ब्रह्म प्रकट होता है।

-संजय गोस्वामी

ई-20 के बहाने राजनीतिक टकराव-प्रधानमंत्री आवास मार्च, विरोध की राजनीति और चुनावी माहौल में बढ़ती सियासी गर्माहट

-कांतिलाल मांडोत

दिल्ली की राजनीति एक बार फिर उस समय गरमा गई जब आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ई-20 ईंधन नीति के विरोध में प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकालने का प्रयास किया। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों और लागू प्रतिबंधों का हवाला देते हुए उन्हें फिरोजशाह रोड पर रोक दिया। इसके बाद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, जैस्मिन शाह और अन्य नेताओं ने वहीं धरना शुरू कर दिया। आम आदमी पार्टी का कहना है कि उसने देशभर से दो लाख से अधिक लोगों की ओर से लिखी गई चिट्ठियां और याचिकाएं प्रधानमंत्री तक पहुंचाने का प्रयास किया, जबकि पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। बाद में पार्टी नेताओं ने दावा किया कि ये ज्ञापन पुलिस अधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री कार्यालय तक भेज दिए गए।

आम आदमी पार्टी का आरोप है कि ई-20 नीति आम उपभोक्ताओं और वाहन मालिकों के हित में नहीं है। पार्टी का कहना है कि इस ईंधन के व्यापक उपयोग से लाखों वाहनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और सरकार को लोगों के लिए सामान्य पेट्रोल तथा ई-20 दोनों विकल्प उपलब्ध कराने चाहिए। केजरीवाल ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार बाहरी दबाव में निर्णय ले रही है। हालांकि सरकार की ओर से पहले भी यह कहा जाता रहा है कि एथेनॉल मिश्रित ईंधन का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और किसानों की आय बढ़ाने में सहायता करना है। इस प्रकार दोनों पक्ष इस मुद्दे को अलग-अलग दृष्टिकोण से प्रस्तुत कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष प्रदर्शन की अनुमति और सुरक्षा व्यवस्था है। प्रधानमंत्री आवास के आसपास का क्षेत्र उच्च सुरक्षा वाला माना जाता है, जहां बिना अनुमति किसी प्रकार के प्रदर्शन या जुलूस की इजाजत सामान्यत: नहीं दी जाती। वहां भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्रतिबंध लागू रहते हैं। ऐसे में पुलिस द्वारा मार्च को रोकना सुरक्षा प्रोटोकॉल का हिस्सा बताया गया। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी का कहना है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सरकार तक पहुंचाने का अधिकार सभी को है और शांतिपूर्ण विरोध को इस प्रकार रोका जाना उचित नहीं है। यही विरोधाभास भारतीय लोकतंत्र में अक्सर देखने को मिलता है, जहां सुरक्षा और लोकतांत्रिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती बनी रहती है।

राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो इस प्रदर्शन का समय भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देश के कई राज्यों में चुनावी तैयारियां तेज हो चुकी हैं और सभी प्रमुख राजनीतिक दल जनता के मुद्दों को लेकर सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब से बाहर अपने राजनीतिक विस्तार की कोशिश कर रही है। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर मुखर होकर वह स्वयं को विपक्ष की प्रमुख आवाज के रूप में स्थापित करना चाहती है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी का आरोप है कि यह प्रदर्शन जनहित से अधिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है और इसका मकसद चुनावी माहौल में सुर्खियां बटोरना है। भाजपा नेताओं ने इसे अराजक राजनीति करार देते हुए कहा कि बिना अनुमति प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च निकालना केवल टकराव पैदा करने की कोशिश है।

यह भी उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी लगातार विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरने की रणनीति अपनाती रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई, बेरोजगारी और अब ई-20 नीति जैसे विषयों को लेकर पार्टी आंदोलन करती रही है। वहीं भाजपा का कहना है कि विपक्ष अपनी राज्य सरकारों की चुनौतियों से ध्यान हटाने के लिए ऐसे आंदोलन करता है। पंजाब में कानून-व्यवस्था, नशे की समस्या और प्रशासनिक मुद्दों को लेकर भाजपा लगातार आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला बोलती रही है। विपक्षी दलों के बीच यह आरोप-प्रत्यारोप भारतीय राजनीति का सामान्य हिस्सा बन चुका है।

इस पूरे घटनाक्रम में सोशल मीडिया और नए राजनीतिक समूहों की सक्रियता भी चर्चा का विषय बनी हुई है। हाल के समय में कुछ नए संगठन और अभियान सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से लोकप्रिय होने का प्रयास कर रहे हैं। विभिन्न दल एक-दूसरे पर ऐसे अभियानों को समर्थन देने या उनसे प्रेरित होने के आरोप भी लगाते रहे हैं। हालांकि ऐसे दावों के संबंध में ठोस प्रमाण सामने आने पर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित होगा। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक संगठन या अभियान का मूल्यांकन उसके विचारों, कार्यों और कानूनी स्थिति के आधार पर किया जाना चाहिए।

ई-20 नीति स्वयं भी एक ऐसा विषय है जिस पर वैज्ञानिक, आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से गंभीर चर्चा की आवश्यकता है। यदि कुछ वाहन मालिकों को तकनीकी या आर्थिक चिंताएं हैं तो सरकार, विशेषज्ञों और वाहन निर्माताओं के बीच संवाद होना चाहिए। इसी प्रकार यदि सरकार इस नीति को देश के दीर्घकालिक हित में मानती है तो उसे पारदर्शिता के साथ उसके लाभ, संभावित चुनौतियों और समाधान के बारे में जनता को स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए। किसी भी सार्वजनिक नीति की सफलता केवल सरकारी निर्णय से नहीं बल्कि जनता के विश्वास और सहभागिता से तय होती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध प्रदर्शन एक संवैधानिक अधिकार है, लेकिन उसके साथ कानून और सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन भी उतना ही आवश्यक है। राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी केवल विरोध करना नहीं बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। दूसरी ओर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जनता की चिंताओं को गंभीरता से सुने और संवाद का रास्ता खुला रखे। जब संवाद की जगह टकराव बढ़ता है तो राजनीतिक ध्रुवीकरण और अविश्वास भी बढ़ता है।

आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ई-20 नीति को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच संवाद स्थापित होता है या यह मुद्दा चुनावी राजनीति का प्रमुख विषय बन जाता है। यदि इस विषय पर तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और सार्वजनिक हित को केंद्र में रखकर चर्चा होती है तो इसका लाभ देश और नागरिकों दोनों को मिलेगा। लेकिन यदि यह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रह जाता है, तो मूल मुद्दा पीछे छूट जाएगा। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि सरकार और विपक्ष दोनों जनता के हित को सर्वोपरि रखते हुए संवाद, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाएं।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते बुधवार को भी किराना जिंसों में शक्कर बाजार मजबूती के रहे। तरबूज मगज में बड़त रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना सुर्खी पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शक्कर में व्यापार की मात्रा अच्छी है। लेवाली बनी रहने से भावों में मजबूती देखी गयी। तरबूज मगज में भी बड़त पर रहे। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में ठहराव रहा। दलहनी जिंसों में चना मजबूती पर देखा गया। वहीं, अन्य दलहनों में व्यापार मजबूत देखा गया। भाव इस प्रकार रहे =-

किराना- शक्कर 4900-5090, खोपरा गोला 375-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3600, (200) 4000, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1730-1740, मुम्बई 1740, राजकोट तेलिया 2710, सोया साल्वेंट 1400-1410, सोया रिफाइंड 1455-1460, कपास्या 1600-1610, धूलिया 1610, कड़ी 1600,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675-1680, मुम्बई पाम 1580, मुम्बई सोया 1490-1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8100-8300, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6200-6300, विशाल 6500-6600, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7600, मीडि?यम 7200-7500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 224500, चाँदी (99) 224400, टंच 223800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 143000,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 95.10 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 95.19 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 70 पैसे की मजबूती के साथ 94.89 के स्तर पर खुला। आरबीआई (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक और सकारात्मक वैश्विक संकेतों से पहले रुपये में सुधार दर्ज किया गया

वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अपेक्षाकृत कम कीमतों और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से आयातकों की डॉलर की मांग पर असर पड़ा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 152 अंक , निफ्टी 9 अंक उछला

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबार दिन दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच ही खरीददारी से बाजार ऊपर आया। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले से पहले निवेशकों की खरीदारी के साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच शीर्ष समझौते की उम्मीद से भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 152 अंक की ब ?त के साथ ही 78,581.00 अंकों के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 9 अंक उछलकर 24,624.65 अंकों

के स्तर पर बंद हुआ। आज मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन उतार-चढ़ाव रहा। निफ्टी मिडकैप बाजार बंद होने तक 2 अंकों की बढ़त के साथ ही 18,218.45 अंक पर बंद हुआ। आज श्रीराम फाइनेंस, ग्रेसिम, हिंडाल्का, जुबिलेंट फूड और बॉश के के अलावा पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के शेयरों में तेजी रही जबकि अ प ो ल ो अस्पताल, एचसीएल टेक और टीसीएस कल्याण ज्वेलर्स, मैरिको आदि के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह कारोबार के दौरान सेंसेक्स 490.67 अंक की बढ़त के साथ ही 78,919.62 पर कारोबार करता दिखा जबकि निफ्टी तकरीबन 29.60 अंक बढ़कर 24,643.90 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी50 इंडेक्स में इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

2,000 रुपए से ऊपर का लेन-देन किया तो लग सकता है मर्चेन्ट शुल्क ?

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत की मुफ्त यूपीआई भुगतान प्रणाली में अब बड़ा नीतिगत बदलाव हो सकता है। केंद्र सरकार ने संसद में पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम एक्ट में संशोधन के लिए प्रस्ताव पेश किया है, जिससे भविष्य में चुनिंदा यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट शुल्क लगाने का रास्ता साफ हो सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किए इस संशोधन के तहत फिलहाल कोई तत्काल शुल्क लागू नहीं किया गया है, बल्कि एक कानूनी ढांचा तैयार किया जा रहा है। 2000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर 0.3 फीसदी से 0.5 फीसदी तक का मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाया जा सकता है। राहत की बात यह है कि इस शुल्क का बोझ आम उपभोक्ताओं पर प ?ने की संभावना नहीं है। यह शुल्क केवल उन व्यापारियों पर लागू होगा जिनका सालाना टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपए से ज्यादा है। इसका मतलब है कि आपके पास की छोटी दुकानों और छोटे कारोबारियों के लिए यूपीआई लेनदेन पहले की तरह ही मुफ्त रहेगा।विशेषज्ञों का मानना है कि बिना किसी शुल्क के यूपीआई सेवाएं देना लंबे समय के लिए टिकाऊ नहीं है। मर्चेंट शुल्क न होने के कारण कंपनियों के लिए नई तकनीक में निवेश करना और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई के महीने में यूपीआई के जरिए 29.9 ट्रिलियन रुपए मूल्य के 23.6 बिलियन लेनदेन हुआ। हालांकि 2000 रुपए से ज्यादा के लेनदेन कुल संख्या का केवल 4 फीसदी हैं, लेकिन कुल मूल्य में इनकी हिस्सेदारी 67 फीसदी है।

त्योहारों पर नहीं होगी तेल की कमी, रिफाइनरियों के पास है पाम व सोयाबीन का स्टॉक

नई दिल्ली। एजेंसी। आगामी त्योहारी सीजन में भारत में खाने के तेल की कोई किल्लत नहीं होगी। देश की तेल रिफाइनरियों ने त्योहारी मांग को पूरा करने के लिए पहले से कमर कस रखी है और पाम व सोयाबीन तेल का बंपर स्टॉक रखा है। जुलाई में भारत का कुल खाद्य तेल आयात 34फीसदी बढ़कर 14.9 लाख टन पहुंच गया है। यह खाने के तेल के आयात का पिछले 10 महीनों का सबसे उच्चतम स्तर है। डीलरों के मुताबिक भारतीय रिफाइनरियों ने पिछले कुछ महीनों से विदेशों से खाद्य तेलों की खरीद में भारी बढ़ोतरी की है। जुलाई में पाम ऑयल का आयात जून के मुकाबले 50फीसदी बढ़कर 7.33 लाख मीट्रिक टन पर पहुंच गया, जो पिछले पांच महीनों का सबसे ऊंचे स्तर पर है। इसी तरह सोयाबीन तेल का आयात भी 32फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ 5.01 लाख टन हो गया। यह पिछले साल महीनों में सबसे ज्यादा आयात है। सूरजमुखी तेल की आवक भी बढ़ी है और इसका इंपोर्ट जुलाई में 4फीसदी बढ़कर 2.53 लाख टन हो गया है। मुंबई स्थित वनस्पति तेल ब्रोकरेज फर्म सनविन ग्रुप के सीईओ का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में आयात कम होने की वजह से घरेलू बाजार में खाद्य तेल का स्टॉक घट गया था। घरेलू स्तर पर सरसों और सोयाबीन की क्रशिंग भी कम हो रही थी। अगस्त से नवंबर में भारत में त्योहारों के चलते खाद्य तेलों की खपत अपने चरम पर होती है। इसी वजह से रिफाइनर्स ने विदेशों से एडिबल बॉयल की सप्?लाई बढ़ा दी है। गुजरात के जीजीएन रिसर्च के मैनेजिंग पार्टनर का कहना है कि अगस्त और सितंबर महीनों में भी सोयाबीन तेल का आयात हर महीने पांच लाख मीट्रिक टन से ज्यादा रहने का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी कीमतें होने के कारण भारत में आयात तेज ही बना रहेगा।

मेष- आज किस्मत आपके कदम चूम सकती है। रुके हुए काम अचानक रफ्तार पकड़ेंगे और कमाई के नए रास्ते खुलेंगे। जल्दबाजी से बचेंगे तो हर मोर्चे पर जीत आपकी होगी। सरकारी मामलों में थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है, लेकिन शाम तक दोस्तों के साथ जश्न का माहौल बन सकता है। आपको परिवार का सपोर्ट मिलेगा, विशेष रूप से माता का साथ मिलता दिख रहा है। कामकाज भी आपका सामान्य रूप से अच्छा रहने वाला है।

वृषभ- आज आपका आत्मविश्वास ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। परिवार से मिली सलाह बड़ा फायदा दिला सकती है। घर में खुशखबरी आने के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और लंबे समय से अटका धन मिलने की संभावना भी बन रही है।

मिथुन- आज हर कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत है। कारोबार में छोटी सी चूक तनाव बढ़ा सकती है, लेकिन संतान की सफलता आपको गर्व महसूस कराएगी। रिश्तों में चल रही दूरियां बातचीत से खत्म होंगी। किसी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदेह हो सकता है। आवश्यक कार्यों को गति दे पाएंगे. भेंटवार्ता में सहज रहेंगे. रिश्तों के प्रति गंभीरता रहेगी. करीबियों का साथ सहयोग मिलेगा. व्यवसायिक गलतियां करने से बचे।

कर्क- आज खुशियां आपके दरवाजे पर दस्तक देंगी। परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा और किसी खास समारोह में शामिल होने का मौका मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की तारीफ होगी। किसी अपने की याद भी मन को भावुक कर सकती है। आपको कार्यक्षेत्र में किसी महिला मित्र या सहकर्मी से विशेष सहयोग प्राप्त हो सकता है। जल, पेय पदार्थ और दवाइयों के कारोबार से जुड़े जातको के लिए दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है।

सिंह- आज बदलाव आपके लिए नई सफलता लेकर आ सकता है। नौकरी और व्यापार दोनों में अच्छे अवसर मिलेंगे। विरोधियों की बातों में आने से बचें और उधार लेने से दूरी रखें। परिवार में छोटी-मोटी नोकझोंक हो सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। इच्छित परिणामों से उत्साहित रहेंगे. योजनाओं को समर्थन मिलेगा. मान सम्मान व प्रभाव में वृद्धि होगी. सहज संवाद बनाए रखेंगे. पेशेवर वार्ताएं संवरेंगी।

कन्या- आज चुनौतियां आएंगी, लेकिन आप उनका डटकर सामना करेंगे। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के योग हैं। परिवार के साथ समय बिताने से रिश्ते और मजबूत होंगे। अपनी मेहनत और फैसलों पर भरोसा रखें, दूसरों पर निर्भर रहना नुकसान पहुंचा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी। लव लाइफ के मामले में दिन आपका रोमांटिक रहेगा। अष्टम चंद्रमा आपको अप्रत्याशित लाभ दिला सकता है।

तुला- आज सतर्कता ही आपकी सबसे बड़ी ढाल बनेगी। कारोबार में छिपे विरोधियों से सावधान रहें। जल्दबाज़ी में कोई बड़ा फैसला न लें। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। घर के मामलों में सीख सलाह और गंभीरता बनाए रखें. व्यवहार में मिठास बढ़ाएं. सबका सम्मान रखें. सहज गति से आगे बढ़ें. नीति नियमों पर फोकस रहेगा।

वृश्चिक- आज नौकरीपेशा लोगों के लिए खुशखबरी मिल सकती है। प्रमोशन या सम्मान मिलने के प्रबल योग हैं। लेन-देन में सावधानी रखें और टीमवर्क पर भरोसा करें। सेहत का ध्यान रखें और परिवार से किए वादे निभाने की कोशिश करें। आपको तकनीकी ज्ञान और अनुभव का भी फायदा मिलेगा। पारिवारिक जीवन में आपको सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा। बच्चों की तरफ से आपको खुशी मिलेगी।

धनु- आज मेहनत का पूरा फल मिलने के संकेत हैं। रुके हुए काम पूरे होंगे और आर्थिक परेशानियां कम हो सकती हैं। पुराने कर्ज उतारने का अवसर मिलेगा। नए काम की शुरुआत सोच-समझकर करें और जोखिम से दूरी बनाए रखें। वरिष्ठों और अनुभवियों से बनाए रखेंगे. परस्पर सामंजस्य पर जोर देंगे. सोच विचारकर निर्णय लेंगे. कामकाजी गतिविधियों में रुटीन संवारें. सहजता सरलता से आगे बढ़ें।

मकर- आज रिश्तों में प्यार और अपनापन बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ यादगार पल बिताने का मौका मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। व्यापार में साझेदारी का नया प्रस्ताव मिल सकता है, लेकिन फैसला सोच-समझकर लें।

कुंभ- आज पुरानी परेशानियों का समाधान मिलने से राहत महसूस होगी। आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आएंगे। कारोबार में बड़े बदलाव करने से फिलहाल बचें। जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाएं और किसी को उधार देने से पहले अच्छी तरह सोच लें।

मीन- आज परिवार का साथ आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर रहेंगे। यात्रा के दौरान कोई उपयोगी सूचना मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन राहत भरा रहेगा। लापरवाही और अजनबियों पर भरोसा करने से बचें, तभी दिन पूरी तरह आपके पक्ष में रहेगा। वाणी के प्रभाव से भी कल के लिए आप लाभ प्राप्त कर पाएंगे। शोध कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। प्रेम संबंध में प्रेमी के साथ रोमांटिक वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

शब्दजाल - 8342

शब्द जाल में सर्वाधिक पढ़े जानेवाले 10 समाचार पत्रों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हैं.

य	ई	म्स	ऑ	फ	इं	डि	या	र	प	दै
ई	हिं	दु	स्ता	न	डे	ने	ग	ति	मा	नि
स	द	म	ला	मा	ग	अं	डे	ह	दै	क
जी	ग	ल	ई	ना	डू	स	ली	ह	नि	जा
लो	अ	या	र	न	न	मे	थां	का	क	ग
ल	क	ला	त	अ	प	का	थी	ह	भा	र
लो	क	म	त	व	म	ला	र	मा	स्क	ण
र	मा	नो	व	न	प	र	रा	ल	र	ला
क	तृ	र	अ	लं	का	र	उ	न	जू	दे
र	भू	मा	मा	न	सिं	ब्रा	रु	जा	प	श
बां	मि	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	ला	र

दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण,ईनाडू, मलयाला मनोरमा, डेली थांथी,अमर उजाला, लोकमत, मातृभूमि, हिंदुस्तान, टाईम्स ऑफ इंडिया

शब्दजाल - 8341 का हल

म	अ	मु	न	फा	ल्गु	न	ज	ग	ल	व
रा	वि	ली	प्रे	चै	त्र	स	द	ज	कां	इ
चु	पौ	ष	बा	दी	छ	का	आ	ब	सा	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ति	ल	व	क
डि	आ	मा	ल	भा	चा	न	र	क	न	च
या	ल	न	र्ग	रा	द	ली	ती	ण	घ	र
द	ज्ये	निं	ग	शी	न	वा	स	बा	व	स
क	ष्ठ	ऊ	ई	द	र्ष	क	फ	चो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	वै	शा	ख	प	द
क	ड	आ	षा	ढ़	क	र्त	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2026 वर्ष का 218 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 18.53 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 20.14 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 15.01 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.52 बजे तदनन्तर कौलव 18.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 45'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872793
जूलियन दिन 2461258.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर
तारीख 22

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.24 बजे से
चंद्र	मेष में	कन्या	08.36 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.47 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.02 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.18 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.23 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.09 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.42 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.13 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	वृष	23.53 बजे से
		मिथुन	01.51 बजे से
		कर्क	04.04 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7286

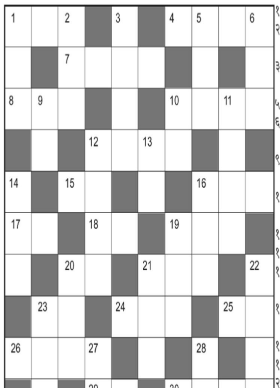

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेंन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7285

बा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		रा	व	ण	रा	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		हा	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: कर्त्तव्य का पालन

यह घटना उस समय की है, जब शिवाजी के एक किले को दुश्मनों ने घेर लिया था। दुर्ग के प्रत्येक पहरेदार को आदेश था कि चाहे कोई भी कुछ क्यों न कहे लेकिन सूर्यास्त के बाद दुर्ग के दरवाजे को हरगिज न खोला जाए। शिवाजी दुश्मनों के एक दल को ढेर करने के बाद आधी रात के समय दुर्ग के पिछले दरवाजे पर पहुंचे और उन्होंने द्वारपाल से दरवाजा खोलने का आग्रह किया। दुश्मन की चिंता व तनाव के कारण वह द्वारपाल शिवाजी को पहचान नहीं पाया और उन्हें दुश्मन का ही कोई साथी समझकर बोला, 'चाहे आप कुछ भी कहिए किंतु रात के समय दुर्ग के दरवाजे कतई नहीं खुलेंगे।' शिवाजी के भरसक प्रयत्न करने पर भी द्वारपाल ने दरवाजा नहीं खोला। शिवाजी के सामने कोई और रास्ता नहीं था। उन्हें दुर्ग के बाहर एक कोने में छिपकर रात बितानी पड़ी। सवेरे दरवाजा खुलने पर शिवाजी ने उस द्वारपाल को दरबार में आने का आदेश दिया। द्वारपाल भय से थर-थर कांप रहा था और मन ही मन सोच रहा था कि शिवाजी को न पहचान पाने और दुर्ग का दरवाजा न खोलने के कारण उसे अवश्य कड़ी सजा मिलेगी। वह सिर झुकाए शिवाजी के सामने जा पहुंचा। शिवाजी ने सबके सामने उसकी पीठ थपथपाते हुए कहा, 'मैं रात को दुर्ग का दरवाजा न खोलने के आदेश का सख्ती से पालन करने के लिए तुमसे प्रसन्न हूं। आज से मैं तुम्हें अपना अंगरक्षक नियुक्त करता हूं। मुझे तुम जैसे कर्त्तव्यनिष्ठ रक्षकों की ही आवश्यकता है।' शिवाजी का यह निर्णय सुनकर द्वारपाल उनके प्रति नतमस्तक हो गया।

सूडोकु नवताल- 7595

★★★ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7594 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्द पहेली - 8810

बाएँ से दाएँ

1. अधिकार-2
3. समुद्र, दरिया-3
6. आनंद, रस-2
8. दबाना, कुचलना-3
10. गुंडा, बदमाश-3
12. पासों से भविष्य जानना-3
14. नाप जोख करना-3
17. जलजला-3
19. असफल-3
21. मगन, रत-2
23. व्यक्ति, जीव-3
25. सम्राट, नरेश-2
26. कार्य करने वाला-3
28. उपनदी, कैनाल-3
30. मां का प्रेम-3
32. पढ़ना, अध्ययन-3
35. पक्षाघात, फालिज-3
37. सेनापति-3
39. दूल्हा, वरदान-2
40. पक्ष, एक ओर-3
41. भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1. सीमा, सरहद-2
2. कटि, मध्यांग-3
4. दुख, कष्ट-2
5. गमन, विदा होना-3
7. शराब का प्याला-2
9. एक नमकीन लवण-3
11. आलेप करना-3
13. बोलने का तरीका-3
15. अयोग्य, बेकार-3
16. तहजीब, तमीज-3
18. रत्न, बहुमूल्य नग-3
20. व्यंग, परिहास-3
22. मुलायम, नाजुक-3
24. कॉफी-3
27. पंकज, नीरज, जलज-3
29. निर्माण-3
31. बल, दम, जोर-3
33. नेत्र, आंख-3
34. नौका-2
36. घात, प्रहार-2
38. जरा, थोड़ा-2

शब्द पहेली -8809 का हल

ब	द	न		चा	त	क		त
	र्श		क	ल	ह		र	बा
ता	न		ह		खा	लि	स	
क		का	र	खा	ना		भ	
त	री	का		विं		श	रा	रा
	मी		अ	द	र	क		ज
	से	ह	रा		ह		आ	न
जा	न		ज	ही	न		स	
म		म	क	र		स	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

30 दिन 30 गांव अखंड रामायण पाठ

कोसमारा में मानस पाठ का हुआ समापन

321 मरीजों की स्वास्थ्य जांच, 22 मोतियाबिंद मरीज ऑपरेशन के लिए चिन्हित, माताओं ने बच्चों को नशे से दूर रखने का लिया संकल्प, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंजा गांव; पीपलगांव में शुरू हुआ अखंड मानस पाठ

पद्मेश न्यूज। लांजी। एकल अभियान संच के तत्वावधान में सावन मास के दौरान चलाए जा रहे 30 दिन 30 गांव अखंड रामायण पाठ अभियान के अंतर्गत बुधवार को क्षेत्र के ग्राम कोसमारा में दो दिवसीय अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का श्रद्धा, सेवा और जनजागरण के वातावरण में समापन हुआ। स्थानीय नागरिकों, ग्राम समितियों, अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ समिति एवं अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में धार्मिक अनुष्ठान के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, नशामुक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 321 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। वहीं नेत्र जांच शिविर में 250 लोगों की आंखों की जांच हुई, जिनमें 22 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किए गए। इन सभी का निःशुल्क उपचार कराया जाएगा। कार्यक्रम में महिलाओं ने अपने बच्चों को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखकर उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, संस्कार, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण का प्रेरक ग्रंथ है। शिक्षा जागरूकता सत्र में विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के महत्व से अवगत कराया गया। बच्चों की प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए अभिभावकों से विशेष आग्रह किया गया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और गंभीर बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत ग्रामीणों से कपड़े और जूट के थैलों के उपयोग तथा गांव को प्लास्टिक मुक्त बनाने का आह्वान किया गया। नशामुक्ति अभियान के दौरान शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के दुष्परिणाम बताते हुए युवाओं और बच्चों को इनसे दूर रहने की प्रेरणा दी गई। ग्रामीणों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प भी लिया। समापन समारोह में गांव के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। पूरे कार्यक्रम में भक्ति, सेवा और सामाजिक चेतना का वातावरण बना रहा। ग्रामीणों ने ऐसे जनहितकारी आयोजनों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इन्हें लगातार आयोजित करने की मांग की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हुलासराम बिसेन, दिलीप धनवले, भीमेश्वर येडे, जय बिसेन, रामचंद धनवले, संतोष धनवले, धर्मराज तूरकर, अमित येडे, डालेंद्र येडे, महेश पारधी, रंगलाल फुंडे, रूपेंद्र बिसेन, वीरेंद्र कालबेले, कैलाश धनवले, चमरूलाल कारमेंघे, विजय चौहान, इंद्रराज तुरकर, बालचंद भगत, नानूराम धनवले, आशीष येडे, गणेश भगत, पूरण तुरकर, विनेश बिसेन, कमलकिशोर तुरकर, हिरदेलाल राहंगडाले, रामेश्वर बिसेन, संजय भगत सहित ग्राम समिति एवं अखंड पाठ समिति के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

पीपलगांव में हुआ अखंड मानस पाठ का शुभारंभ

इधर, ग्राम पीपलगांव के शिव मंदिर परिसर में बुधवार से अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ। स्थानीय नागरिकों एवं ग्राम समितियों के सहयोग से शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन का समापन 6 अगस्त को होगा। समापन अवसर पर स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क मोतियाबिंद नेत्र जांच, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान तथा महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म एवं जनसेवा के इस आयोजन का हिस्सा बनने की अपील की।

दृष्टि कंप्यूटर शिक्षा संस्थान, लांजी के विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम में लहराया परचम

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर संगणक अनुप्रयोग डिप्लोमा एवं संगणक अनुप्रयोग डिप्लोमा की मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित

पद्मेश न्यूज। लांजी। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित स्नातकोत्तर संगणक अनुप्रयोग डिप्लोमा (पीजीडीसीए) एवं संगणक अनुप्रयोग डिप्लोमा (डीसीए) की मई-जून 2026 मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। परिणाम घोषित होते ही दृष्टि कंप्यूटर शिक्षा संस्थान, लांजी में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के बीच खुशी और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। संस्थान के संचालक ने बताया कि डीसीए प्रथम सेमेस्टर (दिसंबर 2025-जनवरी 2026) का परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत रहा था। वहीं डीसीए द्वितीय सेमेस्टर में 87 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 67 विद्यार्थी सफल होकर संस्थान का गौरव बढ़ाने में सफल रहे। संस्थान की प्रावीण्य सूची में शीतल मानकर ने 350 में से 264 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, नागेश कुमार चंदाने ने 262 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा निकिता ने 260 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। पीजीडीसीए द्वितीय सेमेस्टर में 10 में से 9 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। इस वर्ग की प्रावीण्य सूची में सना खान ने 400 में से 331 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, अंजली रामटेक्कर ने 319 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा प्रेरणा ने 318 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्थान के अधिकांश विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता अर्जित कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। डीसीए प्रथम सेमेस्टर में 28 विद्यार्थियों में से 24 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इस वर्ग की प्रावीण्य सूची में हेमलता मस्करे ने 350 में से 284 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, रोशनी टेंभरे ने 282 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा शुभम ने 281 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर में 5 विद्यार्थियों में से 3 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जबकि 2 विद्यार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहने के कारण सफल नहीं हो सके। संस्थान के संचालक ने बताया कि जो विद्यार्थी इस बार सफल नहीं हो सके हैं, उनमें अधिकांश परीक्षा में अनुपस्थित रहने अथवा एक या अधिक विषयों में न्यूनतम आवश्यक अंक प्राप्त नहीं कर पाने के कारण असफल हुए हैं। ऐसे विद्यार्थियों को दिसंबर 2026 में आयोजित होने वाली मुख्य परीक्षा में पुनः सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा। इसके लिए पूरक परीक्षा के आवेदन पत्र अक्टूबर 2026 में भरे जाएंगे। उन्होंने यह

भी बताया कि जिन विद्यार्थियों को अपने प्राप्तांकों पर संदेह है या अपेक्षा से कम अंक प्राप्त हुए हैं, वे पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के अंतर्गत उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच की जाती है तथा आवश्यकता होने पर संशोधित परिणाम जारी किया जाता है। पूर्व वर्षों में भी अनेक विद्यार्थियों ने इस सुविधा का लाभ उठाकर अपने परिणाम में सुधार कराया है। संचालक ने बताया कि सभी विद्यार्थी अपना परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी देख सकते हैं। संस्थान परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं। साथ ही असफल विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सफलता मंज़िल तक पहुँचने का प्रमाण है, जबकि असफलता मंज़िल तक पहुँचने की तैयारी। निरंतर प्रयास, अनुशासित अध्ययन और सकारात्मक सोच से प्रत्येक विद्यार्थी सफलता प्राप्त कर सकता है।卐 उल्लेखनीय है कि दृष्टि कंप्यूटर शिक्षा संस्थान, लांजी वर्ष 2014 से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, व्यवहारिक एवं तकनीक आधारित कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

गायत्री परिवार ट्रस्ट लांजी ने अधिवक्ता एजाज डी. खान को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी स्व. एजाज डी. खान के असामयिक निधन पर गायत्री परिवार ट्रस्ट लांजी द्वारा गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बुधवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित गायत्री परिजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। गायत्री परिवार ट्रस्ट लांजी के सदस्यों ने बताया कि स्व. एजाज डी. खान वर्ष 2002 से लगातार गायत्री परिवार से जुड़े रहे। उन्होंने गायत्री परिवार के ट्रस्ट के पंजीयन से लेकर अनेक कानूनी प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा लगभग 24 वर्षों तक गायत्री परिवार के कानूनी सलाहकार के रूप में निस्वार्थ सेवाएं प्रदान कीं। उनके मार्गदर्शन, सहयोग और सरल व्यक्तित्व को गायत्री परिवार सदैव स्मरण रखेगा। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्व. खान का निधन गायत्री परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे नगर के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका स्नेह, सहयोग और सेवा भाव सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर गायत्री परिवार के सभी सदस्यों ने परम पूज्य गुरुदेव एवं वेदमाता गायत्री से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति दें। श्रद्धांजलि सभा में गायत्री परिवार ट्रस्ट लांजी के के.एल. मेहरबान, एस.एल. बिलावर, शिव कुमार अग्रवाल, पूरनलाल जैतवार, लिलेश्वर खानोरकर, श्यामलाल पांडे, कवनलाल लिल्हारे, विनोद तिड़के, सुमन आसटकर, प्रमिला तिड़के सहित बड़ी संख्या में गायत्री परिजन उपस्थित रहे।

एजाज डी. खान के निधन पर अधिवक्ता संघ लांजी ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाज सेवी एजाज डी. खान (बाबु जी पटेल) के आकस्मिक निधन पर अधिवक्ता संघ लांजी ने बुधवार को व्यवहार न्यायालय लांजी स्थित अधिवक्ता कक्ष में शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा में माननीय प्रीतम शाह, व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ खंड) लांजी की उपस्थिति में संघ के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। वरिष्ठ अधिवक्ता एजाज डी. खान का 4 अगस्त 2026 को आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार एवं नमाज-ए-जनाजा रायपुर (छत्तीसगढ़) के बायरन बाजार कब्रिस्तान में संपन्न हुआ। उनके निधन पर अधिवक्ता संघ लांजी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा के पश्चात सभी अधिवक्ता न्यायालयीन कार्य से विरत रहे। शोकसभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष चितरंजन दास मचिया, सचिव अरुण कुमार टांडेकर, उपाध्यक्ष जे.पी. खानोरकर, सहसचिव श्रीमती शशिप्रभा श्रीवास्तव, लोकेश बिहोने, रमन झा एवं आशीष नेवारे सहित अन्य अधिवक्ताओं ने कहा कि एजाज डी. खान का निधन अधिवक्ता संघ के लिए अपूरणीय क्षति है। वे एक कुशल अधिवक्ता होने के साथ-साथ जिला भूमि विकास बैंक, बालाघाट के पूर्व चेयरमैन, फरहान इंग्लिश स्कूल के संचालक तथा सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सम्मानित व्यक्तित्व थे।अधिवक्ता संघ के सदस्यों ने कहा कि श्री खान का न्याय, समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में दिया गया योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा तथा अधिवक्ता संघ लांजी उनके प्रति हमेशा कृतज्ञ रहेगा।

तीन दिनों से लगातार चल रही पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के आव्हान पर प्रदेश के पटवारी संवर्ग ने वर्षों से लंबित मांगों के निराकरण हेतु तहसील कार्यालय किरनापुर के समक्ष तीन दिनो से लगातार अनिश्चितकालीन हड़ताल चल रही हैं। इस संदर्भ मे संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश पटवारी संघ द्वारा पटवारी संवर्ग की 05 सूत्रीय जिनमे कैडर रिव्यू लागू एवं पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान देने,पटवारी संवर्ग की विगत कई वर्षों से लंबित वेतनमान विसंगति को दूर करने के लिए शासन द्वारा तैयार कैडर रिव्यू का प्रस्ताव जो शासन स्तर पर ही लंबित है। उसे तत्काल लागू किया जाए। वर्तमान में मध्य प्रदेश में प्रदेश के सभी कर्मचारी पदो की पदोन्नति आदेश जारी किए जा रहे हैं, किंतु पटवारी संवर्ग को वंचित रखा गया है। जो अत्यंत अन्यायपूर्ण है। पटवारियों को कैडर रिव्यू का लाभ प्राप्त ना होने तक पदोन्नति का लाभ दिया जाए। इसी प्रकार पदोन्नति से शेष रहे पटवारियों को उसके पदोन्नति पद के सापेक्ष में समयमान वेतनमान का लाभ अति शीघ्र दिया जाए। एवं नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा आयोजित करने हेतु पटवारी संवर्ग के लिए विभागीय परीक्षा विगत 25 वर्षों में सिर्फ एक बार वर्ष 2018 के पश्चात आज तक विभागीय परीक्षा आयोजित नहीं हुई है। इसे शीघ्र आयोजित करवाई जावे। इसमें विभाग में शामिल विषयों को ही सिलेबस का आधार मानकर उसके अनुसार परीक्षा आयोजित की जाए। वही जज प्रोटेक्शन एक्ट में पटवारियों को शामिल करने हेतु प्रायः यह देखा जा रहा है की वसीयत एवं अन्य राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों में पटवारी केवल प्रतिवेदन करता है। उसके गुण दोष की जांच करना तथा निर्णय कर आदेश प्रसारित करना न्यायालय तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार का कार्य है। लेकिन कुछ मामलों में पटवारी पर सीधे स्नढ्ढक्र की गई है। जो की अत्यंत गलत होकर विधिसम्मत तथा न्यायसंगत नहीं है। इस हेतु पटवारियों को भी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार के साथ जज प्रोडक्शन एक्ट में शामिल किया जाए। तथा वित्तीय लंबित भुगतान हेतु प्रदेश के विभिन्न जिलों में पटवारी के द्वारा शासन कई कार्यों को स्वयं के व्यय के साथ पूर्ण किया गया है। जिसके मानदेय भुगतान भी कई जिलों में नहीं हुआ है। जैसे स्वामित्व भुगतान, कृषि संगणना, लघु सिंचाई संगणना, फार्मर आयडी केम्प तथा अन्य जिनका भुगतान प्रदेश के समस्त पटवारियों को प्राप्त होना सुनिश्चित किया जावे। उक्त योजनाओं के वर्षों के लंबित मानदेयों का भुगतान ना होने की स्थिति में प्रदेश का पटवारी आगामी योजना के कार्यों का बहिष्कार करते हुए उनके कार्य से विरत रहेगा। इसके अलावा पदाधिकारियों के नियम विरुद्ध हुए स्थानांतरण मध्य प्रदेश पटवारी संघ भोपाल शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संगठन है। जिनके पदाधिकारियों को शासन की स्थानांतरण नीति 2026 क्र. 35 अनुसार स्थानांतरण में छूट प्रदान की गई है। किंतु कर्मचारी हितों के संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभाने के कारण पटवारी संघ के पदाधिकारियों को जिले के अधिकारियों द्वारा विशेष रुप से प्रताड़ित कर उनका स्थानांतरण नीति विरूद्ध किया गया है। जो खुद शासन की स्थानांतरण नीति के खिलाफ है।प्रदेश के पटवारियों ने उक्त 05 सूत्रीय मांगों का निराकरण किए जाने की मांग की है।

छात्र-छात्राओं को बताया नशे के दुष्परिणाम, स्वस्थ जीवन अपनाने का दिलाया संकल्प

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत संतोष मोरघड़े ने चलाया जनजागरूकता अभियान

पद्मेश न्यूज। लांजी। समाज में तेजी से बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति युवा पीढ़ी के साथ-साथ स्कूली बच्चों के भविष्य के लिए भी गंभीर चुनौती बनती जा रही है। इसी चिंता को लेकर वरिष्ठ समाजसेवी संतोष मोरघड़े द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार, 5 अगस्त को विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाथरगांव में छात्र-

छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संतोष मोरघड़े ने नशे के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, करियर और पूरे समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें, तो वे निश्चित रूप से अपने जीवन में सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें और अपने मित्रों, परिवार तथा आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण तभी संभव है, जब युवा पीढ़ी स्वयं इसके खिलाफ जागरूक होकर आगे आए और दूसरों को भी प्रेरित करे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर अनुशासित एवं स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ ने नशे से हमेशा दूर रहने, दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने तथा स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का सामूहिक संकल्प लिया।

07 अगस्त से 08 जनवरी 2027 तक चलेगा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026

अभियान के अंतर्गत भ्रमण एवं जन संवाद के लिए स्थल निर्धारित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश की जनता से सीधा संवाद एवं जुड़ाव स्थापित करने और समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 07 अगस्त 2026 से 08 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 प्रारंभ किया जा रहा है। कलेक्टर कुमार सत्यम के मार्गदर्शन में इस अभियान के अंतर्गत अधिकारियों के भ्रमण एवं जनसंवाद के लिए स्थल निर्धारित कर दिये गए है। इस अभियान के अंतर्गत 07 अगस्त को किरनापुर विकासखंड में उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर, 14 अगस्त को परसवाडा विकासखंड में सांदीपनि विद्यालय परसवाडा, 21 अगस्त को बालाघाट विकासखंड में हाईस्कूल भवन ऑवलाझरी, 28 अगस्त को बैहर विकासखंड में एकलव्य विद्यालय बैहर, 04 सितम्बर को बिरसा विकासखंड में सांदीपनि विद्यालय मलाजखंड, 11 सितम्बर को लांजी विकासखंड में सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव, 18 सितम्बर को वारासिवनी विकासखंड में सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी, 25 सितम्बर को लालबर्रा विकासखंड में उत्कृष्ट विद्यालय पांढरवानी, 02 अक्टूबर को कटंगी विकासखंड में सांदीपनि विद्यालय कटंगी, 09 अक्टूबर को खैरलांजी विकासखंड में सांदीपनि विद्यालय खैरलांजी, 16 अक्टूबर को किरनापुर विकासखंड में सामुदायिक भवन किन्ही, 23 अक्टूबर को बालाघाट विकासखंड में ग्राम पंचायत भवन चांगोटोला एवं 30 अक्टूबर को परसवाडा विकासखंड में ग्राम पंचायत भवन मजगांव में जनसंवाद एवं भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार 06 नवम्बर को बैहर विकासखंड में हायर सेकेण्डरी स्कूल गढी, 13 नवम्बर को बिरसा विकासखंड में ग्राम पंचायत भवन सिघनपुरी, 20 नवम्बर को लांजी विकासखंड में आईटीआई भवन पालडोंगरी, 27 नवम्बर को वारासिवनी विकासखंड में ग्राम पंचायत भवन रामपायली, 04 दिसम्बर को लालबर्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत भवन खमरिया, 11 दिसम्बर को कटंगी विकासखंड के ग्राम पंचायत भवन तिरोडी, 18 दिसम्बर को खैरलांजी विकासखंड के ग्राम पंचायत भवन मिरगपुर, 25 दिसम्बर को परसवाडा विकासखंड के सामुदायिक भवन उकवा, 01 जनवरी 2027 को बैहर विकासखंड में हायर सेकेण्डरी स्कूल भण्डेरी एवं 08 जनवरी को बिरसा विकासखंड में ग्राम पंचायत सुरवाही में जनसंवाद एवं भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान आयोजित शिविर में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई की लंबित शिकायतों, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों, अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारे, न्यायालयीन आदेशों के पालन, किसान फार्मर आईडी निर्माण, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी की ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आंगनवाड़ी सेवाओं, स्वास्थ्य संस्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों, खाद-बीज उपलब्धता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की व्यापक समीक्षा कर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही सड़कों, तालाबों, अमृत सरोवरों, बांधों, जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित संरचनाओं, शासकीय भवनों तथा अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों का निरीक्षण किया जाएगा। आईटीआई, स्वा स्क्यी केन्द्र ,, प्राथमिक सहकारी समितियों, कृषि उपज मंडियों, मदिरा दुकानों, पुलिस थानों, लोक सेवा केन्द्रों, शासकीय देवस्थानों एवं औद्योगिक क्षेत्रों सहित विभिन्न शासकीय संस्थानों का निरीक्षण किया जाएगा। खाद-बीज विक्रेताओं, गैस गोदामों, पेट्रोल पम्पों, विस्फोटक एवं पटाखा लाइसेंसधारियों, अधिकृत शस्त्र विक्रेताओं तथा निजी विद्यालयों का भी निरीक्षण किया जाएगा।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

चुनावी हलफनामे में संपत्ति छिपाने के आरोप में हाईकोर्ट से मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को बड़ी राहत

पूर्व सरपंच राजकुमार धनोरा की याचिका खारिज, इससे पहले नीरज शर्मा की याचिका भी हो चुकी है खारिज

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को बड़ी कानूनी राहत प्रदान करते हुए पूर्व सरपंच राजकुमार धनोरा द्वारा दायर चुनाव याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान मंत्री राजपूत ने अपने चुनावी हलफनामे में संपत्ति संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई थी। न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद इन आरोपों को स्वीकार नहीं किया और याचिका निरस्त कर दी।

याचिका में दावा किया गया था कि मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपने परिवार से संबंधित एक शिक्षा समिति की संपत्तियों का विवरण चुनावी शपथपत्र में शामिल नहीं किया। इस आधार पर उनके निर्वाचन को चुनौती दी गई थी। मामले की विस्तृत सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत प्रत्याशी के लिए अपनी तथा अपने आश्रितों की संपत्तियों का विवरण देना आवश्यक है। न्यायालय ने उपलब्ध अभिलेखों, तथ्यों और कानूनी प्रावधानों का परीक्षण करने के बाद पाया कि याचिका में लगाए गए आरोप चुनाव को निरस्त करने के लिए पर्याप्त आधार प्रस्तुत नहीं करते। इसके बाद अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया।

यह पहला अवसर नहीं है जब मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को इस मामले में न्यायालय से राहत मिली हो। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नीरज शर्मा ने भी वर्ष 2023 के चुनावी हलफनामे में संपत्ति की जानकारी छिपाने का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उस याचिका को भी न्यायालय पहले ही खारिज कर चुका है। लगातार दूसरी बार समान प्रकृति के आरोपों पर हाईकोर्ट द्वारा याचिकाएं खारिज किए जाने को मंत्री राजपूत के पक्ष में बड़ी कानूनी जीत माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लगातार दो याचिकाओं के खारिज होने से मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के विरूद्ध लगाई गई याचिका खारिज होने से कानूनी स्थिति और अधिक मजबूत हुई है। दूसरी ओर, कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोप न्यायालय में टिक नहीं सके। उल्लेखनीय है कि पूर्व सरपंच राजकुमार धनोरा पूर्व में भी मंत्री राजपूत के विरुद्ध विभिन्न मामलों में झूठे आरोप आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन उन्हें न्यायिक स्तर पर कभी भी सफलता नहीं मिली। उल्लेखनीय है कि आपराधिक प्रवृति एवं करोड़ों रुपए के गबन के आरोपी राजकुमार धनौरा सस्ती लोक प्रियता के लिए इस तरह के झूठे आरोप लगाने के आदी हैं।

मेरे खिलाफ षडयंत्र करने वालों को करारा जवाब- गोविंद सिंह राजपूत

हाईकोर्ट के फैसले के बाद मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि यह सत्य की जीत है। मुझे भारत की न्यायपालिका पर पूरा विश्वास था और आज न्यायालय के निर्णय ने एक बार फिर सत्य को स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ षडयंत्र करने वालों के लिए न्यायालय का निर्णय एक करारा जवाब है। न्यायपालिका पर मेरी आस्था पहले भी थी और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका सर्वोच्च संस्था है और उसके निर्णय का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास और न्यायालय के निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि लगाए गए आरोप पूर्णतः झूठे थे। हाईकोर्ट के इस निर्णय को प्रदेश की राजनीति में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के लिए एक महत्वपूर्ण कानूनी और राजनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। लगातार दूसरी बार चुनावी हलफनामे से जुड़े आरोपों पर न्यायालय से राहत मिलने के बाद उनके समर्थकों में उत्साह का माहौल है।

राज्यसभा सांसद महेश केवट के चुनावी हलफनामे पर विवाद, निर्वाचन आयोग में शिकायत

भाजपा के राज्यसभा सांसद महेश केवट के चुनावी हलफनामे को लेकर निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता महेंद्र सिंह उर्फ संतोष सिंह ठाकुर ने आरोप लगाया है कि राज्यसभा चुनाव के लिए दाखिल फॉर्म-26 में संपत्ति संबंधी कई भ्रामक और गलत जानकारियां दी गई हैं।

शिकायत में दावा किया गया है कि वर्ष 2010 में बेची जा चुकी खसरा नंबर 455/5 से संबंधित भूमि को पुश्तैनी संपत्ति बताया गया है। इसके अलावा खसरा नंबर 455/14, जो राजस्व अभिलेखों में सरकारी भूमि दर्ज है, उसे भी निजी पुश्तैनी संपत्ति घोषित करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का यह भी कहना है कि दोनों भूखंडों का क्षेत्रफल और रकबा वास्तविक रिकॉर्ड की तुलना में कई गुना अधिक दर्शाया गया है।

पूर्व आरटीओ आरक्षक सौरभ शर्मा को 18 महीने बाद हाईकोर्ट से मिली जमानत

- 52 किलो सोना और करोड़ो का कैश मिलने का मामला

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 52 किलो सोना और करीब 11 करोड़ का कैश बरामदगी के मामले में फरवरी 2025 से जेल में बंद पूर्व आरटीओ आरक्षक सौरभ शर्मा को करीब 18 महीने बाद जमानत का लाभ दे दिया है। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट की एकल पीठ ने अपने आदेश में कहा की मामले की जांच पूरी हो चुकी है, और जांच एजेंसी चार्जशीट पेश कर चुकी है। ट्रायल कोर्ट आरोप भी तय कर चुका है, इसलिए आगे की जांच के लिए आरोपी को जेल में रखने की जरूरत नहीं है। अदालत ने यह भी माना कि मामले में बड़ी संख्या में गवाह और दस्तावेज हैं, ऐसे में ट्रायल लंबी चलेगी और प्रकरण के जल्द खत्म होने की संभावना कम है। अपने आदेश में हाईकोर्ट ने आरोपी को 10 लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर रिहाई के आदेश दिए हैं।

- 18 महीने से है जेल में, अधिकतम सजा 7 साल

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सौरभ शर्मा करीब 18 महीने से न्यायिक हिरासत में है, जबकि जिन धाराओं में मामला दर्ज है, उनमें अधिकतम सात साल की सजा का प्रावधान है। केवल ट्रायल लंबा चलने के आधार पर किसी आरोपी को अनिश्चितकाल तक जेल में नहीं रखा जा सकता। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया की जमानत का मतलब आरोपों से बरी होना नहीं है। सौरभ शर्मा को ट्रायल कोर्ट की हर सुनवाई में उपस्थित रहना होगा। जमानत के दौरान वह किसी गवाह को प्रभावित नहीं करेगा, न ही साक्ष्यों से छेड़छाड़ करेगा। और कोर्ट की अनुमति के बिना विदेश यात्रा भी नहीं कर सकेगा। गौरतलब है की इससे पहले सौरभ शर्मा की नियमित जमानत याचिका दो बार खारिज हो चुकी थी।

एआई का इस्तेमाल करें, लेकिन अपना दिमाग भी लगाएं

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भोपाल के कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय में आयोजित किताब से कल तक कार्यक्रम में छात्राओं और शिक्षकों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल की छात्रा कैबिनेट से मुलाकात की, उनकी कार्यप्रणाली की सराहना की और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जिम्मेदार उपयोग का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को विद्यालय की छात्रा कैबिनेट के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने कैबिनेट के सदस्यों को मंच पर बुलाकर परिचय लिया और उनके कार्यों के बारे में पूछा। हेड गर्ल, डिप्टी हेड गर्ल, स्पोर्ट्स, कल्चरल और डिसिप्लिन मिनिस्टर सहित अन्य छात्राओं ने बताया कि विद्यालय में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव कराए जाते हैं। छात्र मतदान कर अपनी कैबिनेट चुनते हैं, जो पूरे वर्ष विद्यालय के विभिन्न कार्यों और गतिविधियों का संचालन करती है। मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास होता है।

तथ्यों की जांच भी जरूरी

संवाद के दौरान एक छात्रा ने मुख्यमंत्री से पूछा कि क्या वे चैटजीपीटी या अन्य एआई टूल का उपयोग करते हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वे किसी कार्यक्रम या विषय से जुड़ी नई जानकारियां और वर्तमान परिदृश्य समझने के लिए एआई टूल का उपयोग करते हैं, लेकिन किसी भी जानकारी को अंतिम सत्य नहीं मानते। उन्होंने छात्राओं को सलाह दी कि चैटजीपीटी हो या कोई अन्य ्र्ढ टूल, उसका उपयोग जरूर करें, लेकिन अपना दिमाग भी लगाएं और तथ्यों को क्रॉस-चेक करना कभी न भूलें।

सरकारी स्कूलों पर जताया गर्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं सरकारी स्कूल में पढ़े हैं। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आज उन्हें आधुनिक सुविधाओं वाले उत्कृष्ट विद्यालय में पढने् का अवसर मिला है, जिसका पूरा लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसकी संस्कृति, संस्कार और वसुधैव कुटुंबकम की भावना से है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना नहीं, बल्कि अच्छा नागरिक बनना भी है। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक सेवाओं के साथ-साथ कृषि, पशुपालन, फूड प्रोसेसिंग, उद्यमिता और राजनीति जैसे क्षेत्रों में भी करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए शिक्षित युवाओं का राजनीति में आना भी आवश्यक है।

भोपाल के अवैध निर्माण पर चला सुप्रीम कोर्ट का चाबुक

मप्र सरकार को लगाई फटकार, 5 हफ्ते में कार्यवाही कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिया

मप्र उच्च न्यायलय द्वारा दिए गए सभी स्टे ऑर्डर को किया निरस्त,प्रदेश सरकार द्वारा बनाई कमिटी को किया पावरलेस

नई दिल्ली/भोपाल । राजधानी में अवैध निर्माण को लेकर सर्वोच्च न्यायलय ने नियम विरुद्ध भू उपयोग एवं अवैध निर्माण को ले कर सक्त निर्देश जरी किये। बुधवार को भोपाल नगर निगम द्वारा दाखिल एक्शन टेकन रिपोर्ट पर चर्च हुई जिसमे नगर निगम की ओर से बताया गया की भोपाल में आवासीय परिसरों में एक हजार से जायदा अवैध निर्माण चिन्हित कर कार्यवाही की जा रही है 100 से ज्यादा भवनों को सील किया गया है, परन्तु उच्च न्यायलय की जबलपुर पीठ द्वार जारी स्टे ऑर्डर और राज्य सरकार के हस्ताक्षेप के बाद बनी 10 सदस्यों की कमेटी ने हमारे हाथ बांध दिए है और आगे की कार्यवाही अवरुद्ध हुई है इस पर न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर. महादेवन ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और टिप्पणी करते हुए कहा की ये टकराव की स्तिथि निर्मित कर रहा है यहाँ सर्वोच्च न्यायलय के स्वतः संज्ञान का महतवपूर्ण विषय है इसमें किसी प्रकार का हस्तक्षेप अस्वीकार किया जाता है जब इस प्रकरण में अमेकस क्युरी आदिवक्ता ए के सिन्हा ने बताया की नगर निगम निगम द्वारा बंद करवाए गए भवनों को पुनः खोल दिया गया है तो न्यायलय ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल आदेश पारित किया और जबलपुर न्यायलय के द्वारा दिए गए अवैध भवनों पर कार्यवाही के स्टे ऑर्डर को तत्काल निरस्त किया साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित जाँच समिति के हस्तक्षेप पर अंकुश लगा दिया। 15 सितंबर को अगली सुनवाई होगी 5 हफ्ते में न्यायलय के निर्देश अनुसार कार्यवाही कर नगर निगम भोपाल को अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। इस कार्यवाही पर अरेरा कॉलोनी के रहवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए न्यायलय का आभार माना साथ ही नगर निगम पर आरोप लगते हुए बताया की उनके द्वारा न्यायलय में असत्य रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसमे कहा गया है की 100 इमारतों को सील किया गया था परन्तु सील हुई भवनों की संख्या कम है। याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा की अवैध निर्माण के चलते अरेरा कॉलोनी के रहवासियों का जीवन दुश्वार हो गया है यहाँ भूमाफियाओ के लालच के चलते आम आदमी का सडक पर चलना मुश्किल हो गया है अवैध इमारतों ने सड़को के फुटपाथ तक निगल लिए है इनके पास खुद की कोई पार्किंग न होने के कारण कॉलोनी के अन्दर तक जाम की हालत निर्मित होती है। अन्य रहवासी लवनिश भाटी ने बताया की हम लंबे समय से कॉलोनी की बदहाली को ले कर जिला प्रशासन से गुहार लगा रहे है परन्तु नगर निगम एव अन्य जिम्मेदारो की उदासीनता के चलते भूमाफिया इतना मजबूत हुआ की मंदिर के सामने शराब की दुकान खुल गई । अरेरा कॉलोनी के रहवासियों की इस मुहीम को अन्य आवासीय समितियों का भी साथ मिल रहा है अब इस मुहीम में गौतम नगर, कोलार रोड़, नेहरु नगर, त्रिलंगा,रोहित नगर,रचना नगर,बावडिया,साकेत नगर,भेल,कोटरा,लालघाटी शक्ति नगर,शाहपुरा आधी ने मिल कर सयुक्त रहवासी संघर्ष समिति भोपाल बनाई जिसमे प्रमुख रूप से पूर्व आईएएस कविन्द्र कियावत, पूर्णेंदु शुक्ला,सुभाष पांडे, गौतम नगर के अध्यक्ष मोहन खरपते और सोमकांत उमलकर, प्रयास संस्था की अध्यक्ष अपर्णा वाशिष्ट शाहपुरा समिति की अध्यक्ष शुभ्रा गोयल,नीरज गुलाटी,कमल राठी ,याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी एवं लवनीश भाटी जिसके तत्वाधान में आगे की रणनीति पर तैयारी की जाएगी साथ ही अब जो आवासीय भूखंडो पर निर्माणाधीन भवन है उन पर तत्काल रोक लगाये जाने की मांग की जाएगी।

पुलिस अधिकारियो के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश हाईकोर्ट ने निरस्त किया

भोपाल। रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी से जुड़े प्रकरण में पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विशेष अदालत द्वारा लिया गया संज्ञान हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने कहा कि शुरुआती स्तर पर सुनवाई के दौरान विशेष अदालत अपने अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़ गई और ऐसा विस्तृत आदेश पारित कर दिया, मानो पूरे मामले का ट्रायल हो चुका हो। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि आपराधिक कानून का उपयोग न तो सरकारी अधिकारियों को संरक्षण देने के लिए किया जा सकता है, और न ही जांच अधिकारियों से बदला लेने के लिए। हाईकोर्ट ने तत्कालीन पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल, थाटीपुर के तत्कालीन थाना प्रभारी सुरेंद्र नाथ सिंह यादव, उप निरीक्षक अजय सिंह सिकरवार और आरक्षक संतोष वर्मा की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 11 मई 2026 को विशेष न्यायाधीश (एमपी डकैती एवं अपहरण प्रभावित क्षेत्र अधिनियम) द्वारा पारित आदेश को रद्द कर दिया। विशेष अदालत ने इन अधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 392 (लूट), 201 (साक्ष्य मिटाना), 120-बी (आपराधिक षड्यंत्र) तथा एमपीडीवीपीके एक्ट की धारा 11/13 के तहत संज्ञान लिया था।

- रेलवे नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी से जुड़ा है मामला

मामला साल 2023 में थाटीपुर थाने में दर्ज रेलवे भर्ती के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी से जुड़ा है। जांच के दौरान शिकायतकर्ता अनूप राणा के भाई विक्रम राणा को मुख्य आरोपी बनाया गया था। बाद में जांच में अनूप राणा की भी संलिप्तता सामने आने पर उसे गिरफ्तार किया गया था। जमानत पर रिहा होने के बाद अनूप राणा ने विशेष अदालत में परिवाद दायर कर आरोप लगाया था, कि जांच अधिकारी और अन्य पुलिसकर्मियों ने मामले में राहत दिलाने तथा फर्जी एनकाउंटर की धमकी देकर उससे अलग-अलग किश्तों में करीब 30 लाख रुपए वसूले।

दतिया हार के बाद नरोत्तम मिश्रा ने तोड़ी चुप्पी, बोले

आशुतोष मेरे अनुज, 25 साल पुराना है पारिवारिक रिश्ता

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद चल रही राजनीतिक चर्चाओं के बीच पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों को खारिज किया है, जिनमें भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी से मतभेद और भीतरघात जैसी अटकलें लगाई जा रही थीं।

डॉ. मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आशुतोष तिवारी उनके लिए छोटे भाई जैसे हैं और दोनों के बीच करीब 25 वर्षों से पारिवारिक और आत्मीय संबंध हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके बीच कभी कोई कटुता नहीं रही और आगे भी संबंधों में कोई बदलाव नहीं आएगा।

सोशल मीडिया की बातें भ्रामक और निराधार

पूर्व गृहमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा कि दतिया उपचुनाव के बाद सोशल मीडिया पर उनके और आशुतोष तिवारी को लेकर जो बातें फैलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह भ्रामक, असत्य और निराधार हैं। उन्होंने कहा कि आशुतोष तिवारी उनके अनुज हैं और उनके प्रति हमेशा स्नेह व आत्मीयता रही है। दोनों नेताओं की मुलाकात भी पहले की तरह गर्मजोशी और अपनत्व के साथ हुई।

2003 डबरा चुनाव से देख रहा हूं कार्यशैली

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आशुतोष तिवारी की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वह उन्हें वर्ष 2003 के डबरा विधानसभा चुनाव से जानते हैं। उन्होंने आशुतोष तिवारी को भाजपा का कर्मठ, समर्पित और मेहनती कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि वह संगठन और जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

समर्थकों से बयानबाजी रोकने की अपील

नरोत्तम मिश्रा ने अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे ऐसी कोई टिप्पणी या व्यवहार न करें जिससे पार्टी, संगठन या आशुतोष तिवारी को नुकसान पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा की ताकत उसकी एकजुटता, अनुशासन और संस्कार हैं। राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन परिवार, संस्कार और रिश्ते हमेशा स्थायी रहते हैं।

उपचुनाव हार के बाद तेज हुई थी चर्चा

गौरतलब है कि दतिया उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को कांग्रेस उम्मीदवार से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद आशुतोष तिवारी ने चुनाव में भीतरघात के आरोप लगाए थे और संगठन को कुछ जानकारी भी दी थी।

किसानों के खेत से खातों तक सरकार की चिंता, कवच योजना से मिलेगा नया संबल – मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के खेतों से लेकर उनके खातों तक का पूरा ध्यान रख रही है। सिंचाई, बिजली, खाद-बीज और कृषि यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ फसल बीमा, किसान सम्मान निधि और ब्याजमुक्त ऋण जैसी योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में स्वीकृत कवच योजना सहकारी खातों में लंबित गड़बड़ियों के कारण ऋण और योजनाओं से वंचित किसानों को राहत देकर उन्हें दोबारा मुख्यधारा से जोड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय से वर्चुअल माध्यम से नर्मदापुरम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि यह महोत्सव किसानों से संवाद का उत्सव है। अब तक प्रदेश के 20 जिलों में 11 आयोजन किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने रिकॉर्ड 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की है, जबकि सोयाबीन के बाद अब सरसों और धान को भी भावांतर योजना में शामिल किया गया है। पात्र किसानों के लिए मूंग उपार्जन की सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने किसानों से फसल विविधीकरण, पशुपालन, मत्स्य पालन और दुग्ध उत्पादन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि फलों के बाग, नर्सरी, पॉलीहाउस, शेडनेट हाउस तथा फूड प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना पर सरकार अनुदान और 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है। साथ ही अब सहकारी खातों के निपटान की अवधि एक वर्ष कर दी गई है, जिससे किसानों को भुगतान में अधिक सुविधा मिलेगी।

सहकारिता का मूल मंत्र मैं नहीं, हम, अधिकारी नवाचार से बदलें व्यवस्था- नरेंद्र सिंह तोमर

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अधिकारियों से जनहित, पारदर्शिता और नवाचार को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया। विधानसभा परिसर में आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आए सहकारिता, श्रम विभाग और उप पुलिस अधीक्षक सहित लगभग 60 प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक ताकत योजनाओं को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों में निहित होती है।

श्री तोमर ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि रोजगार, आत्मनिर्भरता और सामाजिक विकास का सशक्त माध्यम है। इसका मूल मंत्र मैं नहीं, हम है। उन्होंने गुजरात के सहकारिता मॉडल और अमूल का उदाहरण देते हुए गुणवत्ता, पारदर्शिता और सामूहिक प्रयासों को सफलता का आधार बताया।

श्रम विभाग के अधिकारियों से उन्होंने श्रमिकों के हितों की रक्षा और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। अपने केंद्रीय श्रम मंत्री के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) व्यवस्था के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये की कर्मचारी भविष्य निधि राशि श्रमिकों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई थी।

पुलिस अधिकारियों से श्री तोमर ने कहा कि बदलते समय में पुलिस की भूमिका केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण बनाना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों से ईमानदारी, साहस और समर्पण के साथ कार्य करते हुए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा भी उपस्थित रहे।

नरोत्तम मिश्रा का मामला दिल्ली से होगा तय

- दतिया उपचुनाव में हार के बाद वजह तलाशने भाजपा ने बनाई कमेटी

भोपाल। दतिया उपचुनाव में हार को भाजपा आलाकमान ने कठोर कदम उठाना शुरू कर दिया है। दतिया उपचुनाव में हार के बाद वजह तलाशने भाजपा ने जहां दो सदस्यीय कमेटी बना दी है। वहीं कमेटी की अनुशंसा पर प्रदेश संगठन ने नतीजे आने के 24 घंटे बाद ही एक्शन लेकर कार्यकर्ताओ को संदेश दे दिया है। अब पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के विषय में पार्टी सारे साक्ष्य जुटाकर उन्हें राष्ट्रीय नेतृत्व को भेज देगी और इस विषय में निर्णय वही सें होगा। हांलाकि, अभी तक ये स्पष्ट नहीं है कि उनके खिलाफ पार्टी के पास क्या सबूत हैं।

दतिया उपचुनाव में हार की समीक्षा के लिए बुलाई गई भाजपा की बैठक में पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा को नहीं बुलाया गया। जबकि दतिया विधानसभा चुनाव में उन्हें चुनाव संचालन समिति का प्रमुख बनाया गया था। नरोत्तम को बैठक में नहीं बुलाए जाने के बाद अब सियासी चर्चाएं इस बात को लेकर तेज हो गई हैं कि क्या दतिया में हार का कारण तलाशने बनाई गई कमेटी ने पहले ही हार का जिम्मेदारी तय कर ली है? खास बात ये है कि पार्टी ने दतिया हार के कारणों की जांच के लिए समिति का गठन सुबह किया और शाम ढलते-ढलते जिले की पूरी कार्यकारिणी भंग कर दी गई।

समीक्षा बैठक से नरोत्तम को रखा गया दूर

16 जुलाई को भाजपा संगठन की ओर से 32 सदस्यीय चुनाव संचालन समिति बनाई गई थी। उपचुनाव के प्रभारी भारत कुशवाहा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से इस समिति की घोषणा की गई। इस समिति का प्रमुख डॉ. नरोतम मिश्रा को बनाया गया। लेकिन पार्टी ने दतिया की हार के कारणों पर चिंतन के लिए मुख्यमंत्री निवास में जो बैठकें बुलाई उसकी सूचना कथित तौर पर नरोत्तम मिश्रा को नहीं दी गई। यह इस बात का संकेत है कि पार्टी दतिया में हार के लिए डॉ. नरोत्तम मिश्रा को भी जिम्मेदार मान रही है। नरोत्तम मिश्रा से जुड़े सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उन्हें बुलाया ही नहीं गया।

सुबह समिति बनाई, शाम तक एक्शन भी हो गया

दतिया की हार के कारणों की जांच के लिए जो बैठक बुलाई गई उसमें तय हुआ कि जांच के लिए कमेटी बनाई जाएगी। दो सदस्यीय कमेटी गठित कर उसकी घोषणा भी कर दी गई। प्रदेश महामंत्री गौरव रणदीवे और पार्टी के वरिष्ठ नेता अंबाराम कराड़ा को जवाबदारी सौंपी गई कि वे चुनाव परिणामों का विशलेषण कर अपनी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खडेलवाल को सौंपें। लेकिन दोपहर गठित हुई कमेटी की रिपोर्ट शाम तक आ भी गई और एक्शन भी हो गया। एक झटके में दतिया की पूरी भाजपा की कार्यकारिणी बर्खास्त कर दी गई। भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री द्वारा जारी पत्र के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल के निर्देश पर दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणामों की समीक्षा के लिए गठित समिति की अनुशंसा के आधार पर भारतीय जनता पार्टी, जिला दतिया जिले संगठन में जिलाध्यक्ष से लेकर जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति, मंडल मोर्चा प्रकोष्ठ प्रकल्प विभाग समेत सारी ईकाईयों को अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत भंग कर दिया गया।

शुभमन की कप्तानी में श्रीलंका दौरे पर पहुंची भारतीय टीम

राहुल ने वीडियो जारी किया, गीली पिच पर खेलते दिखे

कोलंबो। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम को यहां मेजबान टीम के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। इस दौरे पर भारतीय टीम के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा होगी क्योंकि उन्हें श्रीलंका के अनुभवी और युवा स्पिन गेंदबाजों का सामना करना पड़ेगा। इसे सीरीज से पहले भारतीय टीम के उप-कप्तान केएल राहुल ने एक वीडियो जारी कर अपनी तैयारियों के बारे में बताया है। इसमें साफ संदेश दिया है कि भारतीय टीम श्रीलंकाई हालातों से निपटने के लिए तैयार है।

राहुल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्हें नेट्स में एक अनोखे तरीके से अभ्यास करते देखा जा सकता है। मुंबई में हुए इस अभ्यास सत्र में राहुल ने जानबूझकर गीली पिच पर बल्लेबाजी का अभ्यास किया। इस विशेष तैयारी का लक्ष्य श्रीलंका की स्पिन-अनुकूल पिचों पर मिलने वाले टर्न और रुक कर आने वाली गेंदों से निपटने के लिए अभ्यास करना था। यह दिखाता है कि भारतीय बल्लेबाज श्रीलंकाई स्पिनरों की चुनौती को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं और उन्होंने अपनी रणनीति को मैदान पर उतारने से पहले ही मानसिक और तकनीकी रूप से अपने को तैयार करना शुरू कर दिया है।

गौरतलब है कि ये दो मैचों की टेस्ट सीरीज भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है क्योंकि यह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में अपनी जगह बनाने के प्रयासों को देखते हुए अहम है। भारतीय टीम को इसमें श्रीलंका को 2-0 से हराना होगा।

यहां के हालातों से निपटने के लिए भारतीय टीम ने एक विस्तृत योजना बनाई है। टीम अपने साथ चार नेट गेंदबाजों को श्रीलंका लेकर गई है, जिनका मुख्य काम बल्लेबाजों को लगातार स्पिन गेंदबाजी का अभ्यास कराना होगा। यह कदम भारतीय बल्लेबाजों को श्रीलंकाई परिस्थितियों के अनुकूल ढालने और विभिन्न स्पिन आक्रमणों का सामना करने के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आगामी दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम इस नई रणनीति से कितना सफल रहती है। इस सीरीज की शुरुआत से पहले दोनों टीमें 7 अगस्त को एक अभ्यास मैच में हिस्सा लेंगी। इसके बाद पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त तक और दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक खेला जाएगा।

सनराइजर्स लीड्स ने द हंड्रेड में सबसे बड़ा स्कोर बनाकर लंदन स्पिरिट को हराया

लंदन। सनराइजर्स लीड्स ने द हंड्रेड टूर्नामेंट में शानदार करते हुए एक नया रिकॉर्ड बनाया है। रायन रिकेल्टन, मिचेल मार्श और हैरी ब्रूक की आक्रमक बल्लेबाजी से सनराइजर्स लीड्स ने लंदन स्पिरिट के खिलाफ मुकाबले में 100 गेंदों में 241 रनों का बड़ा स्कोर बना दिया। ये टूर्नामेंट के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इस असाधारण प्रदर्शन से सनराइजर्स लीड्स ने लंदन स्पिरिट को हरा दिया। वहीं इसके बाद लक्ष्य पीछा करते हुए लंदन की टीम 100 गेंदों में 6 विकेट पर केवल 204 रन ही बना पाई। इस प्रकार से सनराइजर्स लीड्स ने ये मुकाबला 37 रनों से जीत लिया।

सनराइजर्स लीड्स की जीत में आक्रामक सलामी बल्लेबाज रायन रिकेल्टन की अहम भूमिका रही। रिकेल्टन ने 42 गेंदों में ही 94 रन बना दिये। उनकी इस पारी में 8 छक्के और 7 शानदार चौके शामिल थे। रिकेल्टन के अलावा, मध्यक्रम में मिचेल मार्श और हैरी ब्रूक ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया। मार्श ने केवल 37 गेंदों में 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 76 रन बनाए, जबकि हैरी ब्रूक ने केवल 18 गेंदों में 5 चौकों और 5 छक्कों की सहायता से 55 रन बनाये। इससे सनराइजर्स द हंड्रेड इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही।

242 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए लंदन स्पिरिट की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के सलामी बल्लेबाज जॉनी शून्य पर ही आउट हो गये। लुहान-ड्रे प्रेटोरियस भी सिर्फ 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। लगातार दो विकेट गिरने से लंदन की टीम दबाव में आ गई थी। इसके बाद लियाम लिविंगस्टोन और डेवाल्ड ब्रेविस ने मिलकर पारी को संभालने का प्रयास किया पर असफल रहे। लिविंगस्टोन 34 रन पर आउट हो गये। इसके बाद जेम्स कोल्स भी पेवेलियन लौट गये जिससे लंदन स्पिरिट ने केवल 56 रनों पर ही अपने पांच विकेट खो दिये।

7वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए डेविड विली ने एक अच्छी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने का प्रयास किया। उन्होंने केवल 46 गेंदों में 83 रन बना दिये।

बीसीसीआई चयन समिति में हो सकता है बदलाव, अगरकर को हटाये जाने की संभावना

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इससे चयन समिति और प्रबंधन भी बचे नहीं हैं। यहां तक कि मुख्य चयनकर्ता के पद से अजीत अगरकर को हटाये जाने की संभावनाएं भी बढ़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य चयनकर्ता अगरकर का कार्यकाल अगले महीने सितंबर, समाप्त हो रहा है और उसे अगले साल तक बढ़ाये जाने की संभावनाएं नहीं हैं। इससे ये सवाल उठता है कि अगरकर के बाद इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को कौन संभालेगा। अब तक जो नाम इसके लिए उभरकर सामने आया है। वह है पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण का। अगरकर ने जुलाई 2023 में मुख्य चयनकर्ता का पद संभाला था। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया ने कई अहम उपलब्धियां हासिल की हैं जिसमें एशिया कप से लेकर चैम्पियंस ट्रॉफी और टी20 विश्वकप की जीत शामिल है। इन सफलताओं के बावजूद, उनके कार्यकाल विस्तार की संभावना कम लग रही है। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने उनके अनुबंध को पहले ही तीन महीने के लिए बढ़ाया था और 2027 विश्व कप तक विस्तार पर विचार कर रहा था। वहीं अब यह योजना मुश्किल में पड़ती दिख रही है। यह दिखाता है कि बोर्ड बड़े फैसलों की तैयारी में है, जो भविष्य की रणनीतियों से जुड़े हो सकते हैं।

गौरतलब है कि लक्ष्मण का नाम मुख्य चयनकर्ता के तौर पर उभरना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। वह लंबे समय से भारतीय क्रिकेट के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं। एनसीए प्रमुख के रूप में, लक्ष्मण ने युवा प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्हें भारतीय घरेलू क्रिकेट सर्किट और खिलाड़ियों के विस्तृत पूल की गहरी समझ है, जो एक मुख्य चयनकर्ता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण गुण हैं। हाल ही में, उन्होंने जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम के मुख्य कोच की भूमिका सफलतापूर्वक संभाली थी, और इससे पहले भी जब मुख्य कोचिंग स्टाफ को आराम दिया गया था, तब लक्ष्मण ने ही टीम की कमान संभाली थी। यह अनुभव उन्हें एक मजबूत प्रशासनिक और नेतृत्व क्षमता वाला उम्मीदवार बनाता है।

बुमराह की खराब फिटनेस से उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर उठे सवाल

पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे हैं। इसी कारण वह बार-बार टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। ऐसे में अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में उनके खेलने को लेकर टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण ये है कि पिछले बुमराह पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये हैं। ऐसे में उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अपने अनूठी एक्शन और सटीक यॉर्कर के कारण क्रिकेट जगत में एक अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं पर यही उनकी फिटनेस के लिए भी एक चुनौती बन गई है। बीसीसीआई द्वारा उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिए जाने के बावजूद, बुमराह की मैदान पर उपलब्धता एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्रिकेट के मैदान पर उतरने के बाद कोई भी खिलाड़ी अपने को चोटों से ज्यादा समय तक नहीं बचा पाता, और बुमराह इसका जीता-जागता उदाहरण हैं।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 970 दिनों की अवधि में बुमराह ने भारतीय टीम के लिए केवल 3 एकदिवसीय मैच खेले हैं। यह आंकड़ा तब और भी हैरान करने वाला हो जाता है जब हम देखते हैं कि इसी दौरान भारतीय टीम ने कुल 29 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिसका अर्थ है कि बुमराह ने इनमें से 26 महत्वपूर्ण मैचों को नहीं खेला है। 2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से ही हां बुमराह कुछ ही एकदिवसीय मैचों में ही मैदान पर दिखे हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या बुमराह अपनी इस सीमित उपलब्धता के साथ भारतीय टीम को 2027 का एकदिवसीय विश्व कप जिताने में सक्षम होंगे? साथ ही, वर्कलोड मैनेजमेंट पर इतना जोर दिए जाने के बावजूद उनकी पूरी फिटनेस हासिल न कर पाना भी कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

बुमराह की अनुपस्थिति सिर्फ एकदिवसीयस फॉर्मेट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि चोट और वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण वह टेस्ट और टी-20 फॉर्मेट से भी लगातार बाहर रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में, साल 2023 के बाद से भारतीय टीम ने कुल 27 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से बुमराह केवल 22 में ही मैदान पर उतर सके हैं, यानी 5 टेस्ट मैचों से उन्हें बाहर रहना पड़ा। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट, टी-20 में तो स्थिति और भी चिंताजनक है। 2023 वनडे विश्व कप के बाद से भारतीय टीम ने कुल 78 टी-20 मैच खेले हैं, जिनमें से बुमराह ने सिर्फ 33 में ही हिस्सा लिया है।

अपनी सरकारी नौकरी की जिम्मेदारी निभाने पहुंचे ईशान

पटना। क्रिकेटर ईशान किशन खेल से ब्रेक मिलते ही अपनी नौकरी में पहुंच गये। ईशान रिजर्व बैंक में सहायक प्रबंधक के पद पर हैं। ईशान पटना स्थित रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में पहुंचे। सोशल मीडिया पर वायरल हुई इन तस्वीरों में ईशान आई कार्ड में दिखे। वह बैंक कर्मचारियों के साथ सेल्फी लेते नजर नजर आ रहे थे। ईशान को साल 2017 में केवल 18 साल की उम्र में स्पोर्ट्स कोटे के तहत यह पद मिला था। ईशान ने आरबीआई की ओर से डीवाई पाटिल क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया है। अपने व्यस्त क्रिकेटिंग कार्यक्रम के बाद भी जब भी उन्हें क्रिकेट से समय मिलता है, वह अपनी ड्यूटी निभाने के लिए बैंक पहुंच जाते हैं।

राष्ट्रमण्डल खेलों से गायब हुआ पाकिस्तानी मुक्केबाज

ग्लासगो। ग्लासगो राष्ट्रमण्डल खेलों से पाकिस्तान का एक मुक्केबाज कुदरतुल्लाह गायब हो गया है। इस मुक्केबाज के गायब होने से पाक मुक्केबाजी महासंघ की मुश्किलें बढ़ गयीं हैं। ये पहला मामला नहीं है जब कोई पाक खिलाड़ी गायब हुआ हो। इससे पहले भी कई बार ऐसे वाकये होते रहे हैं। इसी को लेकर पाकिस्तान ओलंपिक संघ का कहना है कि राष्ट्रमंडल खेलों में अपने मुकाबले में उतरने के बाद कुदरतुल्लाह टीम होटल से गायब हो गया था जिसके बाद से ही उसका कुछ पता नहीं चला है। हैरानी की बात ये है कि उसका पासपोर्ट टीम मैनेजर के पास ही है। इसके बाद भी वह गायब हो गया। वहीं इससे पहले भी एक बार राष्ट्रमंडल खेलों से पाकिस्तान के दो मुक्केबाज सुलेमान बलोच और नजीरुल्लाह खान बर्मिंघम में गायब हो गए थे जबकि पासपोर्ट दल प्रमुख के पास थे। पाक ओलंपिक संघ के एक अधिकारी के अनुसार वापसी की तैयार के लिए अहम कुदरतुल्लाह के कमरे में गये थे पर मुक्केबाज वहां नहीं था जबकि उसका सामान और निजी चीजें कमरे में ही थीं।

सीए ने भारतीय मूल के नील को अंडर-19 टीम में शामिल किया

सिडनी। भारत को जिस प्रकार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के तौर पर एक उभरता हुआ सितारा मिला है। वैसा ही एक सितारा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को भी मिल गया है। संयोग की बात ये है कि ये उभरता क्रिकेटर नील पटेल भी भारतीय मूल का है। युवा सलामी बल्लेबाज नील पटेल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया है। इसी कारण इस बल्लेबाज को अगले माह 13 सितंबर से होने वाले भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। नील को ऑस्ट्रेलिया के 16 सबसे होनहार और उभरते हुए क्रिकेटरों की सूची में भी जगह मिली है जिससे उनकी असाधारण खेल क्षमता का अंदाजा होता है।

नील ने बहुत कम उम्र में ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट और एज-ग्रुप टूर्नामेंट्स में काफी अधिक रन बनाये हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के सबसे रोमांचक और आक्रामक युवा बल्लेबाजी प्रतिभा में से एक माना जाता है। न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने अपनी ठोस तकनीक, क्रीज पर गजब के संयम और लंबी पारियां खेलने की क्षमता से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए पटेल ने सिर्फ 16 साल की उम्र में सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने एक कैलेंडर साल में 1,000 से ज्यादा रन बनाकर सिडनी प्रीमियर क्रिकेट फर्स्ट ग्रेड के इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में से एक बनने का कारनामा किया था। एक ओपनर के तौर पर इस उभरते क्रिकेटर को तेजी से खेलने का तरीका आता है। जिससे वह किसी भी प्रारुप में एक मूल्यवान खिलाड़ी बनाता है।

नील के लिए भारत का यह दौरा सिर्फ एक क्रिकेट सीरीज नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से भी बेहद खास है। भारतीय मूल के होने के कारण, भारत की टर्निंग पिचों पर खेलना उनके लिए एक घरेलू और विदेशी दोनों तरह का अनूठा अनुभव होगा। क्रिकेट जानकारों का मानना है कि उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिनरों का सामना करना किसी भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज के लिए सबसे कठिन परीक्षा होती है। अगर नील अहमदाबाद और राजकोट की पिचों पर रन बनाने में सफल रहते हैं, तो उन्हें शीघ्र ही ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम में अवसर मिला सकता है। ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 टीम अपने भारत दौरे में एकदिवसीय और दो चार दिवसीय मैच भी खेलेगी। भारत का यह दौरा नील के करियर को एक नई दिशा देने वाला साबित होगा।

भारतीय टीम का विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचना कठिन, श्रीलंका के पास अच्छा अवसर - चोपड़ा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम जिस प्रकार से खेल रही है। उसको देखे हुए उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल में पहुंचने की संभावना बेहद कम है। वहीं श्रीलंका के पास अच्छा अवसर है। चोपड़ा के अनुसार ये सही है कि भारतीय टीम दो बार की उपविजेता रही है पर इस बार उसकी राह लगभग असंभव नजर आ रही है। वहीं श्रीलंका के पास भारत के खिलाफ होने वाली आगामी घरेलू सीरीज जीतकर शीर्ष चार में जगह बनाने का अवसर है। भारतीय टीम 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। वर्तमान हालातों पर नजर डालें तो डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में भारतीय टीम 48.150 फीसदी अंकों (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में चार जीत और चार हार दर्ज की हैं। वहीं, श्रीलंका 41.67 पीसीटी के साथ छठे स्थान पर है।

चोपड़ा ने बताया कि श्रीलंका के लिए यह सीरीज निर्णायक साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, अगर हम (भारत) 2-0 से हारते हैं, तो हम सिर्फ 39 फीसदी अंक र रहेंगे और श्रीलंका 61 फीसदी अंक पर पहुंच जाएगा और चौथे नंबर पर आ जाएगा। अगर श्रीलंका भारत को 2-0 से हराता है तो वह दौड़ में शामिल हो जाएगा। तब उनके आगे बढ़ने का वास्तविक मौका होगा, वरना उनके लिए यह पास आकर भी दूर रहने वाली कहानी होगी। इससे स्पष्ट है कि श्रीलंका के पास इस सीरीज में क्लीन स्वीप कर डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश करने का सुनहरा अवसर है। वहीं, भारतीय टीम के हिसाब से देखें तो चोपड़ा ने बताया कि अगर भारत सीरीज में क्लीन स्वीप करता है, तो उन्हें फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा, अगर हम यह सीरीज 2-0 से जीतते हैं, तो हम 57.58 फीसदी अंक तक पहुंच जाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर सीरीज 1-1 से ड्रॉ होती है, तो दोनों टीमों को कोई खास फायदा नहीं होगा। ऐसी स्थिति में भारत 48.48 पीसीटी और श्रीलंका 44.44 पीसीटी पर रहेगा, जिससे उनकी मौजूदा स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा।

चोपड़ा ने भारत के लिए आगे आने वाली परेशानी पर भी प्रकाश डाला, जो उनके फाइनल में पहुंचने की राह को और मुश्किल बनाती हैं। उन्होंने कहा, आगे हमारे पास न्यूजीलैंड में 2 मैचों की सीरीज है, जहां जीतना मुश्किल है। अगर आप एक भी मैच हारते हैं, तो आप 50 फीसदी अंक खो देते हैं। यह एक मुश्किल सीरीज होगी और उसके बाद भारत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैच हैं। भारत मुश्किल स्थिति में है। न्यूजीलैंड में भारत का रिकॉर्ड खराब रहा है, 2008/09 के बाद से उन्होंने वहां कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। भारत को घरेलू मैदान पर भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ संघर्ष करना पड़ सकता है, जैसा कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले साल मिली लगातार क्लीन स्वीप से स्पष्ट है।

इंग्लैंड का कोच बनना चाहते हैं स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स का कहना है कि वह भविष्य में टीम का मुख्य कोच बनना चाहते हैं। स्टोक्स ने हाल ही में खेल से संन्यास लिया था। जिसके बाद से ही ये उनका पहला बयान आया है। इसमें स्टोक्स ने साफ कर दिया है कि वह वापसी नहीं करेंगे। इससे पहले ये अटकलें लगायीं जा रहीं थीं कि एशेज सीरीज में वह संन्यास से वापसी कर सकते हैं पर अब ऐसी सभी संभावनाओं पर विराम लग गया है। उन्होंने कहा कि मेरा संन्यास का फैसला स्थायी है। अपने लंबे समय के लक्ष्यों और संन्यास के बाद की योजनाओं को लेकर स्टोक्स ने कहा कि वह इंग्लैंड का कोच बनकर टीम को सफल बनाना चाहते हैं।

स्टोक्स ने अपनी कोचिंग की इच्छा जताते हुए कहा, मुझे पता है कि खेल से जुड़े रहने के लिए मैं क्या करना चाहता हूं। इसमें मुख्य है कोच बनना। मैं अभी घरेलू क्रिकेट खेलते हुए ही अपना लेवल-3 कोचिंग कोर्स कर रहा हूं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि जब मैं खेलना छोड़ूं, तो मेरी सारी कोचिंग से जुड़ी चीजें पूरी हो गयी। मुझे खेल से हटकर किसी तरह से नेतृत्व की भूमिका में रहने का विचार बहुत पसंद है।

स्टोक्स ने कहा कि हैरी ब्रूक को टेस्ट में कप्तान बनाया जाना चाहिये था पर इंग्लैंड बोर्ड ने उनकी जगह पर जो रुट को कप्तानी दे दी। स्टोक्स ने ब्रूक का समर्थन करते हुए कहा कि अगर किसी को अच्छा कप्तान या लीडर माना जाता है, तो उसे तुरंत यह जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। ब्रूक पहले से ही उपकप्तानी कर रहे थे, इसलिए उन्हें जिम्मेदारी देना सही रहता। उन्होंने रूट को अपनी शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वह कोच स्टीफन फ्लेमिंग के साथ मिलकर कप्तान के तौर पर शानदार काम करेंगे।

गौरतलब है कि साल 2022 से चार साल तक टेस्ट कप्तानी संभालने वाले स्टोक्स ने तब मुख्य कोच रहे ब्रेंडन मैकुलम के साथ मिलकर इंग्लैंड के टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके को आक्रामक बना दिया था। जिसे बैजबॉल के नाम से भी जाना गया। हालांकि, स्टोक्स के संन्यास की घोषणा के ठीक दो सप्ताह बाद मैकुलम ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। रोल से हटने का ऐलान कर दिया। इसके बाद, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को नया टेस्ट कोच नियुक्त किया गया। मैकुलम के कार्यकाल की शुरुआत में जबरदस्त आक्रामक बल्लेबाजी पर आधारित क्रिकेट सफल रहा पर हाल के दिनों में टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई है और वह पिछले नौ टेस्ट मैचों में से सात हार गयी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह कप्तानी छोड़ने के बाद एक खिलाड़ी के रूप में खेलते रहेंगे। 35 वर्ष की आयु में, स्टोक्स का मानना है कि यदि वह कप्तान नहीं रहते हैं, तो उनके लिए, ऐसा करना मुश्किल होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने अपने करियर का एक बड़ा हिस्सा इंग्लैंड के कप्तान के रूप में दिया है, और उनका मानना है कि अगर वह इंग्लैंड के लिए खेलते, तो कप्तान के तौर पर ही खेलते।

अल्जीरिया ने विश्वकप में खराब प्रदर्शन के कारण कोच पेटकोविच को हटाया

अल्जीयर्स। अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन (एफएएफ) ने हाल में हुए फीफा विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम के मुख्य कोच व्लादिमीर पेटकोविक और उनके सहयोगी स्टाफ को हटा दिया है। एफएएफ ने कोच पेटकोविक के 29 महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर कर दिया है। इसका कारण उनका अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाना रहा है। एफएएफ ने एक आधिकारिक बयान में पेटकोविक और उनके स्टाफ के प्रति उनके पेशेवरपन, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड और लाजियो के पूर्व कोच रहे पेटकोविक को मार्च 2024 में जामेल बेलमाडी की जगह टीम का कोच बनाया गया था। उनके मार्गदर्शन में, अल्जीरिया ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया, 2022 में बाहर रहने के बाद टूर्नामेंट में अपनी वापसी सुनिश्चित की। यह उपलब्धि प्रशंसनीय थी, जिसने टीम में नई उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, 62 वर्षीय पेटकोविक के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन विश्व कप में निराशाजनक रहा, जिसके कारण फेडरेशन को अलग होने का निर्णय लेना पड़ा। अल्जीरिया ग्रुप जे में तीसरे स्थान पर रहा और नॉकआउट चरण में पहुंचा, लेकिन राउंड ऑफ 32 में स्विट्जरलैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। यह गौरतलब है कि विश्व कप में कुछ समय पहले ही पेटकोविक का अनुबंध 2028 तक बढ़ा दिया गया था। इसके बावजूद, टीम के अपेक्षित परिणामों को हासिल करने में विफलता ने फेडरेशन को भविष्य को देखते हुए यह कड़ा कदम उठाने पर मजबूर किया। पेटकोविक से करार खत्म करने के बाद, अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन नए कोच की तलाश में है।

अब्दुल्ला शफीक के शतक से पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज पर बढ़त हासिल की

जमैका। अब्दुल्ला शफीक की 160 रनों की शानदार पारी की सहायता से पाकिस्तान ने यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी पहली पारी में 387 रन बना लिए हैं। इससे पहले वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 344 रन बनाए थे। इस प्रकार पाक टीम को 43 रनों की बढ़त मिल गयी। वहीं अब्दुल्ला शफीक वेस्टइंडीज की धरती पर 150 या उससे अधिक रन बनाने वाले पहले पाकिस्तानी बल्लेबाज भी बन गये हैं। उन्हें टीम के कप्तान बाबर आजम का भी अच्छा साथ मिला, जिन्होंने उनके साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई।

आजम हालांकि शतक नहीं लगा पाये और 88 रनों की पर आउट हो गये। बाबर के आउट होने के बादनिचले क्रम में साजिद खान ने 30 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर टीम को 387 रनों तक पहुंचाने में मदद की।

इससे पहले, मुकाबले में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को दिया पायलट प्रोजेक्ट तैयार करने का निर्देश

बीमा नहीं तो नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल !

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, नई कारों और बाइकों के इंश्योरेंस नियम भी बदले

नई दिल्ली। सड़क सुरक्षा और दुर्घटना पीड़ितों को समय पर मुआवजा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बड़ा निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि जिन वाहनों का वैध थर्ड-पार्टी बीमा नहीं होगा, उन्हें पेट्रोल या डीजल नहीं दिया जाए। इसके लिए केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने यह निर्देश देते हुए नई गाड़ियों के लिए अनिवार्य थर्ड-पार्टी बीमा की अवधि भी बढ़ाने का आदेश दिया। कोर्ट के निर्देश के अनुसार, पेट्रोल पंपों को वाहन के बीमा रिकॉर्ड से जोड़ा जाएगा। यदि किसी वाहन का थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस वैध नहीं पाया जाता है, तो उसे ईंधन देने से इनकार किया जा सकता है। यह व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू होगी। इसके लिए भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय मिलकर तकनीकी ढांचा तैयार करेंगे।

ऐसे होगी बीमा की जांच

पेट्रोल पंपों और प्रमुख सड़कों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे वाहन का नंबर पढ़कर उसे वाहन पोर्टल और इंश्योरेंस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के डेटाबेस से मिलाएंगे। यदि बीमा समाप्त हो चुका होगा, तो वाहन को ईंधन नहीं मिलेगा।

नई गाडियों के लिए बदले नियम

सुप्रीम कोर्ट ने नई गाडियों के अनिवार्य थर्ड-पार्टी बीमा की अवधि बढ़ा दी है। नई कार अब 3 वर्ष के बजाय 4 वर्ष का थर्ड-पार्टी बीमा अनिवार्य होगा। नई बाइक/स्कूटी अब 5 वर्ष के बजाय 6 वर्ष का थर्ड-पार्टी बीमा लेना होगा। अदालत ने कहा कि 2018 में लागू व्यवस्था के बावजूद देश में बड़ी संख्या में वाहन बिना बीमा के चल रहे हैं, इसलिए यह बदलाव आवश्यक है।

पुलिस के पास होगा रियल-टाइम सिस्टम

कोर्ट ने राज्यों को निर्देश दिया कि पुलिस को ऐसे हैंडहेल्ड डिवाइस या मोबाइल ऐप उपलब्ध कराए जाएं, जो सीधे वाहन और आईआईबी डेटाबेस से जुड़े हों। इससे सड़क पर ही किसी भी वाहन का बीमा स्टेटस तुरंत जांचा जा सकेगा और आवश्यकता होने पर ई-चालान जारी किया जा सकेगा।

टोल प्लाजा पर भी बदलाव

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारों को कम करने के लिए भी निर्देश दिए हैं। अदालत ने चुनिंदा कॉरिडोर पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन आधारित फ्री-फ्लो टोलिंग सिस्टम लागू करने का सुझाव दिया है, जिससे वाहन बिना रुके टोल पार कर सकें। अदालत के समक्ष प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, देश में चल रहे करीब 56 प्रतिशत वाहन बिना थर्ड-पार्टी बीमा के हैं। ऐसे वाहनों से दुर्घटना होने पर पीड़ितों और उनके परिवारों को मुआवजा मिलने में वर्षों लग जाते हैं। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 146 के तहत प्रत्येक वाहन के लिए थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस अनिवार्य है। इसका उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल या मृत व्यक्ति तथा उसकी संपत्ति को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है।

दुष्कर्म मामलों की सुनवाई के लिए नई न्यायिक गाइडलाइन

अदालतों को संवेदनशील भाषा अपनाने के निर्देश

नई दिल्ली। दुष्कर्म और यौन उत्पीडन से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान न्यायिक भाषा को अधिक संवेदनशील और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी ने नई ज्यूडीशियल सेंसिटिविटी हैंडबुक जारी की है। इसे जुलाई 2026 में सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद देश की सभी अदालतों में अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी ने जो प्रमुख निर्देश दिए हैं उसके अनुसार, जज निर्णय देते समय पीड़ित के चरित्र, पहनावे, जीवनशैली या नैतिक धारणाओं के बजाय केवल उपलब्ध साक्ष्यों और कानून के आधार पर फैसला करें। न्यायिक आदेशों और टिप्पणियों में ऐसी भाषा से बचा जाए जो पीड़ित को दोषी ठहराने, शर्मिंदा करने या पूर्वाग्रह दर्शाने वाली हो। लज्जा भंग, हवस, इज्जत, शर्म, पवित्रता, बेबस महिला तथा प्रोसिक्यूट्रिक्स जैसे शब्दों के प्रयोग से परहेज करने की सलाह दी गई है। अदालतों को सम्मानजनक, तटस्थ और पीड़ित-केंद्रित भाषा अपनाने पर जोर दिया गया है।

इस हैंडबुक को तैयार करने वाली विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अनिरुद्ध बोस ने की। समिति के अनुसार न्यायिक भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि निष्पक्ष और गरिमापूर्ण न्याय सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण आधार है। यह गाइडलाइन सुप्रीम कोर्ट के 10 फरवरी 2026 के आदेश के अनुपालन में तैयार की गई है। इससे पहले 2023 की जेंडर स्टीरियोटाइप्स हैंडबुक की समीक्षा कर भारतीय सामाजिक संदर्भ के अनुरूप नई गाइडलाइन बनाने के निर्देश दिए गए थे। सुनवाई के दौरान भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा था कि अदालतों को ऐसी टिप्पणियों से बचना चाहिए जो पीड़ित को भयभीत करें या शिकायत वापस लेने का दबाव पैदा करें। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायाधीशों को संवेदनशीलता और पर्याप्त कानूनी अध्ययन के साथ निर्णय लिखने चाहिए। नई गाइडलाइन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यौन अपराधों से जुड़े मामलों में न्यायिक प्रक्रिया पूर्वाग्रह-मुक्त, सम्मानजनक और साक्ष्य-आधारित हो, ताकि पीड़ितों का न्याय व्यवस्था पर विश्वास मजबूत हो सके।

भारत के एफसीआरए विधेयक पर अमेरिकी आपत्ति, ईसाई समुदाय पर सीधा हमला

नई दिल्ली । भारत सरकार के प्रस्तावित विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 पर अमेरिका ने आपत्ति जाहिर की है। रिपब्लिकन प्रतिनिधि राइली एम. मूर ने विधेयक को भारतीय ईसाई समुदाय पर सीधा हमला करार देकर चेतावनी दी है कि यदि विधेयक को इसी रूप में पारित किया गया, तब यह भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में गंभीर चिंता का विषय होगा।

राइली मूर ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर कहा कि भारत में ईसाई समुदाय का इतिहास सदियों पुराना है, जब सेंट थॉमस द एपोसल ईसा मसीह के पुनरुत्थान के दशकों बाद मालाबार तट पर आए थे। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इसके बावजूद, भारतीय संसद एफसीआरए नियमों में बदलाव पर विचार कर रही है, जिसका उद्देश्य चर्चों और धार्मिक चैरिटी संस्थाओं पर सरकार का नियंत्रण करना है। मूर ने कहा कि यह कदम ईसाई समुदाय की स्वायत्तता पर सीधा आघात है।

कैथोलिक एरीना ने भी मुद्दे पर राइली मूर के समर्थन में आवाज उठाई है।

प्लास्टिक के नोट अप्रैल-मई 2027 में आएंगे

नई दिल्ली। पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट अगले साल अप्रैल-मई के बीच लॉन्च होंगे। यह जानकारी आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि शुरुआत में कम वैल्यू के पॉलीमर करेंसी नोट जारी किए जाएंगे। इनका मार्केट में सर्कुलेशन और इस्तेमाल सबसे ज्यादा होता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों जैसे ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में पॉलीमर करेंसी नोट 30 साल से भी अधिक समय तक सफलतापूर्वक उपयोग में रहे हैं। भारत में कागजी नोट, विशेषकर 10, 20 और 50 रूपए के छोटे नोट, बहुत जल्द गंदे हो जाते हैं या फटने लगते हैं। गवर्नर ने कहा कि पॉलीमर नोट आने से इनकी उम्र बढ़ेगी, पानी या नमी से ये खराब नहीं होंगे और बार-बार नए नोट छापने का सरकारी खर्च भी कम होगा।

2047 तक भारत में होंगे 3 हजार से ज्यादा विमान, 350 से अधिक एयरपोर्ट का लक्ष्य

नई दिल्ली । भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र को लेकर केंद्र सरकार ने वर्ष 2047 तक बड़े विस्तार का लक्ष्य तय किया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने विमानन क्षेत्र का विजन साझा करते हुए कहा कि 2047 तक देश में 3 हजार से ज्यादा विमानों का बेड़ा और 350 से अधिक हवाई अड्डे विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, आने वाले पांच वर्षों में भारतीय विमान बेड़े में 500 नए विमान शामिल किए जाएंगे। फिलहाल देश में करीब 860 विमान हैं, जबकि 1,640 नए विमानों की डिलीवरी भी आने वाले समय में होनी है। सरकार का जोर देश में विमानन से जुड़े प्रशिक्षित पेशेवर तैयार करने पर भी है।

राम मोहन नायडू ने बताया कि 'भारत में प्रशिक्षण, भारत में उड़ान' पहल के तहत पायलटों और विमानन क्षेत्र से जुड़े अन्य कर्मचारियों को देश में ही प्रशिक्षण देने की दिशा में काम किया जा रहा है। नए उड़ान प्रशिक्षण केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। शुरुआत में प्रत्येक केंद्र में 60 से 70 प्रशिक्षण विमान होंगे, जिन्हें बाद में 110 से 120 तक बढ़ाया जा सकेगा।

सुरक्षा को लेकर भी सरकार ने कई कदमों की जानकारी दी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय फिलहाल उन हवाई पट्टियों का आकलन कर रहा है जहां निगरानी व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। प्रशिक्षण के दौरान होने वाले हादसों की जिम्मेदारी उड़ान प्रशिक्षण संगठनों की होगी और सरकार उन्हें आवश्यक सहयोग देगी।

विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों पर मंत्री ने कहा कि फिलहाल यह सरकार के लिए चुनौती है, लेकिन इसे अस्थायी समस्या माना जा रहा है। यदि कीमतों में बढ़ोतरी लंबे समय तक जारी रहती है तो सरकार जरूरी कदम उठाने पर विचार करेगी।

इसके अलावा सरकार इलेक्ट्रॉनिक पायलट लाइसेंस जारी करने की तैयारी में है, जिससे लाइसेंस प्रक्रिया को अधिक तेज और आसान बनाया जा सकेगा।

एनआरआई को न्यूड कर थप्पड़ मारे

लुधियाना। लुधियाना के होटल रेडीसन ब्लू में कनाडा से आई दिल्ली की युवती के साथ रेप की कोशिश की गई। युवती ने रूम बुक कर भाई के अच्छे भविष्य के लिए पूजा करवाने के लिए एक व्यक्ति को बुलाया। उसने आते ही अश्लील हरकतें शुरू कर दी। उसने उसे कहा कि उसके अंदर दो भूत हैं, उन्हें तुरंत बाहर निकालने की जरूरत है। एनआईआर युवती भूत भगाने के लिए तैयार हो गई। आरोपी ने भूत भगाने के नाम पर युवती के साथ छेड़छाड़ करनी शुरू कर दी। युवती ने विरोध किया तो उसने इसे भूत भगाने की प्रक्रिया बताया। कुछ ही पलों में आरोपी ने युवती के साथ रेप करने की कोशिश की। इस दौरान उसे न्यूड कर थप्पड़ मारे। युवती ने आरोपी को बमुश्किल रूम से बाहर धकेला और उसके बाद पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी अभी फरार है।

फिलहाल नहीं घटेगी लोन की ईएमआई

महंगाई से जंग जारी रहेगी, आरबीआई ने रेपो रेट 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने लगातार तीसरी समीक्षा बैठक में रेपो रेट 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया है। इसके साथ ही होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ब्याज दरों तथा ईएमआई में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय एमपीसी बैठक के बाद कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी अनिश्चितता और महंगाई के दबाव को देखते हुए फिलहाल ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया गया है।

मल्होत्रा ने पॉलिसी का ऐलान करते हुए कहा कि जुलाई के पहले हफ्ते से पश्चिम एशिया में संघर्ष के फिर से बढने से ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव बढ़ा है और सप्लाई चेन को लेकर अनिश्चितता फिर से पैदा हो गई है। लगातार बनी हुई वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद, घरेलू आर्थिक गतिविधियों ने मजबूती दिखाई है, जैसा कि पहली तिमाही के लिए उपलब्ध हाई-फ्रीक्रेंसी इंडिकेटर्स से पता चलता है।

महंगाई के अनुमान को किया कम

महंगाई के मोर्चे पर आरबीआई ने आम लोगों को बड़ी राहत दी है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि इस साल के लिए सीपीआई महंगाई दर अब 5 फीसदी रहने का अनुमान है, जो हमारे पहले के अनुमानों से 10 बेसिस पॉइंट कम है। इसमें पहली तिमाही में 5.3 फीसदी, दूसरी तिमाही में 4.7 फीसदी, तीसरी तिमाही में 5.9 फीसदी और चौथी तिमाही में 5.5 फीसदी रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा का कहना है कि उम्मीद के मुताबिक, हेडलाइन महंगाई दर टारगेट से थोड़ी ऊपर चली गई है। महंगाई में यह बढ़ोतरी फ्यूल और खाने-पीने की चीज़ों की कीमतों की वजह से हुई है।

जीडीपी ग्रोथ में इजाफा

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्त वर्ष 2027 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया है, जो पिछले अनुमान से 10 बेसिस पॉइंट्स ज्यादा है। उन्होंने बताया कि पहली तिहाही में देश की ग्रोथ 7 फीसदी रहने का अनुमान है। जबकि दूसरी तिमाही में 6.4 फीसदी रह सकती है। जबकि तीसरी तिमाही में ग्रोथ अनुमान 6.5 फीसदी देखने को मिल सकता है। चौथी तिमाही में देश की ग्रोथ का अनुमान 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है।

पहली तिमाही का कैड सरप्लस

इस साल अप्रैल-मई के दौरान भारत के करंट अकाउंट में 2.8 बिलियन डॉलर का सरप्लस (अधिशेष) दर्ज किया गया, जिसका मुख्य कारण सर्विस ट्रेड और रेमिटेंस (विदेश से भेजी गई रकम) की अच्छी प्राप्ति थी। पहली तिमाही में, मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट (वस्तु व्यापार घाटा) बढ़कर लगभग 86 बिलियन डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में लगभग 69 बिलियन डॉलर था। इसका मुख्य कारण कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक सामान और सोने का आयात था।

ट्रेड डील से जोखिम हो सकता है कम

मल्होत्रा ने कहा कि आगे चलकर, ग्लोबल ट्रेड ग्रोथ में कमी, एनर्जी की कीमतों में बढ़ोतरी और ट्रेड पॉलिसी को लेकर लगातार अनिश्चितता भारत के करंट अकाउंट डेफिसिट के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। साथ ही, भारत-यूके ट्रेड डील और प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ हालिया समझौतों को लागू करने, और सर्विस एक्सपोर्ट व रेमिटेंस में तेजी से इन जोखिमों को कम करने की उम्मीद है। एक्सटर्नल फाइनेंसिंग (बाहरी वित्तपोषण) के मोर्चे पर, इस साल की पहली तिमाही में ग्रॉस एफडीआई इनफ्लो 30.7 बिलियन डॉलर के मजबूत स्तर पर बना रहा।

दो साल बाद सामने आई शेख हसीना बोलीं- बांग्लादेश लौटना चाहती हूं, शायद दिसंबर में जाऊंगी

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना करीब दो साल बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आईं। नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में वह वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं और अपनी बात रखी। हालांकि, इस दौरान उनका कैमरा बंद रहा और केवल उनकी आवाज सुनाई दी। शेख हसीना ने कहा कि उन्हें देश से दूर कर दिया गया, लेकिन वह अपने लोगों से कभी अलग नहीं हुईं। उन्होंने कहा कि वह बांग्लादेश वापस लौटना चाहती हैं और संभव है कि दिसंबर में अपने देश जाएं।

अपने संबोधन के दौरान शेख हसीना भावुक भी हो गईं। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से उन्होंने अपने प्यारे बांग्लादेश को पीड़ित होते देखा है। उनके मुताबिक, मौजूदा बांग्लादेश वह देश नहीं है जिसे उन्होंने बनाने में योगदान दिया था और न ही वह बांग्लादेश है जिसके लिए 1971 में लाखों लोगों ने बलिदान दिया था।

शेख हसीना ने वर्ष 2024 में हुए छात्र आंदोलन को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि यह शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन नहीं था, बल्कि संगठित राजनीतिक हिंसा में बदल गया। उनका आरोप है कि अवामी लीग के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई।

उन्होंने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में कम से कम 10 हजार लोग मारे गए या लापता हुए हैं। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारियों और मामलों का भी जिक्र किया। शेख हसीना ने अपने पिता शेख मुजीबुर रहमान की यादों से जुड़े स्थलों को नुकसान पहुंचाए जाने का भी आरोप लगाया।

शेख हसीना के इस संबोधन के बाद बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति और भारत में उनके रहने को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है।

छात्र प्रदर्शनः सुप्रीम कोर्ट नरम, आयोजकों की जवाबदेही पर याचिकाकर्ता की मांग

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने छात्र प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में युवाओं पर कठोर कार्रवाई न करने का संकेत दिया है, बल्कि उन्हें समझाने और सही सलाह देने की बात कही है। हालांकि, एक याचिकाकर्ता ने इसतरह के प्रदर्शनों के आयोजकों की जवाबदेही तय करने की पुरजोर मांग की है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि वह इस याचिका पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ सुनवाई करेगा।

याचिकाकर्ता मनीष सोलंकी की ओर से पेश वकील सैयद रिजवान अहमद ने तीन-न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष दलील दी कि जहां केंद्र सरकार और पुलिस की जिम्मेदारी तय की जा रही है, वहीं आयोजकों के प्रति उदारता क्यों बरती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोजकों ने पुलिस को दिए वादे तोड़े और संसद की ओर उग्र भीड़ को भेजा। अहमद ने कहा कि अगर उस दिन 500 लोग भी लोकतंत्र के मंदिर में घुस जाते, तब पुलिस को फायरिंग करनी पड़ती और स्थिति भयावह होती। उन्होंने कहा कि संसद चलो मार्च के आयोजक आज भी भड़काने वाले बयान दे रहे हैं और स्थिति शांत करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, इसलिए उनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि न्यायालय छात्रों पर कठोर कार्रवाई के पक्ष में नहीं है। पीठ ने जोर दिया कि युवाओं को समझाना और सही सलाह देना चाहिए, क्योंकि आक्रामक कार्रवाई स्थिति को और बिगाड़ सकती है।

लेकिन याचिकाकर्ता के वकील अहमद ने तर्क दिया कि पत्थरबाजी और हिंसा में शामिल लोगों को केवल इसलिए नहीं छोड़ा जा सकता कि सरकार दबाव में है, क्योंकि इससे गलत परंपरा स्थापित होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि पुलिस या सुरक्षा बलों के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वालों की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें कठोर दंड के बजाय सामुदायिक सेवा करवाकर गलती सुधारने का मौका दिया जाए। सुनवाई के अंत में, न्यायालय ने याचिकाकर्ता को अपनी बात रखने का पूरा मौका देने का आश्वासन दिया और इस याचिका को इसी मामले में लंबित अन्य याचिकाओं के साथ जोड़ने का निर्देश दिया। भविष्य की सुनवाई में याचिकाकर्ता को भी अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा।

भ्रष्टाचार और अवैध कमीशन मामले में कारोबारी ढेबर को मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड (सीएसएमसीएल) से जुड़े भ्रष्टाचार और अवैध कमीशन गिरोह के मामले में कारोबारी अनवर ढेबर को बुधवार को अंतरिम जमानत दे दी। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने जमानत की शर्त के तौर पर ढेबर को छत्तीसगढ़ से बाहर रहने और मुकदमे की सुनवाई के दौरान कोर्ट में मौजूद होने का निर्देश दिया। ढेबर को यह भी निर्देश दिया कि अंतरिम जमानत मिलने के बाद वह जहां रहेंगे, उस पते का विवरण कोर्ट को उपलब्ध कराएं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 13 मई को ढेबर की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि आरोप राज्य संचालित निगम के भीतर "गहरे और व्यवस्थित भ्रष्टाचार के नेटवर्क" की ओर संकेत करते हैं।

राज्यसभा सभापति की चेतावनी, वेल में आने और प्लेकार्ड दिखाने पर होगी कार्रवाई

-राधाकृष्णन ने दी सदस्यों को चेतावनी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में जारी गतिरोध के बीच राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सदस्यों को स्पष्ट चेतावनी दी कि सदन के वेल में आने और प्लेकार्ड दिखाने जैसी गतिविधियां नियमों के विरुद्ध हैं तथा ऐसा करने वाले सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

बुधवार को राज्यसभा की कार्यवाही पुनः शुरू होने पर सभापति ने सभी सदस्यों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे अपनी-अपनी सीटों पर रहें और सदन की गरिमा बनाए रखें। उन्होंने कहा कि यदि कोई सदस्य इन निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे बोलने का अवसर नहीं दिया जाएगा और नियमों के तहत कार्रवाई करने के लिए वे बाध्य होंगे।

सभापति की अपील के बावजूद विपक्षी सांसदों की नारेबाजी जारी रही। कई सदस्य प्लेकार्ड लेकर सदन के वेल तक पहुंच गए, जिसके कारण शून्यकाल और प्रश्नकाल की कार्यवाही प्रभावित हुई। इससे पहले भी लोकसभा में हंगामे के चलते कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी थी। मानसून सत्र के दौरान विभिन्न राजनीतिक मुद्दों को लेकर संसद के दोनों सदनों में लगातार गतिरोध बना हुआ है, जिससे विधायी कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

संसद में पेश आंकड़ों ने खोली प्रवर्तन निदेशालय की कार्यप्रणाली की पोल

5 साल में ईडी के 4,622 केस, लेकिन सिर्फ 43 में सजा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले पांच वर्षों में मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में रिकॉर्ड कार्रवाई की है, लेकिन दोषसिद्धि के आंकड़े बेहद कम हैं। संसद में केंद्र सरकार द्वारा पेश आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 के बीच ईडी ने 4,622 मामले दर्ज किए, 2,444 शिकायतें विशेष अदालतों में दाखिल कीं और 1,243 आरोपियों को गिरफ्तार किया, लेकिन अब तक केवल 43 मामलों में 104 आरोपियों को सजा मिल सकी है।

राज्यसभा में 4 अगस्त को सरकार ने बताया कि 30 जून 2026 तक प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत दाखिल अधिकांश मामले अभी भी विभिन्न अदालतों में विचाराधीन हैं। सरकार का कहना है कि कम दोषसिद्धि का कारण एजेंसी की कार्रवाई नहीं, बल्कि लंबी न्यायिक प्रक्रिया है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ईडी ने 2021-22 में 1,116 मामले, 2022-23 में 953 मामले, 2023-24 में 698 मामले, 2024-25 में 775 मामले और 2025-26 में 1,080 मामले दर्ज किए हैं। इस तरह पांच वर्षों में कुल 4,622 मामले दर्ज हुए। अब इसी अवधि में आंकड़ा देखें तो 2021-22 में 3 मामलों, 2022-23 में 9 मामलों, 2023-24 में 13 मामलों, 2024-25 में 9 मामलों और 2025-26 में 9 मामलों में दोषसिद्धि में सफलता मिली। कुल मिलाकर 43 मामलों में 104 आरोपियों को दोषी ठहराया गया। सरकार के अनुसार प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के मामलों की प्रक्रिया काफी लंबी होती है। पहले ईडी जांच पूरी करती है, फिर विशेष अदालत में शिकायत दाखिल होती है। इसके बाद आरोप तय करने, दस्तावेजों की जांच, गवाहों की गवाही और अंतिम बहस जैसी कई कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। यही कारण है कि हजारों मामले वर्षों तक ट्रायल में लंबित रहते हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी वर्ष दर्ज हुए मामलों की तुलना उसी अवधि में हुई दोषसिद्धि से नहीं की जा सकती, क्योंकि कई मामलों का फैसला कई वर्षों बाद आता है।

ईडी की जांच प्रक्रिया

मनी लॉन्ड्रिंग के किसी मामले में ईडी पहले जांच शुरू करती है। जरूरत पडने पर आरोपी की गिरफ्तारी की जाती है। जांच पूरी होने के बाद विशेष क्करूरू अदालत में शिकायत (प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट) दाखिल की जाती है। इसके बाद अदालत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सुनवाई करती है और अंत में आरोपी को दोषी या निर्दोष घोषित करती है।

समलैंगिक अधिकारों पर केंद्र सरकार की सुस्ती से शशि थरूर खफा

दो साल से नहीं हुई हाई-पावर कमेटी की बैठक

नई दिल्ली। संसद का मॉनसून सत्र भले ही हंगामे की भेंट चढ़ रहा हो, लेकिन कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने अतारांकित प्रश्नों के लिखित जवाब मिलने की बात कही। उन्होंने केंद्र सरकार के इसतरह के एक जवाब पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। थरूर के अनुसार, जवाब सुप्रीम कोर्ट के सुप्रियो फैसले के बाद एलजीबीटीक्यूआईए प्लस समुदाय के अधिकारों के लिए गठित हाई-पावर कमेटी की पूरी तरह नाकाम रहने को उजागर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार में समलैंगिक जोड़ों की चिंताओं को दूर करने और इस समुदाय के नागरिकों के लिए सार्थक अधिकार सुनिश्चित करने की कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। कांग्रेस सांसद ने बताया कि कमेटी का गठन हुए दो साल से भी अधिक समय हो चुका है, लेकिन इसकी सिर्फ दो बैठकें हुई हैं। इसकी आखिरी बैठक भी दो साल पहले हुई थी और अब तक कोई सिफारिश या रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि सरकार द्वारा बताए गए अंतरिम उपाय कभी भी सार्थक कानूनी सुधारों का विकल्प नहीं हो सकते।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

हट्टा में पुरानी रंजिश के चलते शराब भट्टी के पास मारपीट-मोटरसाइकिल में की तोड़फोड़

तीन सगे भाई घायल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत हट्टा शराब भट्टी के पास मंगलवार की रात पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान तीन सगे भाइयों के साथ मारपीट की गई और खड़ी मोटरसाइकिल में भी तोड़फोड़ कर दी गई। घटना के बाद हट्टा पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मारपीट, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हट्टा में रहने वाले गोपाल हेडाऊ 38 वर्ष शराब भट्टी के पास चना फली की दुकान चलाते हैं। गांव के ही लक्की रहेले से उनका पहले से विवाद चला आ रहा था।4 अगस्त की रात करीब 8=30 बजे गोपाल अपनी दुकान पर बैठा था। इसी दौरान आरोपी लक्की रहेले वहां पहुंचा और पुराने विवाद को लेकर गोपाल को अश्लील गालियां देने लगा। गोपाल द्वारा गाली देने से मना करने पर लक्की ने हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी।इसी बीच लक्की के साथ आए गज्जू सोनेकर और प्रवीण कावड़े भी वहां पहुंच गए। तीनों ने मिलकर दुकान में रखी प्लास्टिक की कुर्सी उठाकर गोपाल के साथ मारपीट की। इसके बाद दुकान के सामने खड़ी मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेंडर को भी निशाना बनाया गया। आरोपियों ने हेडलाइट, मडगार्ड, इंडिकेटर सहित बाइक के अन्य हिस्से तोड़ दिए।मारपीट की आवाज सुनकर गोपाल के भाई शंकर और निलेश मौके पर पहुंचे। आरोपियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज की और हाथ-मुक्कों से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। हंगामा बढ़ता देख आसपास के लोग दौड़कर बीच-बचाव के लिए पहुंचे। इसके बाद लक्की रहेले, गज्जू सोनेकर और प्रवीण कावड़े ने गोपाल को जान से खत्म करने की धमकी दी। डर के कारण गोपाल सीधे हट्टा थाना पहुंचा और पूरी घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

इस घटना में गोपाल, शंकर और निलेश तीनों को चोटें आई हैं। तीनों का प्राथमिक उपचार और मुलाहिजा हट्टा के स्थानीय अस्पताल में कराया गया है।गोपाल की शिकायत पर हट्टा पुलिस ने लक्की रहेले, गज्जू सोनेकर और प्रवीण कावड़े के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मारपीट, तोड़फोड़ और आपराधिक धमकी का अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिला अस्पताल में कलेक्टर की अचानक एंट्री, एक घंटे तक टटोली स्वास्थ्य व्यवस्था

मरीजों से सीधे संवाद, डॉक्टरों की कार्यप्रणाली परखी, जर्जर भवन, गंदगी और अव्यवस्था पर सख्त निर्देश

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के नवागत कलेक्टर कुमार सत्यम ने पदभार संभालने के बाद प्रशासनिक सक्रियता का स्पष्ट संदेश देते हुए बुधवार को पहली बार जिला चिकित्सालय बालाघाट का विस्तृत और औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कलेक्टर ने अस्पताल के एक-एक हिस्से में पहुंचकर व्यवस्थाओं को नजदीक से देखा, स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया और मरीजों से सीधे संवाद कर जमीनी हकीकत जानने का प्रयास किया। लगभग एक घंटे तक चले इस निरीक्षण के दौरान अस्पताल की कई कमियां सामने आईं, जिन पर उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

कलेक्टर कुमार सत्यम ने निरीक्षण की शुरुआत अस्पताल की ओपीडी और चिकित्सकों के कक्षों से की। उन्होंने एक-एक डॉक्टर के कक्ष में जाकर वहां की व्यवस्थाएं देखीं और चिकित्सकों की उपस्थिति, ड्यूटी चार्ट, उपस्थिति रजिस्टर, शिफ्ट व्यवस्था तथा मरीजों की संख्या से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने यह भी देखा कि डॉक्टर निर्धारित समय पर ओपीडी में पहुंच रहे हैं या नहीं तथा मरीजों को समय पर उपचार मिल रहा है या नहीं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिला चिकित्सालय आम जनता के लिए सबसे बड़ा स्वास्थ्य केंद्र है, इसलिए यहां समयबद्ध और जवाबदेह कार्यप्रणाली हर हाल में सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो उसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर की नजर अस्पताल भवन की जर्जर होती स्थिति पर भी गई। कई वार्डों की दीवारों पर सीपेज, उखड़ता प्लास्टर, टूट-फूट और रखरखाव की कमी स्पष्ट दिखाई दी। उन्होंने इन व्यवस्थाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि मरीज इलाज के लिए अस्पताल आते हैं, ऐसे में उन्हें स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि भवन की मरम्मत और आवश्यक सुधार कार्यों का प्रस्ताव तत्काल तैयार कर प्रशासन को भेजा जाए, ताकि जल्द से जल्द इन समस्याओं का स्थायी समाधान किया जा सके। अस्पताल परिसर में फैली अव्यवस्था भी निरीक्षण के दौरान कलेक्टर के निशाने पर रही। कई स्थानों पर पुराने और अनुपयोगी इलेक्ट्रिक उपकरण, खराब सामग्री तथा अन्य सामान बेतरतीब ढंग से पड़ा मिला। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर में इस प्रकार की अव्यवस्था न केवल सौंदर्य बिगाड़ती है, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी उचित नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि अनुपयोगी सामग्री को तत्काल हटाया जाए तथा प्रत्येक विभाग में व्यवस्थित कार्य संस्कृति विकसित की जाए। साफ-सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने कई स्थानों पर गंदगी, अव्यवस्थित डस्टबिन और स्वच्छता में कमी देखी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि नियमित मॉनिटरिंग कर साफ-सफाई की व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ अस्पताल ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहली पहचान होता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से सीधे बातचीत कर वास्तविक स्थिति जानने का प्रयास किया। उन्होंने मरीजों से पूछा कि क्या उन्हें समय पर डॉक्टर मिल रहे हैं, दवाएं उपलब्ध हैं या नहीं, जांच समय पर हो रही है या नहीं तथा अस्पताल में किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है या नहीं। मरीजों से मिली जानकारी के आधार पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि अस्पताल की पूरी व्यवस्था मरीज केंद्रित होनी चाहिए। उन्होंने चिकित्सकों के कक्षों के बाहर भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पाया कि कई स्थानों पर मरीजों एवं उनके परिजनों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। कई जगह पंखों और पेयजल की सुविधा भी पर्याप्त नहीं मिली। इस पर उन्होंने तत्काल अतिरिक्त कुर्सियां, बैठने की व्यवस्था, पंखे और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होना चाहिए। इसके बाद कलेक्टर ने मेडिकल वार्ड, सर्जिकल वार्ड, आइसोलेशन वार्ड, महिला वार्ड सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। प्रत्येक वार्ड में उन्होंने मरीजों से चर्चा की और वहां उपलब्ध उपचार व्यवस्था, स्टाफ की कार्यप्रणाली तथा आवश्यक संसाधनों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वार्डों में नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग की व्यवस्था मजबूत की जाए, ताकि छोटी-छोटी समस्याएं बड़ी परेशानी का कारण न बनें। कुपोषित बच्चों के उपचार वार्ड का निरीक्षण करते समय उन्होंने वहां भर्ती बच्चों की स्थिति, पोषण संबंधी व्यवस्थाएं, रिकॉर्ड संधारण तथा शासन को भेजी जाने वाली मांग और रिपोर्ट की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कुछ दस्तावेजों और रिकॉर्ड में कमियां सामने आने पर उन्होंने संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों और सिविल सर्जन को स्पष्ट निर्देश दिए कि रिकॉर्ड संधारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा सभी दस्तावेज अद्यतन रखे जाएं। निरीक्षण के अंतिम चरण में कलेक्टर कुमार सत्यम ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, जहां उन्होंने आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, मरीजों के उपचार की प्रक्रिया, उपकरणों की उपलब्धता तथा स्टाफ की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ट्रॉमा सेंटर जिले का सबसे महत्वपूर्ण आपातकालीन स्वास्थ्य केंद्र है, इसलिए यहां किसी भी प्रकार की अव्यवस्था स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, संसाधनों को व्यवस्थित रखने और मरीजों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए कलेक्टर कुमार सत्यम ने कहा कि जिला चिकित्सालय का यह उनका पहला निरीक्षण था और इसका उद्देश्य किसी पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि पूरे अस्पताल की कार्यप्रणाली को समझना था। उन्होंने कहा कि पहले निरीक्षण में उन्होंने सामान्य व्यवस्थाओं का आकलन किया है और जहां तत्काल सुधार संभव था, वहां मौके पर ही निर्देश दिए गए हैं। वहीं जिन मामलों में बड़े स्तर पर संसाधनों, बजट या निर्माण कार्य की आवश्यकता होगी, उनके प्रस्ताव तैयार कर शासन स्तर पर भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार लाना प्रशासन की प्राथमिकता है। आम नागरिकों को बेहतर उपचार, स्वच्छ वातावरण और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निरीक्षण के दौरान सामने आई सभी कमियों को समयबद्ध तरीके से दूर किया जाएगा और जिला चिकित्सालय को अधिक व्यवस्थित, सुविधायुक्त एवं जनहितैषी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे।

वीआईपी कल्चर पर यातायात पुलिस का शिकंजा, हूटर-लाल बत्ती और ब्लैक फिल्म वाले वाहनों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई

विशेष प्रवर्तन अभियान के पहले पांच दिनों में 155 चालान, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट और सरकारी स्टिकर लगाने वालों पर भी कार्रवाई

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जिले में चौपहिया वाहनों पर वीआईपी कल्चर का प्रदर्शन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस ने सख्त रुख अपना लिया है। निजी वाहनों में अवैध रूप से हूटर, लाल-पीली-नीली फ्लैश लाइट, सरकारी स्टिकर, ब्लैक फिल्म और नियमों के विपरीत नंबर प्लेट लगाकर चलने वाले वाहन अब पुलिस की निगरानी में हैं। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 1 अगस्त से 10 अगस्त तक चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत बालाघाट यातायात पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। यातायात थाना प्रभारी सूबेदार यीना राहंगडाले के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान के पहले पांच दिनों में ही 155 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। इन कार्रवाइयों के माध्यम से पुलिस ने कुल 87 हजार 500 रुपये का समन शुल्क वसूल किया है। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को मजबूत करना, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना तथा वीआईपी संस्कृति के नाम पर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी अंकुश लगाना है। यातायात पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, निजी वाहन में अवैध रूप से हूटर का उपयोग करने के एक मामले में 7 हजार रुपये का समन लगाया गया। इसी प्रकार लाल-पीली फ्लैश लाइट का अनधिकृत उपयोग करने के एक मामले में 3 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। सरकारी अधिकारी या विभाग का प्रभाव दिखाने के लिए वाहनों पर अवैध रूप से सरकारी स्टिकर लगाने वाले 10 वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए 5 हजार 500 रुपये का समन वसूला गया। अभियान के दौरान सबसे अधिक कार्रवाई वाहनों के शीशों पर ब्लैक फिल्म और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट लगाने वालों के खिलाफ की गई। पुलिस ने ब्लैक फिल्म लगे 51 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 25 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया, जबकि नियमों के विपरीत नंबर प्लेट लगाकर वाहन चलाने वाले 92 वाहन चालकों से 46 हजार 500 रुपये का समन शुल्क वसूला गया। यातायात थाना प्रभारी सूबेदार यीना राहंगडाले ने बताया कि यह अभियान 10 अगस्त तक लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों में किसी भी प्रकार का अनाधिकृत हूटर, लाल-पीली या नीली बत्ती, सरकारी स्टिकर अथवा ब्लैक फिल्म का उपयोग न करें और निर्धारित मानकों के अनुसार नंबर प्लेट लगाकर ही वाहन चलाएं। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। यातायात पुलिस का मानना है कि ऐसे विशेष अभियान न केवल सड़क सुरक्षा को मजबूत करेंगे, बल्कि आम नागरिकों में भी यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाएंगे। वहीं, जिले में वीआईपी कल्चर के नाम पर नियमों को ताक पर रखने वाले वाहन चालकों के खिलाफ हुई इस कार्रवाई को आम नागरिक भी सकारात्मक पहल मान रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट